अब हर रोज दर्पण ⏩ 3

जबलपुर सोमवार 10 अगस्त 2026 > शक संवत 1948, श्रावण कृष्ण पक्ष प्रदोष व्रत

वर्ष 32 अंक 44 मूल्य ₹ 3.00 > पेज 12 > आर.एन.आई. पंजीयन नम्बर 64561/96

www.swatantramat.com

स्वतंत्र मत

मौसम
अधिकतम तापमान 26.4°C
न्यूनतम तापमान 24.6°C
सूर्योदय - 5.45 | सूर्यास्त - 6.46

स्वतंत्र मत में विज्ञापन देने के लिए 9589920250 पर कॉल करें * स्वतंत्र मत का अंक प्राप्त करने के लिए 9301359695 पर कॉल करें।

कटंगी में धूमधाम से मनाया गया विश्व... ⏩ 4

मेरी तस्वीर का प्रयोग कर डीपफेक बनाना... ⏩ 7

संगीत और उत्साह के साथ इंडक्शन मीट में... ⏩ 9

प्रदेश के हवाई नेटवर्क को मिले नए पंख

मुख्यमंत्री डॉ. यादव और केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री नायडू ने 4 सीधी हवाई सेवाओं को दिखाई हरी झंडी

भोपाल (स्वतंत्र मत)।

मध्यप्रदेश में रविवार को हवाई कनेक्टिविटी के विस्तार की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने राजा भोज एयरपोर्ट से भोपाल-रीवा, भोपाल-पटना, रीवा-कोलकाता और जबलपुर-कोलकाता की सीधी हवाई सेवाओं का शुभारंभ किया। इस दौरान केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री के. राममोहन नायडू, उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल और अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि भोपाल-रीवा हवाई कनेक्टिविटी शुरू होने का लंबे समय से इंतजार था। उन्होंने बताया कि जब वे पर्यटन निगम के अध्यक्ष थे, तब

भी भोपाल-रीवा हवाई सेवा शुरू करने के प्रयास हुए थे। अब नियमित उड़ान शुरू होने से विंध्य क्षेत्र को राजधानी से सीधा हवाई संपर्क मिल गया है। मुख्यमंत्री ने प्रदेश में एयर एंबुलेंस सुविधा का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि गंभीर मरीजों को आयुष्मान कार्ड के आधार पर एयर एंबुलेंस की सुविधा उपलब्ध कराने की व्यवस्था की गई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि एक समय प्रदेश में हवाई सेवाएं सीमित थीं और सुविधाएं नगण्य थीं, लेकिन आज एक साथ चार नई उड़ानों का शुरू होना बदलते मध्यप्रदेश और बदलते भारत की तस्वीर प्रस्तुत करता है। उन्होंने कहा कि इन सेवाओं का सबसे बड़ा लाभ समय की बचत के रूप में सामने आएगा। भोपाल-रीवा के बीच सप्ताह में चार दिन, जबकि भोपाल-पटना, रीवा-कोलकाता और जबलपुर-कोलकाता के बीच सप्ताह में तीन दिन उड़ानें संचालित होंगी। वर्तमान में इन शहरों के बीच सड़क अथवा रेल मार्ग से यात्रा में कई घंटे तक लगते हैं, जबकि सीधी हवाई सेवा से यही दूरी महज दो से ढाई घंटे में ही तय की जा सकेगी।

देश में 90 एयरपोर्ट विकसित किए

केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री नायडू ने कहा कि पहले हवाई यात्रा कुछ लोगों तक सीमित मानी जाती थी, लेकिन उड़ान योजना 'उड़े देश का आम नागरिक' के जरिए इसे आम लोगों तक पहुंचाने का प्रयास किया गया। नायडू ने कहा कि उड़ान योजना के तहत देश में करीब 90 एयरपोर्ट विकसित किए गए हैं। एयरक्राफ्ट का बेड़ा और यात्रियों की संख्या भी लगभग दोगुनी हुई है। छोटे शहरों में एयरपोर्ट बनने के बाद वहां पर्यटन, व्यापार, रोजगार और निवेश की संभावनाएं तेजी से बढ़ी हैं।

जबलपुर कृषि उड़ान योजना में शामिल

मध्यप्रदेश की 'नागर विमानन नीति 2025' के अंतर्गत राज्य सरकार हवाई सेवाओं को समर्थन दे रही है। किसानों को वैश्विक बाजारों से जोड़ने के लिए इंदौर, भोपाल और जबलपुर एयरपोर्ट को कृषि उड़ान योजना में शामिल किया गया है। वहीं विमानन क्षेत्र में करियर बनाने वाले युवाओं के लिए कोर्स फीस का 60 प्रतिशत हिस्सा सरकार वहन करेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आज से प्रारंभ हुई सीधी हवाई सेवाएं विकसित मध्यप्रदेश की आधारभूत संरचना को और भी मजबूत करेगी।

मध्यप्रदेश में 5 नए एयरपोर्ट को मंजूरी

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रदेश में एयर कनेक्टिविटी के विस्तार को लगातार गति मिल रही है। उन्होंने बताया कि दतिया, सतना और रीवा में एयरपोर्ट शुरू हो चुके हैं, जबकि उज्जैन और शिवपुरी को मंजूरी मिल चुकी है। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में प्रदेश के लिए पांच नए एयरपोर्ट की मंजूरी मिलने की जानकारी भी दी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में मध्यप्रदेश को लगातार नई सौगातें मिल रही हैं और आने वाले समय में प्रदेश के कई शहर हवाई नेटवर्क से जुड़ेंगे।

नई हवाई सेवाओं का परिचालन

क्र.	हवाई रूट	साप्ताहिक फ्रीक्वेंसी	ऑपरेटर	परिचालन की तिथि
1	भोपाल-रीवा	4 (मंगल, गुरु, शनि, रवि)	अलायंस एयर	09/08/2026
2	भोपाल-पटना	3 (सोम, बुध, रवि)	अलायंस एयर	10/08/2026
3	रीवा-कोलकाता	3 (मंगल, गुरु, शनि)	अलायंस एयर	09/08/2026
4	जबलपुर-कोलकता	3 (मंगल, गुरु, शनि)	अलायंस एयर	08/08/2026

नई हवाई सेवाओं के फायदे

क्र.	हवाई रूट	ट्रेन में समय	प्लेन में समय	समय की बचत	किराया
1	भोपाल-रीवा	10 घंटे	1.5 घंटे	8.5 घंटे	रु. 3,500
2	भोपाल-पटना	22 घंटे	2 घंटे	20 घंटे	रु. 4,500
3	रीवा-कोलकाता	22 घंटे	2 घंटे	20 घंटे	रु. 3,200
4	जबलपुर-कोलकाता	22 घंटे	2.5 घंटे	19.5 घंटे	रु. 4,500

प्रधानमंत्री से माफी मांगने की अपेक्षा थी लेकिन वह क्षमा बांट रहे : राहुल

नई दिल्ली।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने छात्रों की समस्याओं और दिल्ली में प्रदर्शनकारी युवाओं पर पुलिस कार्रवाई को लेकर कहा है कि छात्रों पर हुए अत्याचार की जवाबदेही तय होने तक वह आवाज उठाते रहेंगे। उन्होंने रविवार को सोशल मीडिया एक्स पर कहा, 'अब मेरे पास कोई रास्ता नहीं बचा।'

उन्होंने कहा कि कल प्रयागराज में एक छात्र ने उनसे यही पूछा था। उनका कहना था कि वर्षों की तैयारी, घर की जमीन बेचने, माता-पिता के कर्ज और इसके बावजूद हाथ में कुछ नहीं आने की स्थिति उस छात्र की हार नहीं, बल्कि उस व्यवस्था की हार है, जिसने उसकी मेहनत का दाम देने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा कि 13 दिन हो गए लेकिन गृह मंत्री अमित शाह के मुंह से एक शब्द नहीं निकला। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से माफी मांगने की अपेक्षा थी लेकिन वह क्षमा बांट रहे हैं। राहुल गांधी ने कहा, अमित शाह

यह ना समझें कि हम जवाबदेही मांगना बंद कर देंगे। राजधानी की सड़कों पर बच्चों पर लाठियां और पैलेट चले और आपने एक शब्द नहीं कहा। आज नहीं तो कल, इस जुर्म का जवाब आपको देना ही पड़ेगा। उन्होंने 13 दिसंबर 2023 को संसद की सुरक्षा में हुई चूक का भी उल्लेख किया और कहा कि उस समय भी विपक्ष ने गृह मंत्री से संसद में बयान देने की मांग की थी लेकिन उन्होंने कोई बयान नहीं दिया था। उन्होंने आरोप लगाया कि जिस तरह उस समय गृह मंत्री इस मुद्दे पर चुप रहे, उसी तरह अब पिछले महीने प्रदर्शन कर रहे युवाओं पर दिल्ली पुलिस की कार्रवाई को लेकर भी चुप्पी साधे हुए हैं। राहुल गांधी ने कहा कि 14 से 21 दिसंबर 2023 के बीच लोकसभा के 100 और राज्यसभा के 46, कुल 146 विपक्षी सांसदों को निलंबित किया गया था। विपक्ष की बेहद सीमित मौजूदगी के बीच उस सत्र के शेष हिस्से में भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, भारतीय साक्ष्य अधिनियम तथा मुख्य निर्वाचन आयुक्त और अन्य निर्वाचन आयुक्तों की नियुक्ति संबंधी विधेयक समेत कई महत्वपूर्ण कानून पारित किए गए। उन्होंने कहा, इतिहास को दोहराया नहीं जाना चाहिए। छात्र देश की रोशनी हैं और मैं उनके साथ पूरी शक्ति के साथ खड़ा हूं।

ट्रॉले ने वैन को टक्कर मारी, 6 युवकों की मौत

धार। धार जिले के बदनावर में रॉन्ग साइड से आ रहे ट्रॉले ने वैन को सामने से ऐसी टक्कर मारी कि वह पिचक गई। वैन में सवार सभी छह लोगों विशाल पिता रमेश भाई परमार, विमल कुमार पिता मुकेश भाई सोलंकी, दीपक कुमार पिता मुकेश भाई बारिया, राकेश कुमार पिता भूपतसिंह मकवाना, परेश कुमार पिता शैलेष भाई परमार तथा मितेश उर्फ मयूर पिता प्रकाश भाई चौहान की मौके पर ही मौत हो गई। गुजरात में वड़ोदरा के रहने वाले ये युवक आपस में दोस्त थे और उज्जैन से महाकाल के दर्शन कर लौट रहे थे। हादसा रविवार दोपहर करीब 1 बजे पंचकवास गांव के पास उज्जैन फोरलेन पर हुआ। वैन की हालत ऐसी थी कि उसकी बॉडी काटकर दो शव निकाले जा सके। ट्रॉला ड्राइवर को गिरफ्तार कर लिया गया है।

एथेनॉल के विरोध पर भड़के सांसद

भोपाल / रीवा (वार्ता)। मध्यप्रदेश के रीवा से भाजपा सांसद जनार्दन मिश्रा ने एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल का विरोध करने वालों पर निशाना साधते हुए विवादित टिप्पणी की है। मिश्रा ने कहा कि देश में 'आंदोलन हो रहा है एथेनॉल नहीं चलेगा, शुद्ध पेट्रोल चलेगा। शुद्ध पेट्रोल तुम्हारे बाप के घर से आएगा?

परीक्षा रद्द करने की मांग मानी, फिर भी नहीं थमा छात्रों का आंदोलन

सीबीआई जांच पर अड़े अभ्यर्थी

रांची। झारखंड में जेपीएससी परीक्षा में कथित अनियमितताओं को लेकर चल रहे छात्र आंदोलन के बीच सरकार और प्रदर्शनकारियों के बीच बातचीत हुई। बैठक के बाद छात्र नेताओं ने कहा कि सरकार ने परीक्षा रद्द करने की उनकी मांग मान ली है, लेकिन जब तक पूरे मामले की सीबीआई जांच की घोषणा नहीं होती, तब तक आंदोलन खत्म नहीं किया जाएगा। छात्र नेताओं ने कहा कि जेपीएससी परीक्षा रद्द करने की मांग को सरकार ने स्वीकार कर लिया है। हालांकि, प्रदर्शनकारियों की प्रमुख मांगों में अब सीबीआई जांच भी शामिल है। छात्रों का कहना है कि केवल परीक्षा रद्द करने से मामला खत्म नहीं होगा। वे पूरे मामले की निष्पक्ष जांच चाहते हैं

और इसके लिए सीबीआई जांच की घोषणा की मांग कर रहे हैं। बैठक के बाद उच्च एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री सुदिव्य कुमार ने कहा कि सरकार छात्रों के साथ सकारात्मक बातचीत हुई है। उन्होंने बताया कि परीक्षाओं में वित्तीय अनियमितताओं की जांच के लिए सरकार प्रवर्तन निदेशालय से जांच की सिफारिश करेगी। मंत्री सुदिव्य कुमार ने कहा कि सरकार ने छात्रों के साथ बातचीत के दौरान उनकी मांगों और मुद्दों को सुना है। उन्होंने कहा कि बातचीत सकारात्मक रही है और अब आंदोलन वापस लेना है या नहीं, इसका फैसला छात्रों को करना है।

10 अगस्त को विधानसभा मार्च का एलान - छात्र नेताओं ने साफ किया कि सीबीआई जांच की घोषणा होने तक वे किसी तरह का समझौता करने के लिए तैयार नहीं हैं। उन्होंने 10 अगस्त को झारखंड विधानसभा तक मार्च निकालने का एलान भी किया है। प्रदर्शनकारियों के मुताबिक, जब तक उनकी सभी प्रमुख मांगें पूरी नहीं होतीं, आंदोलन जारी रहेगा।

सीआईडी समन के बाद आयोग के सदस्यों ने दिया इस्तीफा

रांची।

झारखंड लोक सेवा आयोग की परीक्षाओं में हुई कथित अनियमितता और ओएमआर शीट में हेराफेरी के मामले में जांच का दायरा लगातार व्यापक होता जा रहा है। आयोग के पूर्व अध्यक्ष एल. खियांग्ते के इस्तीफे के बाद अब जेपीएससी के तीन सदस्यों डॉ. अजिता भट्टाचार्य, डॉ. अनिमा हांसदा और डॉ. जमाल अहमद ने भी अपने पद से इस्तीफा देते हुए राज्यपाल को त्यागपत्र भेज दिया है। इन तीनों सदस्यों को झारखंड पुलिस की सीआईडी ने पूछताछ के लिए समन जारी किया था, जिसके बाद राजनैतिक और प्रशासनिक हलकों में हड़कंप मच गया है। सोमवार को डॉ. अजिता भट्टाचार्य से सीआईडी की पूछताछ होनी है।

सिरप पीने के 10 मिनट बाद मासूम की मौत

बवाल के बाद प्रिस्क्रिप्शन-सिरप जब्त, डॉक्टर पर एफआईआर

कुक्षी।

धार में 14 महीने की बच्ची की इलाज के दौरान मौत हो गई। परिजन का आरोप है कि सरकारी अस्पताल की डॉक्टर ने जो सिरप लिखी, उसे पिलाने के कुछ देर बाद बच्ची ने दम तोड़ दिया। मामला निसरपुर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से जुड़ा है। परिजन के हंगामे के बाद पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर ली है। पुलिस ने सिरप की बोतल और डॉक्टर का प्रिस्क्रिप्शन जब्त कर लिया है। शव का कुक्षी सिविल अस्पताल में पोस्टमॉर्टम कराने के बाद बिसरा जांच के लिए भेजा गया है। धार सीएमएचओ अनीता सिंगारे ने कहा कि परिजन शव का पोस्टमॉर्टम निसरपुर अस्पताल में नहीं करवाना चाहते थे। ऐसे में कुक्षी सिविल अस्पताल में डॉ. राजेंद्र मंडलोई और डॉ. राजकुमार

पाटीदार ने पोस्टमॉर्टम किया है। बिसरा राऊ की फॉरेंसिक लैब में भेजा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार हेलादड गांव के रहने वाले अविनाश देवके की बेटी विधि बीती 7 अगस्त को उल्टियां कर रही थी। वे उसे लेकर सामुदयिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे। अस्पताल में चेकअप के बाद डॉ. प्रिया गहलोत ने बच्ची को उल्टी रोकने की सिरप- डोम्पेरिडोन सस्पेंशन आईपी दी थी। अस्पताल से घर लौटने के बाद परिजन ने विधि को सिरप पिलाई। इसके बाद वह सो गई। 10 मिनट बाद उठी और रोने लगी। इसके कुछ देर बाद उसकी सांसें थम गईं। परिजन उसे वापस अस्पताल लाए। यहां उसकी मौत की पुष्टि के बाद हंगामा कर दिया। डॉक्टर पर इलाज के दौरान लापरवाही के आरोप लगाए। सिरप की गुणवत्ता पर सवाल खड़े करते हुए जांच की मांग की। अविनाश देवके ने कहा- कुक्षी सिविल अस्पताल ले जाते वक्त बच्ची के शव पर काले धब्बे हो गए थे। जीभ भी काली पड़ गई थी।

4 सदस्यीय जांच टीम गठित

मामले की जांच के लिए कलेक्टर राजीव रंजन मीणा के निर्देश पर धार सीएमएचओ अनीता सिंगारे ने चार सदस्यीय टीम बनाई है। इसमें शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. अमित अग्रवाल, डॉ. सुभाष बरडे, ड्रग इंस्पेक्टर जितेंद्र पाटीदार और मनावर सीबीएमओ डॉ. चंपा बघेल शामिल हैं। सीएमएचओ सिंगारे ने कहा- सभी पहलुओं पर जांच की जा रही है। एक-दो दिन में कमेटी की रिपोर्ट आ जाएगी।

रक्तदान को संस्कृति बनाएं युवा: राजनाथ

सशस्त्र बलों के शौर्य की सराहना की

नई दिल्ली (वार्ता)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा है कि ऑपरेशन सिंदूर ने देश के रक्षा बलों के अद्वितीय शौर्य का प्रदर्शन के साथ दुनिया को यह संदेश भी दिया कि देश अपने नागरिकों और महिलाओं के सिंदूर की रक्षा के लिए किसी भी हद तक जा सकता है। रक्षा मंत्रालय ने रविवार को बताया कि रक्षा मंत्री ने दिल्ली छावनी स्थित बेस अस्पताल में सिंदूर महारक्तदान यात्रा रक्तदान शिविर को संबोधित करते हुए सशस्त्र बलों द्वारा पाकिस्तान स्थित आतंकवादियों और उनके आकाओं को समाप्त करने की सराहना की और कहा कि भारत पर बुरी नजर डालने वालों को गंभीर परिणाम भुगतने पड़ेंगे। ऑपरेशन सिंदूर और रक्तदान अभियान के बीच

समानता बताते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि जहां ऑपरेशन सिंदूर ने साहस का प्रदर्शन किया, वहीं इस मेगा शिविर ने करुणा का प्रतिनिधित्व किया। महाराष्ट्र के लगभग 1,000 पहलवानों और खिलाड़ियों ने रक्तदाताओं के रूप में भाग लिया, जबकि शिविर में लगभग 500 स्वैच्छिक रक्तदाताओं ने हिस्सा लिया। रक्षा मंत्री ने रक्तदान को जीवनदान और महादान बताया तथा जोर देकर कहा कि विज्ञान और चिकित्सा के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति के बावजूद मानव रक्त का कोई कृत्रिम विकल्प विकसित नहीं हुआ है।

एमपी के 'पॉवर' से दौड़ रही दिल्ली मेट्रो

नई दिल्ली में 7वें अंतर्राष्ट्रीय नवकरणीय ऊर्जा सम्मेलन में मध्यप्रदेश को मिली सराहना

भोपाल (स्वतंत्र मत)।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने विगत दिनों नई दिल्ली में आयोजित 7वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन स्थल तक एयारपोर्ट से मेट्रो रेल से यात्रा की। सम्मेलन में उन्होंने कहा कि हमारे लिये गर्व की बात है कि दिल्ली की मेट्रो रेल वर्ष 2018 से मध्यप्रदेश द्वारा उपलब्ध कराई जा रही विद्युत से संचालित हो रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली मेट्रो संचालन के लिये मध्यप्रदेश सरकार द्वारा वर्ष 2044 तक निरंतर विद्युत आपूर्ति की जायेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव नई दिल्ली के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में मध्यप्रदेश में नवकरणीय ऊर्जा को बढावा देने के लिये किये जा रहे उल्लेखनीय कार्यों पर जब प्रेजेंटेशन दे रहे थे, उस समय बेकग्राउण्ड में स्क्रीन पर दिल्ली मेट्रो में सफर संबंधित चित्र प्रदर्शित हो रहे थे। अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधियों ने मध्यप्रदेश के कार्यों की सराहना की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सम्मेलन में कहा कि मध्यप्रदेश वर्ष 2030 तक देश के 500 गीगा वॉट गैर-जीवाश्म ऊर्जा क्षमता के राष्ट्रीय लक्ष्य की प्राप्ति के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य नवकरणीय ऊर्जा, ऊर्जा भंडारण तथा हरित औद्योगिक विकास के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है। म.प्र. आज देश के अग्रणी राज्यों में अपनी विशिष्ट पहचान बना चुका है। नई दिल्ली में आयोजित 7वें अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा सम्मेलन एवं प्रदर्शनी-2026 के उद्घाटन सत्र में केंद्रीय नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रह्लाद जोशी, केंद्रीय भारी उद्योग मंत्री एचडी कुमार स्वामी तथा भूटान के ऊर्जा एवं

प्राकृतिक संसाधन मंत्री एच.ई. ल्योनपो जेम त्शेरिंग तथा श्रीलंका के ऊर्जा मंत्री अनुरा करुणाथिलका, अपर मुख्य सचिव नवकरणीय ऊर्जा मध्यप्रदेश मनु श्रीवास्तव सहित देश-विदेश के ऊर्जा क्षेत्र के विशेषज्ञ, नीति-निर्माता और उद्योग जगत के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि 750 मेगावाट रीवा अल्ट्रा मेगा सौर परियोजना ने देश में पहली बार सौर ऊर्जा का टैरिफ कोयला आधारित विद्युत से भी कम स्थापित किया।

इस परियोजना को वर्ल्ड बैंक ग्रुप प्रेसिडेन्ट्स अवार्ड फॉर एक्सीलेंस प्राप्त हुआ तथा इसकी केस स्टडी हावर्ड युनिवर्सिटी में पढ़ाई जाती है। नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री राकेश शुक्ला ने बताया कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव का महानिदेशक दिल्ली मेट्रो प्रमित गर्ग ने दिल्ली मेट्रो को बगैर किसी निवेश के मध्यप्रदेश सरकार द्वारा निरंतर विद्युत आपूर्ति के लिये आभार जताया।

डॉ. मोहन यादव का हुआ सम्मान

अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के शुभारंभ अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को प्रदेश में नवकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में किये जा रहे उल्लेखनीय कार्यों के लिये आमंत्रित कर सम्मानित किया गया। नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा विभाग, मध्यप्रदेश शासन राज्य में नवकरणीय ऊर्जा नीति निर्माण, निवेश प्रोत्साहन, परियोजना विकास तथा ऊर्जा संक्रमण से संबंधित कार्यक्रमों के समन्वय के लिये प्रमुख विभाग है। विभाग प्रदेश को स्वच्छ, सुरक्षित एवं सतत ऊर्जा के क्षेत्र में अग्रणी बनाने के लिए कार्यरत है। रीवा अल्ट्रा मेगा सोलर लिमिटेड, मध्य प्रदेश ऊर्जा विकास निगम लिमिटेड एवं सोलर एनर्जी कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया का संयुक्त उपक्रम है। रूम्सल राज्य में बड़े पैमाने पर सौर ऊर्जा, फ्लोटिंग सोलर, हाइब्रिड नवकरणीय ऊर्जा तथा बैटरी ऊर्जा भंडारण परियोजनाओं के विकास एवं क्रियान्वयन के लिये नोडल एजेंसी के रूप में कार्य कर रहा है। रूम्सल द्वारा विकसित नवाचार आधारित परियोजनाएँ मध्य प्रदेश को देश में ऊर्जा भंडारण एवं चौबीसों घंटे नवकरणीय ऊर्जा आपूर्ति के क्षेत्र में अग्रणी राज्य के रूप में स्थापित कर रही हैं।

झमाझम बारिश का दौर शुरू जलस्तर में हुआ इजाफा

हवा में घुली ठंडक, अगले 24 घंटे भारी वर्षा की चेतावनी

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

सुबह और शाम पानी की रिमझिम फुहार भी चली जिससे तापमान ऊछाल नहीं ले सका। भीनी-भीनी पानी की फुहारों के बाद चली ठडी बयारों से मौसम खुशनुमा बना रहा। रविवार को सुबह से ही आसमान पर बादल छाए रहे। मौसम विभाग का कहना है कि पूर्वी मध्य प्रदेश के उपर हवा के कम दबाव का क्षेत्र बना हुआ है, लिहाजा अगले 24 घंटों में जिले के कुछ स्थानों पर अगले 24 घंटे में भारी वर्षा हो सकती है।

स्थानीय मौसम विज्ञान केन्द्र के मुताबिक लो प्रेशर प्रभावी होने के कारण शनिवार की रात से ही हलकी बारिश शुरु हुई, रविवार को सुबह और दोपहर पानी की फुहारें चलती रहीं। तापमान में गिरावट की वजह से हवा में ठंडक घुल गई थी। पिछले 24 घंटे के दौरान 9 मिमि वर्षा दर्ज की गई। इधर रविवार को जिले का अधिकतम तापमान 26.4 डिग्री सेल्सियस सामान्य से 3 डिग्री कम दर्ज किया

गया। न्यूनतम तापमान 24.6 डिग्री सेल्सियस समान्य से 1 डिग्री अधिक दर्ज किया गया।

6-7 किमी प्रति घण्टे की रफ्तार से चली हवाएं

प्रात: काल 95 प्रतिशत और सांय काल 92 प्रतिशत आंकी गई। सूर्योदय सुबह 5.45 पर और सूर्यास्त शाम 6.46 पर हुआ है। पिछले 24 घण्टों को दौरान 09.00 मिली मीटर वर्षा दर्ज की गई। 1 जून से अब तक कुल वर्षा 339.1 मिली मीटर (11 इंच) दर्ज की गई।

गत वर्ष इसी दिन अधिकतम तापमान 31.8 और न्यूनतम तापमान 24.06 डिग्री दर्ज किया गया। वर्षा 0.2 मिली मीटर दर्ज की गई थी जबकि कुल वर्षा 772.3 मिली मीटर दर्ज की जा चुकी थी। पश्चिमी हवाएं 6 से 7 किलो मीटर प्रति घण्टे की रफ्तार से चलीं। अगले 24 घण्टों के दौरान संभाग के कई स्थानों पर वर्षा की संभावना जताई गई है।

दो घंटे की बारिश में घर-दुकानों में घुसा पानी

सिहोरा (स्वतंत्र मत)। सिहोरा में रविवार सुबह 9 से 11 बजे तक हुई करीब दो घंटे की झमाझम बारिश ने शहर की जल निकासी व्यवस्था की पोल खोल दी। बारिश के बाद कई इलाकों में सड़कें तालाब जैसी नजर आईं। वार्ड नंबर 6, 8 मिस्पा मिशन रोड इलाके में भदौहा तालाब ओवरफ्लो होने से पानी भगवत सिंह ठाकुर के घर में घुस गया। किचन और कमरों में पानी भरने से परिवार को गृहस्थी का सामान बचाने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ी।जलभराव की सूचना मिलते ही सीएमओ प्रदीप झरिया, इंजीनियर देवेंद्र व्यास और नगर पालिका की टीम जेसीबी लेकर मौके पर पहुंची। तालाब के एक हिस्से को खोदकर पानी की निकासी का रास्ता बनाया गया, जिसके बाद पानी निकलना शुरू हुआ। वहीं मझौली बायपास पर कई दुकानों में पानी घुस गया। वार्ड नंबर 5 आजाद चौक में भी नालियों का पानी रोड पर दिखाई दिया जिससे वाहन चालकों को दिक्कतों का सामना करना पड़ा। खितौला के वार्ड नंबर 13 और मंडी रोड पर भी जलभराव की स्थिति रही। दो घंटे की बारिश ने शहर की जल निकासी व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

ट्रांसमिशन सिस्टम की सुरक्षा और विश्वसनीयता बढ़ाने पर दिया जोर

एमपी ट्रांसको में केंद्रित प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

मप्र पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) के 400 केवी टेस्टिंग डिवीजन नागदा द्वारा ट्रांसमिशन सिस्टम की सुरक्षा एवं विश्वसनीयता बढ़ाने के उद्देश्य से प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में पावर ट्रांसफार्मर प्रोटेक्शन, ट्रांसमिशन लाइन प्रोटेक्शन, बसबार प्रोटेक्शन, अंडर फ्रीक्वेंसी प्रोटेक्शन तथा लोड ड्रॉपिंग स्कीम सहित विभिन्न तकनीकी विषयों पर जानकारी प्रदान की गई।

कार्यशाला में अधीक्षण अभियंता शेखर फटाले, कार्यपालन अभियंता दिनेश चन्द्र आर्य एवं दिनेश शर्मा, सहायक अभियंता रामशरण यादव, विक्रम डेहरिया, यशवंत राय, सुनील धुर्वे सहित कनिष्ठ अभियंता, नियमित मेंटेनेंस स्टाफ तथा संविदा एवं आउटसोर्स कर्मचारी उपस्थित रहे।

ट्रांसमिशन सिस्टम प्रोटेक्शन की दी गई जानकारी-प्रशिक्षण सत्र में अधीक्षण अभियंता शेखर फटाले एवं सहायक अभियंता

(परीक्षण) रामशरण यादव ने पावर ट्रांसफार्मरों की आंतरिक एवं बाह्य प्रोटेक्शन प्रणालियों, डिफरेंशियल रिले, डिस्टेंस प्रोटेक्शन रिले, बैकअप प्रोटेक्शन, बसबार प्रोटेक्शन स्कीम तथा लोकल ब्रेकर बैकअप (एलबीबी) स्कीम की विस्तृत जानकारी दी। साथ ही अंडर फ्रीक्वेंसी प्रोटेक्शन एवं लोड ड्रॉपिंग स्कीम की कार्यप्रणाली तथा विद्युत प्रणाली की सुरक्षा एवं विश्वसनीयता में उनकी भूमिका पर चर्चा की गई। कार्यशाला में नाइट्रोजन इंजेक्शन फायर प्रोटेक्शन सिस्टम (एनआईएफपीएस) की संरचना, संचालन एवं उपयोगिता के संबंध में भी प्रतिभागियों को जानकारी दी गई।

ई-रिक्शा चुरा ले गए चोर

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। ग्वारीघाट थाने में सुमित चौरहा उम्र 24 वर्ष निवासी इंद्रानगर बिलपुरा रांझी ने रिपोर्ट दर्ज कर बताया कि वह ई-रिक्शा चलाता है। विगत 5 अगस्त को वह अपना ई-रिक्शा में सवारी बैठाकर जिलहरी घाट आया था। दोपहर लगभग 2 बजे जिलहरी घाट में सवारी छोड़कर नर्मदाजी के दर्शन करने नीचे घाट में चला गया। लगभग आधा घण्टा वापस आकर देखा उसका ईरिक्शा गायब था। कोई अज्ञात चोर चोरी कर ले गया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

भव्य तिरंगा यात्रा निकालकर दिया प्रेम और देशभक्ति का संदेश

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। भारत सरकार एवं राज्य शासन द्वारा जारी दिशा निर्देशों के अनुरूप 09 अगस्त से 17 अगस्त तक हर घर तिरंगा अभियान का क्रियान्वयन किया जाना है। इसके लिए देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के आव्हान पर तिरंगा यात्रा के माध्यम से देश प्रेम का संदेश दिया जाना है। इसी तारतम्य में राष्ट्रीय गीत वंदेमातरम् के साथ महापौर जगत बहादुर सिंह ''अन्नू'' के नेतृत्व में जिला, नगर निगम एवं पुलिस प्रशासन के संयुक्त तत्वावधान में 09 अगस्त को एक भव्य और विशाल तिरंगा यात्रा निकाली गई। यह तिरंगा यात्रा महाराणा प्रताप की प्रतिमा स्थल से लेकर नगर निगम, तीनपत्ती, मालवीय चैक, सिविक सेन्टर होते हुए नगर निगम मुख्यालय तक निकाली गई जिसमें एक तरंगा रथ जो तिरंगे की थीम पर झाँकी के रूप में सजाई गयी थी, इनके पीछे जनप्रतिनिधियों के साथ-साथ नगर निगम के अध्यक्ष रिकुंज विज, पुलिस अधीक्षक सम्पत उपाध्याय, निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार, अपर कलेक्टर रवि शंकर राय आदि उपस्थित रहे।

जानकी नगर विवेकानंद वार्ड में निःशुल्क रक्त परीक्षण शिविर का आयोजन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। भारत विकास परिषद जबलपुर शाखा द्वारा मानस चौक, लमती में रविवार को प्रात: 9 बजे से नि:शुल्क रक्त परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्देश्य आम नागरिकों को अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना तथा विभिन्न स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं की समय रहते पहचान के लिए आवश्यक रक्त जांच उपलब्ध कराना रहा। शिविर का शुभारंभ भारत विकास परिषद के प्रांत संपर्क प्रमुख जितेंद्र कुलकर्णी के मुख्य आतिथ्य और पार्षद विवेकानंद वार्ड सोनिया रंजीत सिंह के विशिष्ट अतिथि में हुआ। इस अवसर पर डॉ. योगेश दत्त शर्मा, नितिन पालीवाल, अखिलेश बादशा, डॉ. निलेश पाण्डेय सहित अनेक गणमान्यजन एवं क्षेत्रीय नागरिक उपस्थित रहे।

पर्यावरण संरक्षण एवं आपदा प्रबंधन अभियान का भव्य समापन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। ब्रह्माकुमारी सेवा केंद्र, शिव स्मृति भवन, भंवरताल, नेपियर टाउन में आयोजित पर्यावरण संरक्षण एवं आपदा प्रबंधन अभियान का भव्य एवं गरिमामय समापन समारोह संपन्न हुआ। कार्यक्रम में अजित नायक चीफ इंजी एमपीबी, संदीप जैन (जेडीए अध्यक्ष), रत्ना श्रीवास्तव उपाध्यक्ष जे डीए, राजीव खत्री डायरेक्टर ग्लोबल इंजी. कॉलेज, उमेश चौबे चीफ इंजी., ब्रिजेश अर्जरिया आदि की सहभागिता रही। समापन समारोह के मुख्य अतिथि भारत भूषण भाई (पानीपत) रहे, जिन्होंने वैज्ञानिक,

इंजीनियर एवं आर्किटेक्ट के रूप में अपने अनुभव साझा करते हुए पर्यावरण संरक्षण को वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बताया। उन्होंने जल संरक्षण, वृक्षारोपण, ऊर्जा के विवेकपूर्ण उपयोग तथा आपदा प्रबंधन के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने का आह्वान किया। ब्रह्माकुमार पीयूष भाई (दिल्ली) ने विज्ञान और अध्यात्म के समन्वय पर प्रकाश डालते हुए कहा कि पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने के लिए तकनीकी विकास के साथ नैतिक और आध्यात्मिक मूल्यों का समावेश भी आवश्यक है। उन्होंने प्राकृतिक आपदाओं से बचाव हेतु सामुदायिक सहभागिता और पूर्व तैयारी के महत्व पर भी विस्तार से विचार व्यक्त किए।कार्यक्रम में आशा दीदी जी (भिलाई सेवा केंद्र प्रभारी) तथा भावना दीदी (महाकौशल प्रभारी) ने पर्यावरण संरक्षण को एक जन-आंदोलन बनाने की आवश्यकता पर बल देते हुए सभी को प्रकृति के प्रति जिम्मेदार जीवनशैली अपनाने का संकल्प दिलाया।

आज विशाल कांवड़ यात्रा का आयोजन, प्रशासन हुआ अलर्ट

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। सावन माह के दूसरे सोमवार को निकलने वाली संस्कार कांवड़ यात्रा को लेकर जिला प्रशासन ने तैयारियां पूरी कर ली हैं।संस्कार कांवड़ यात्रा सोमवार आज सुबह 7 बजे मां नर्मदा तट गौरीघाट से प्रारंभ होगी। यात्रा बादशाह हलवाई मंदिर, रामपुर चौक, छोटी लाइन फाटक, शास्त्री ब्रिज, तीन पत्ती चौक, मालवीय चौक, बड़ा फुहारा, सराफा चौक, बेलबाग तिराहा, घमापुर चौक, कांचघर चौक, सतपुला ब्रिज, पनेहरा पेट्रोल पंप, गोकलपुर, रांझी, खमरिया बाजार होते हुए मटामर स्थित कैलाशधाम मंदिर पहुंचेगी। गौरीघाट से मटामर तक के निर्धारित रूट और अन्य संपर्क मार्गों पर पुलिस बल की तैनाती की गई है। कांवड़ शिविरों और प्रमुख चौराहों पर पुलिसकर्मी तैनात रहेंगे, वहीं सादे कपड़ों में भी जवान निगरानी रखेंगे ताकि किसी तरह की गड़बड़ी रोकी जा सके। यात्रा मार्ग पर ट्रैफिक व्यवस्था को नियंत्रित करने के लिए ट्रैफिक पुलिस की तैनाती की गई है, और जरूरत पड़ने पर रूट डायवर्जन भी लागू किया जाएगा।

अतिरिक्त बल रहेगा तैनात- यात्रा के दौरान किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए प्रमुख बिंदुओं पर एंबुलेंस, दमकल और क्रेन वाहन तैनात किए जाएंगे। तीनों ट्रैफिक थानों सहित संबंधित थाना क्षेत्रों की पुलिस फोर्स को फील्ड में सक्रिय रखा गया है। साथ ही अतिरिक्त बल भी रूट पर तैनात रहेगा ताकि किसी भी स्थिति से तत्काल निपटा जा सके।

प्रशासन ने कांवड़ शिविर आयोजकों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि वे अपने शिविर मुख्य राजमार्गों से कम से कम 100 फीट और आंतरिक सड़कों से 50 फीट की दूरी पर स्थापित करें। लाउडस्पीकर का उपयोग धीमी आवाज में किया जाए ताकि स्थानीय लोगों को असुविधा न हो। शिविर संचालन में सामाजिक समरसता और शांति बनाए रखने पर विशेष जोर दिया गया है।

सरपंच सचिव को भेंट किए एक हजार फलदार पौधे

सिहोरा (स्वतंत्र मत)। तहसील के अंतर्गत गोसलपुर के शंकर कॉलोनी में संचालित मे. एसएस इंटरप्राइजेज के संचालक नीरज श्रीवास्तव के द्वारा ग्राम पंचायत गोसलपुर के सरपंच सचिव को लगभग एक हजार फलदार पौधे भेंट किए गए। गौरतलब है की गोसलपुर की रिक्त पड़ी शासकीय भूमियों पर बडे पैमाने पर पौधारोपण किया जाना है। इसी लिहाज से गत दिवस ग्राम पंचायत गोसलपुर की सरपंच गिरिजा जितेंद्र पालीवाल, धर्मेंद्र सिंह राजपूत, सचिव प्रदीप यादव को खदान प्रबंधन की ओर से पौधे वितरण किए गए।

8 करोड़ के पार पहुंची घूसखोर बाबू की सम्पत्ति

एक साथ 5 ठिकानों पर लोकायुक्त ने मारी थी दबिश

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

विगत दिवस लोकायुक्त टीम द्वारा सिवनी के क्षेत्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायत राज प्रशिक्षण केंद्र में पदस्थ बाबू सुभाष शर्मा के 5 ठिकानों पर छापा मारा गया था। शुरुआती जांच में आरोपी सुभाष शर्मा के पास आय से 543.19 गुना अधिक सम्पत्ति का खुलासा हुआ था। जिसकी जांच में अब तक 8 करोड़ से अधिक की सम्पत्ति का पता चला है, जिसमें करीब करोड़ रुपये के सोने-चांदी के जेवर शामिल हैं। इसमें 500 ग्राम सोना और 1.25 किलो चांदी के आभूषण और विलासिता के महंगे सामान बरामद हुए हैं। लोकायुक्त टीम की छानबीन में यह बात भी सामने आई है कि आरोपी बाबू ने अपने त्रिमूर्ति नगर स्थित 4800 वर्गफीट के दो मंजिला आलीशान मकान की प्रथम मंजिल पर आने-जाने के लिए विशेष तौर पर लिफ्ट लगवा रखी है। यह लिफ्ट कब लगाई गई थी और इसके निर्माण में कुल कितना खर्च आया था, इसका बारीकी से आकलन किया जा रहा है। इसके साथ ही बैंक अधिकारियों को आधिकारिक पत्र भेजकर बाबू सुभाष शर्मा और उनकी पत्नी शीला शर्मा के नाम संचालित आधा दर्जन से अधिक बैंक खातों की डिटेल मांगी गई है। इन खातों के माध्यम से अब तक किए गए लेन-देन यानी ट्रांजैक्शन की गहनता से पड़ताल की जा रही है ताकि काले धन और अवैध कमाई के अन्य स्त्रोतों का भी पता लगाया जा सके।

व्यास पूजन और गुरू वंदन उत्सव का भव्य आयोजन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

भारतीय शिक्षण मंडल महाकौशल प्रांत, महानगर द्वारा शासकीय मानकुंवर बाई कला एवं वाणिज्य स्वशासी महिला महाविद्यालय जबलपुर में व्यास पूजन एवं गुरु वंदना कार्यक्रम का आयोजन किया गया । कार्यक्रम के मुख्य अतिथि इंजी डॉ ब्रह्माकुमार पीयूष ने पर्यावरण संरक्षण, मानसिक स्वास्थ्य ,गुरु तथा विद्यार्थियों को ईमानदारी से दायित्व निर्वहन करने पर जोर दिया साथ ही साथ छात्राओं को अपने गुरुओं के प्रति सम्मान के भाव से मार्गदर्शक के रूप में स्वीकार करने का आवाहन किया।

मुख्य वक्ता डॉ अशोक कुमार मिश्रा ने भारतीय ज्ञान परंपरा में गुरुओं की भूमिका, छात्रों के गुरुओं के प्रति सम्मान एवं राष्ट्र सर्वोपरि की भावना के अभियान में शामिल होने की प्रेरणा दी।

अध्यक्षीय उद्बोधन में महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ सुनीता मिश्रा ने इस तरह के आयोजनों की सतत श्रृंखला हो एवं उपस्थित गुरुजनों को अपने में बदलाव लाने के लिए व छात्रों को गुरु के प्रति सम्मान एवं कृतज्ञता प्रकट करने के लिए प्रेरणा दायक व्याख्यान दिया गया।

इस अवसर पर भारतीय शिक्षण मंडल महाकौशल प्रांत मंत्री डॉ ज्ञानेंद्र त्रिपाठी, भोले शंकर जी, डॉ नर्मदा प्रसाद शर्मा, डॉ ब्रह्मानंद त्रिपाठी, डॉ बृजेश अरजरिया आदि उपस्थित रहे।

मजदूर संघ हथौड़ा ने संगठन विस्तार की दिशा में बढ़ाया कदम

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। पिछले कार्य समिति चुनाव में मिली शानदार एवं ऐतिहासिक सफलता के बाद मजदूर संघ हथौड़ा ने संगठन को और अधिक मजबूत एवं व्यापक बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है। संघ के महामंत्री रोहित यादव ने संगठन के विस्तार एवं मजबूती के उद्देश्य से पांच समर्पित साथियों को ऑल इंडिया डिफेंस एम्प्लॉयड फेडरेशन के फेडरल काउंसिल सदस्य के रूप में नियुक्त किए जाने की सूचना फेडरेशन को दी है।

फेडरल काउंसिल सदस्य के रूप में सागर कनोजिया, अमित कुमार, सुदीत कुमार, आशीष कुमार, संजय कुमार नियुक्त किया गया है। मजदूर संघ हथौड़ा के महामंत्री रोहित यादव ने कहा कि वर्ष 2026 के कार्य समिति चुनाव के दौरान इन सभी साथियों ने संगठन के प्रति सच्ची निष्ठा, लगन और समर्पण के साथ कार्य किया तथा कर्मचारियों के हितों से जुड़े मुद्दों को मजबूती से उठाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उपरोक्त जानकारी एआईडीईएफ के मीडिया प्रमुख उत्तम विश्वास द्वारा दी गई।

मदन महल-इटारसी के बीच शुरू होगी दैनिक पैसेंजर ट्रेन सेवा

रेल मंत्रालय ने दी स्वीकृति, समय सारिणी हुई जारी

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

भारतीय रेलवे ने दैनिक ट्रेन संख्या 51673/51674 इटारसी-मदन महल पैसेंजर की शुरुआत को स्वीकृति दे दी है। यह मध्य मध्य प्रदेश में रेल संपर्क को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह नई यात्री सेवा इटारसी और जबलपुर (मदन महल) के बीच रेल संपर्क को मज़बूत करेगी, और प्रमुख मध्यवर्ती स्टेशनों पर यात्रियों के लिए यात्रा के बेहतर विकल्प भी उपलब्ध कराएगी। ट्रेन संख्या 51673 इटारसी-मदन महल पैसेंजर इटारसी जंक्शन से 11.40 बजे चलेगी और 16.45 बजे मदन महल पहुंचेगी। वापसी में, ट्रेन

संख्या 51674 मदन महल-इटारसी पैसेंजर मदन महल से 17.50 बजे चलेगी और 22.55 बजे इटारसी जंक्शन पहुंचेगी।

5 घंटे 5 मिनट में तय होगी 242 किमी की दूरी

यह दैनिक पैसेंजर सेवा लगभग 5 घंटे 5 मिनट में 242 किमी की दूरी तय करेगी। ट्रेन बागरा तवा, सोहागपुर, पिपरिया, बनखेड़ी, सालीचौका रोड, गाडरवारा, करेली, नरसिंहपुर और श्रीधाम में वाणिज्यिक ठहराव करेगी, जिससे इन स्टेशनों से यात्रा करने वाले यात्रियों को बेहतर रेल कनेक्टिविटी मिलेगी। इटारसी-मदन महल पैसेंजर सेवा केवल एक स्थान से दूसरे स्थान तक जोड़ने के बजाय क्षेत्रीय संपर्क (कनेक्टिविटी) के दृष्टिकोण से भी महत्वपूर्ण है। यह सेवा जबलपुर और इटारसी के दो प्रमुख रेलवे नोड्स को जोड़ने के साथ-साथ, जबलपुर-नर्मदापुरम बेल्ट के बीच पड़ने वाले कस्बों और छोटे स्टेशनों तक दैनिक आधार पर किफायती यात्रा की सुविधा प्रदान करती है। यह सेवा विशेष रूप से मध्यम-वर्ग, अनारक्षित और कम दूरी की यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए है। इस तरह की सेवा एक महत्वपूर्ण फ़ीडर/डिस्ट्रीब्यूशन का काम भी करती है, जिससे रोजगार, शिक्षा, चिकित्सा, व्यापार और तीर्थ स्थलों तक पहुंच आसान हो जाती है और इटारसी से भारत के अन्य हिस्सों के प्रमुख गंतव्यों के लिए आगे की यात्रा की सुविधा भी मिलती है।

संस्कृत: भारतीय संस्कृति की आत्मा और ज्ञान की अमूल्य धरोहर

संस्कृत केवल एक भाषा नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति, सभ्यता और ज्ञान परंपरा की आत्मा है। 'संस्कृत' शब्द का अर्थ ही है परिष्कृत, शुद्ध और सुसंस्कृत। इसे 'देववाणी' भी कहा जाता है, क्योंकि भारतीय दर्शन, आध्यात्म, विज्ञान और संस्कृति के मूल स्रोत इसी भाषा में सुरक्षित हैं। आज भले ही दुनिया आधुनिकता और वैश्वीकरण की ओर बढ़ रही हो, लेकिन अपनी सांस्कृतिक पहचान और मूल्यों को बनाए रखने में संस्कृत की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।

ज्ञान और विज्ञान का अमूल्य भंडार

संस्कृत भाषा में भारतीय ज्ञान परंपरा का विशाल खजाना निहित है। वेद, उपनिषद, रामायण, महाभारत और श्रीमद्भगवद्गीता जैसे महान ग्रंथ संस्कृत में ही रचे गए हैं। आयुर्वेद, गणित, खगोल विज्ञान, वास्तुशास्त्र, राजनीति और अर्थशास्त्र के अनेक प्राचीन ग्रंथ भी संस्कृत में उपलब्ध हैं। महर्षि कणाद, आर्यभट्ट और वराहमिहिर जैसे महान विद्वानों ने अपने वैज्ञानिक सिद्धांत इसी भाषा में प्रस्तुत किए। इस दृष्टि से संस्कृत केवल धार्मिक भाषा नहीं, बल्कि ज्ञान और विज्ञान की समृद्ध भाषा है।

संस्कारों और जीवन मूल्यों की जननी

भारतीय संस्कृति 'वसुधैव कुटुम्बकम' और 'सर्वे भवन्तु सुखिनः' जैसे उदात्त विचारों पर आधारित है। ये मूल्य संस्कृत साहित्य से ही प्राप्त हुए हैं। जन्म से लेकर जीवन के विभिन्न संस्कारों तक संस्कृत मंत्रों और श्लोकों का विशेष महत्व रहा है। ये मंत्र न केवल धार्मिक आस्था के प्रतीक हैं, बल्कि सकारात्मक सोच, नैतिकता और मानवता का संदेश भी देते हैं।

भाषाई एकता का सशक्त आधार

संस्कृत को भारत की अनेक भाषाओं की जननी माना जाता है। हिंदी, मराठी, गुजराती, बंगाली, ओड़िया सहित कई भाषाओं पर संस्कृत का गहरा प्रभाव है। दक्षिण भारतीय भाषाओं में भी संस्कृत के अनेक शब्द पाए जाते हैं। इस प्रकार संस्कृत भारत की विविध भाषाओं और संस्कृतियों को एक सूत्र में पिरोने का कार्य करती है।

आधुनिक युग में संस्कृत की प्रासंगिकता

आज विज्ञान, कंप्यूटर और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्षेत्र में भी संस्कृत की उपयोगिता पर चर्चा हो रही है। इसकी स्पष्ट व्याकरणिक संरचना और वैज्ञानिक ध्वनि व्यवस्था इसे विशेष बनाती है। नई शिक्षा नीति में भी संस्कृत को बढ़ावा देने पर बल दिया गया है। इसलिए संस्कृत को केवल अतीत की भाषा नहीं, बल्कि भविष्य की संभावनाओं से जुड़ी भाषा के रूप में देखना चाहिए।

अर्चना गुप्ता
प्राचार्य
केसी हितकारिणी चिल्ड्रन्स एकेडमी, जोंसगंज, जबलपुर

> 19 अगस्त को विश्व संस्कृत दिवस मनाया जाएगा। भारतीय संस्कृति में संस्कृत का बहुत महत्व है। अब दुनिया भर में संस्कृत भाषा के प्रति रुझान तेजी से बढ़ रहा है। एक समय जो भाषा सिर्फभारत के कुछ हिस्सों में सीमित थी, आज वह दुनिया की कई बड़ी यूनिवर्सिटीज में पढ़ाई जा रही है.। यह एक बहुत ही सकारात्मक संकेत है जो संस्कृत भाषा के महत्व और इसकी समृद्धि को दिखाता है।

दुनिया भर में तेजी से बढ़ रहा है संस्कृत के प्रति रुझान

संस्कृत भाषा भारतीय संस्कृति और दर्शन का आधार है। कई विदेशी छात्र भारतीय दर्शन और योग जैसे विषयों में गहरी रुचि रखते हैं, जिसके लिए संस्कृत भाषा का ज्ञान आवश्यक है। कई अंतरराष्ट्रीय संगठन संस्कृत भाषा के संरक्षण और प्रचार के लिए काम कर रहे हैं, जिससे इसे विश्व स्तर पर मान्यता मिल रही है। आज हम आपको दुनिया भर की कई यूनिवर्सिटी के बारे में बताएंगे जहां संस्कृत पढ़ाई जा रही है और काफी दूर से छात्र इसे पढ़ने के लिए पहुंच रहे हैं.

इन विदेशी संस्थांनों में पढ़ाई जा रही संस्कृत

यूरोप- ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी (यूके- हाइडेलबर्ग यूनिवर्सिटी (जर्मनी)- पेरिस यूनिवर्सिटी (फ्रांस)
अमेरिका- हार्वर्ड यूनिवर्सिटी
कोलंबिया यूनिवर्सिटी
कैलिफोर्निया यूनिवर्सिटी, बर्कले
एशिया
टोक्यो यूनिवर्सिटी (जापान)
सिंगापुर यूनिवर्सिटी

भारत में संस्कृत का अध्ययन करने के लिए कई प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय हैं. ये विश्वविद्यालय न केवल देश बल्कि दुनिया भर के छात्रों को आकर्षित करते हैं.

ये है देश की टॉप संस्कृत यूनिवर्सिटीज

- केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, लखनऊ
- श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
- संस्कृत महाविद्यालय एवं विश्वविद्यालय
- संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी
- राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
- उत्तराखंड संस्कृत विश्वविद्यालय

संस्कृत का विकास

संस्कृत का सबसे प्राचीन रूप वैदिक संस्कृत है, जिसमें वेदों की रचना हुई. शास्त्रीय काल में संस्कृत का व्याकरणिक विकास हुआ और महाकाव्य, पुराण, दर्शनशास्त्र आदि की रचना हुई. मध्यकाल में संस्कृत का प्रयोग कम हुआ. आधुनिक काल में यूरोपीय विद्वानों ने संस्कृत में रुचि दिखाई है.

संस्कृत का महत्व

संस्कृत हिंदू धर्म और दर्शन की आधारभूत भाषा है. धार्मिक ग्रंथों से लेकर साहित्य और कला तक, संस्कृत ने भारतीय संस्कृति को आकार दिया है. इसका वैज्ञानिक व्याकरण भाषा विज्ञान में महत्वपूर्ण रहा है. आज भी संस्कृत का उपयोग पूजा, संगीत और चिकित्सा में किया जाता है।

Writing Skills Mastery : अंग्रेज़ी लेखन को बनाएं प्रभावशाली

आज के वैश्विक दौर में अंग्रेज़ी लेखन कौशल केवल एक भाषा का ज्ञान नहीं, बल्कि सफलता की पहचान बन चुका है। चाहे उच्च शिक्षा हो, प्रतियोगी परीक्षा, कॉर्पोरेट जगत, पत्रकारिता, डिजिटल मीडिया या अंतरराष्ट्रीय व्यापार, हर क्षेत्र में प्रभावी अंग्रेज़ी लेखन की मांग लगातार बढ़ रही है। एक अच्छा लेखक अपने विचारों को स्पष्ट, सटीक और प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत करता है। यही क्षमता उसे दूसरों से अलग पहचान दिलाती है।

सरल भाषा और स्पष्ट अभिव्यक्ति अपनाएँ– अच्छा लेखन कठिन शब्दों का नहीं, बल्कि सरल और सटीक अभिव्यक्ति का परिणाम होता है। छोटे वाक्य, स्पष्ट विचार और सही शब्द चयन पाठकों को विषय समझने में मदद करते हैं। अनावश्यक तकनीकी शब्दों और लंबे वाक्यों से बचना चाहिए।

नियमित अभ्यास ही सफलता की कुंजी– प्रतिदिन कुछ लिखने की आदत विकसित करें। अंग्रेज़ी समाचार-पत्र, पुस्तकें, पत्रिकाएँ और प्रतिष्ठित वेबसाइटें पढ़ें। इससे शब्दावली बढ़ती है, व्याकरण मजबूत होता है और लेखन शैली में स्वाभाविक सुधार आता है। लिखने के बाद अपने लेख की स्वयं समीक्षा अवश्य करें।

व्याकरण और डिजिटल टूल्स का संतुलित उपयोग– सही व्याकरण, विराम चिह्न और वर्तनी प्रभावी लेखन की नींव हैं। ग्रामरली माइक्रोसॉफ्ट एडिटर तथा एआई आधारित लेखन सहायक जैसे टूल त्रुटियाँ पहचानने में सहायक हैं, लेकिन उन पर पूरी तरह निर्भर होने के बजाय स्वयं सीखने और सुधारने पर अधिक ध्यान देना चाहिए। प्रभावी अंग्रेज़ी लेखन कोई जन्मजात प्रतिभा नहीं, बल्कि निरंतर अभ्यास, पढ़ने की आदत और सही मार्गदर्शन से विकसित होने वाला कौशल है। यदि आप नियमित रूप से लिखते हैं, अपनी गलतियों से सीखते हैं और सरल भाषा में विचार व्यक्त करना सीख लेते हैं, तो अंग्रेज़ी लेखन आपके करियर और व्यक्तित्व दोनों को नई ऊँचाइयों तक पहुँचा सकता है।

प्रभावी अंग्रेज़ी लेखन के 5 गोल्डन टिप्स

- प्रतिदिन कम से कम 20 से 30 मिनट अंग्रेज़ी में लिखें।
- नए शब्द सीखें और उनका प्रयोग करें।
- छोटे, स्पष्ट और अर्थपूर्ण वाक्य लिखें।
- लिखने के बाद व्याकरण और वर्तनी अवश्य जाँचें।
- अच्छे लेखकों की लेखन शैली पढ़ें और उनसे सीखें।

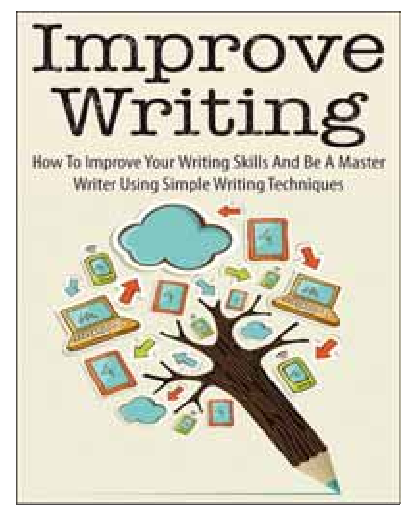

Natural Language Processing (NLP)

Bridging the Gap Between Humans and Machines

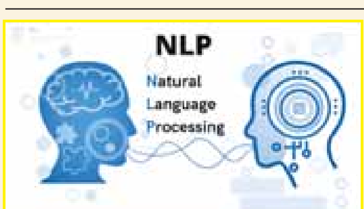

Natural Language Processing (NLP) is a branch of Artificial Intelligence (AI) that enables computers to understand, interpret, and generate human language. By combining linguistics with machine learning, NLP allows machines to communicate with people in a natural and meaningful way.

How Does NLP Work?

NLP analyzes text and speech by identifying words, grammar, context, and meaning. It processes large volumes of language data to recognize patterns, answer questions, translate languages, summarize documents, and even detect emotions in text. Modern NLP systems use advanced AI models to deliver more accurate and human-like responses.

Applications of NLP

NLP is widely used in everyday life through virtual assistants like Siri and Alexa, chatbots, language translation tools, voice recognition systems, spam filters, and search engines. It also plays a vital role in healthcare, education, banking, customer service, and e-commerce by automating communication and improving user experiences.

Future Prospects

As AI continues to evolve, NLP is becoming more powerful and multilingual. It is transforming the way people interact with technology, making communication faster, smarter, and more accessible. With continuous advancements, NLP is expected to shape the future of digital communication and intelligent automation across industries.

जबलपुर की कर्मभूमि से अमर हुईं राष्ट्रकवियित्री सुभद्रा कुमारी चौहान

सुभद्रा कुमारी चौहान हिंदी साहित्य की उन महान कवयित्रियों में से हैं, जिन्होंने अपनी ओजपूर्ण कविताओं के माध्यम से देशभक्ति, वीरता और राष्ट्रीय चेतना का संचार किया। उनकी अमर कविता झाँसी की रानी आज भी बच्चों से लेकर बड़ों तक सभी के बीच लोकप्रिय है। वे केवल कवयित्री ही नहीं, बल्कि एक निर्भीक स्वतंत्रता सेनानी भी थीं, जिन्होंने महात्मा गांधी के नेतृत्व में स्वतंत्रता आंदोलन में सक्रिय भाग लिया। उन्हें नागपुर में गिरफ्तारी देने वाली पहली महिला सत्याग्रही माना जाता है।

जीवन परिचय

सुभद्रा कुमारी चौहान का जन्म 16 अगस्त 1904 को निहालपुर गाँव, प्रयागराज (तत्कालीन इलाहाबाद), उत्तर प्रदेश में हुआ। इनके पिता का नाम ठाकुर रामनाथ सिंह और माता का नाम धीराज कुँवर था। इनके पति ठाकुर लक्ष्मण सिंह चौहान जबलपुर के रहने वाले थे। इनकी मृत्यु 15 फ रवरी 1948 को सिवनी (मध्य प्रदेश) में एक सड़क दुर्घटना के बाद हो गयी थी।

शिक्षा

प्रारंभिक शिक्षा प्रयागराज के क्रॉस्थवेट गर्ल्स स्कूल में हुई। वहीं उनकी मित्रता आगे चलकर प्रसिद्ध कवयित्री महादेवी वर्मा से हुई। 1919 में उनका विवाह ठाकुर लक्ष्मण सिंह चौहान से हुआ, जिसके बाद वे जबलपुर आ गईं।

साहित्यिक विशेषताएँ

उनकी रचनाओं में देशभक्ति और राष्ट्रप्रेम, वीर रस, नारी शक्ति का सम्मान, सामाजिक चेतना सरल, सहज और प्रभावशाली भाषा, भावनात्मक अभिव्यक्ति का अद्भुत समन्वय देखने मिलता है।

प्रमुख कृतियाँ

- मुकुल (काव्य संग्रह)
- त्रिधारा (सह-रचना)
- झाँसी की रानी
- वीरों का कैसा हो वसंत
- राखी की चुनौती
- जलियाँवाला बाग में वसंत
- यह कदंब का पेड़
- बिखरे मोती
- सीधे-सादे चित्र

शब्द पहेली - 8945

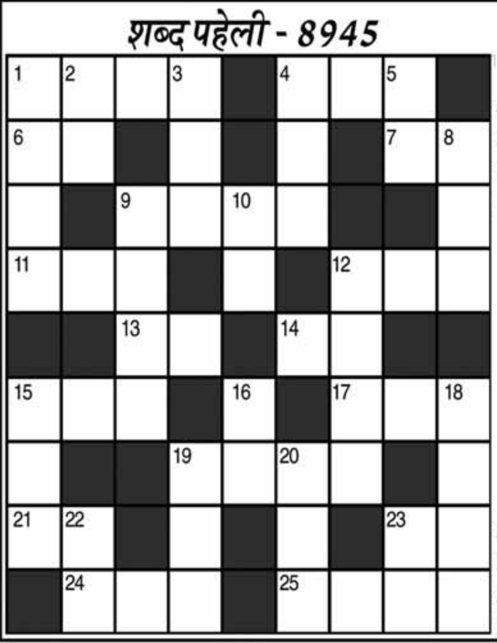

बाएँ से दाएँ

1. रुद्र, शिव, भैरव-4
4. आर्युवेद के जनक-3
6. भीगा हुआ-2
7. ताला(अंग्रेजी-2)
9. शेविंग करना -4
11. योग्य, अनुरूप-3
12. अल्सर-3
13. ज्वालामुखी से निकला गर्म द्रव-2
14. नमाज पढ़ने से पहले हाथ- पांव धोना-2
15. नाप जोख करना-3
17. अनुमान लगाना-3
19. उदारता, बड़प्पन-4
21. गाथा, कहानी -2
23. जनकपुत्री-2
24. जिज्ञासा, उत्साह-3
25. राजा, सम्राट- 4

ऊपर से नीचे

1. इच्छुक, अलमस्त-4
2. मात, पराजय-2
3. बोलने का तरीका-3
4. अचंभित-3
5. आर्ट, हुनर-2
8. गुनाह, अपराध-3
9. अटक-अटक कर बोलना-4
10. सरुर, खुमार, नशा, घमंड-2
12. नजाकत-4
15. अभिनेता, कप्तान-3
16. आनंद बोधक शब्द-2
18. सम्राट, राजा-4
19. व्यंग, परिहास-3
20. मुलायम-3
22. परात, बड़ी थाली-2
23. हलवा, एक मिष्ठान्न-2

शब्द पहेली -8944 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

स्वतंत्र मत
जबलपुर

गौ हत्या मामले में तीन गिरफ्तार, एक आरोपी फरार

गुड़रूघाट के श्मशान घाट में गाय का सिर व अवशेष मिलने से मचा हड़कंप, आरोपी के घर से 30-40 किलो गौमांस बरामद

बालाघाट(स्वतंत्र मत)।

जिले के तिरोड़ी थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम गुड़रूघाट में गौवंश के अवशेष मिलने के बाद क्षेत्र में हड़कंप मच गया। श्मशान घाट स्थित शिव मंदिर के पास गाय का सिर एवं अन्य अवशेष मिलने की सूचना से ग्रामीणों में आक्रोश फैल गया। देखते ही देखते बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर एकत्रित हो गए और गौ हत्या के विरोध में सड़क पर बैठकर प्रदर्शन शुरू कर दिया। सूचना मिलते ही तिरोड़ी पुलिस एवं वारासिवनी एसडीओपी मौके पर पहुंचे। पुलिस ने मामले की जांच करते हुए एक संदिग्ध के घर से बड़ी मात्रा में गौमांस बरामद किया। मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि एक आरोपी की गिरफ्तारी अभी शेष है।

जानकारी के अनुसार, 9 अगस्त की सुबह गुड़रूघाट के श्मशान घाट की ओर पशु चराने गए लोगों ने शिव मंदिर के पास गाय का सिर एवं अन्य अवशेष पड़े देखे। इसकी जानकारी गांव में फैलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। घटना की सूचना गुड़रूघाट के सरपंच दिलीप बिसेन और मिरगपुर सरपंच दीपक देशमुख को दी गई। दोनों सरपंच भी मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों के साथ घटना का विरोध किया। घटना को लेकर ग्रामीणों में आक्रोश बढ़ता गया और उन्होंने सड़क पर बैठकर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। स्थिति को देखते हुए तिरोड़ी पुलिस मौके पर पहुंची और ग्रामीणों को समझाइश देते हुए जांच शुरू की।

घर से गौमांस बरामद और चार पर मामला दर्ज... मौके से मिले अवशेषों को कब्जे में लेने के बाद पुलिस ने फिर आरोपी धनेन्द्र मराठे निवासी गुडरुघाट के घर दबिश दी। पुलिस को धनेन्द्र के घर के किचन रूम में कटा हुआ मांस मिला। वहां जमीन पर चटाई के ऊपर गाय के जैसे खुर वाले दो पैर, चमड़ी, धड़ और मांस के टुकड़े रखे हुए थे। पूछताछ में पता चला कि इस काम में धनेन्द्र के साथ अभिषेक मेश्राम, उम्र 19 वर्ष निवासी मिरगपुर, राजू पिता हीरालाल राहंगडाले, उम्र 38 वर्ष निवासी टेकाडी और रामनाथ मराठे, निवासी गुडरुघाट भी शामिल थे। रामनाथ मराठे को छोड़कर सभी आरोपियों को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। इन्हीं चारों ने मिलकर गाय को काटा और उसके सिर व मांस के टुकड़ों को बोरी में भरकर शिव मंदिर के पास नाली में फेंक दिया था। पुलिस ने अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ म.प्र. गौवंश वध प्रतिषेध अधिनियम 2004 की धारा 4, 5, 9 और बीएनएस की धारा 325, 3(5) के तहत मामला दर्ज किया है।

तस्करी की आशंका, जुटी पुलिस... बताया जा रहा है कि आरोपियों ने कथित रूप से रविवार 9 अगस्त की अलसुबह गौवंश की हत्या की और उसके बाद गाय का सिर तथा अन्य अवशेष श्मशान घाट में शिव मंदिर के पास फेंक दिए। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि इस मामले में और कौन-कौन लोग शामिल हैं तथा गौमांस की सप्लाई या तस्करी का कोई नेटवर्क सक्रिय है या नहीं।

आरोपियों पर कड़ी कार्यवाई हो... मिरगपुर सरपंच दीपक देशमुख ने कहा कि सुबह उन्हें जानकारी मिली थी कि गुड़रूघाट के पास गाय को काटकर उसके सिर और अन्य अवशेष फेंके गए हैं। मौके पर पहुंचने पर घटना की जानकारी हुई। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की घटना से लोगों की भावनाएं आहत हुई हैं और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए। वहीं गुड़रूघाट सरपंच दिलीप बिसेन ने कहा कि घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस को सूचना दी गई।

पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उन्होंने मांग की कि इस प्रकार का कृत्य करने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में ऐसी घटना की पुनरावृत्ति न हो।

इनका कहना है

गुड़रूघाट के शिव मंदिर के पास से गौवंश का सिर एवं अन्य अवशेष बरामद किए गए हैं। इस मामले में तिरोड़ी थाने में गौवंश अधिनियम एवं अन्य आधारों पर प्रकरण दर्ज कर जांच में लिया गया है। उन्होंने बताया कि राजू रहांगडाले, धनेन्द्र मरठे और अभिषेक मेश्राम को गिरफ्तार किया गया है, जबकि रामनाथ मराठे की गिरफ्तारी शेष है। मामले की जांच जारी है।

अभिषेक चौधरी
एसडीओपी,वारासिवनी

शिक्षक रणदीप बोरकर की गांगुलपारा घाटी में सड़क हादसे में मौत, पीएम के बाद शव परिजनों को सौंपा

बालाघाट(स्वतंत्र मत)। गांगुलपारा घाटी में सड़क हादसे में जान गंवाने वाले 45 वर्षीय शिक्षक रणदीप बोरकर के शव का रविवार 9 अगस्त की सुबह जिला अस्पताल बालाघाट में पोस्टमार्टम किया गया। पोस्टमार्टम की कार्रवाई के बाद पुलिस ने शव परिजनों को सौंप दिया। भरवेली थाना क्षेत्र के बैहर रोड स्थित गांगुलपारा घाटी में शनिवार 8 अगस्त की शाम करीब 4.30 बजे तेज रफ्तार ट्रक ने रणदीप बोरकर की मोटरसाइकिल को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी थी। हादसे में वे गंभीर रूप से घायल हो गए थे। डायल-112 की मदद से उन्हें जिला अस्पताल लाया गया, लेकिन चिकित्सकों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया था।

मृतक रणदीप पिता वासुदेव बोरकर वारासिवनी के वार्ड नंबर-1 अमृत नगर निवासी थे और बालाघाट ब्लॉक के कुम्हारी संकुल अंतर्गत वन ग्राम खारा स्थित शासकीय प्राथमिक शाला में शिक्षक के पद पर पदस्थ थे। शनिवार को स्कूल में शिक्षण कार्य पूरा करने के बाद वे मोटरसाइकिल से अपने घर वारासिवनी लौट रहे थे, तभी गांगुलपारा घाटी में यह हादसा हो गया। घटना के बाद पुलिस ने शव को जिला अस्पताल के शवगृह में सुरक्षित रखवाया था। रविवार सुबह करीब 10 बजे पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी होने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। हादसे के बाद से परिवार में शोक का माहौल है। रणदीप बोरकर अपने पीछे पत्नी, 10 वर्षीय पुत्र, करीब साढ़े चार वर्षीय पुत्री और वृद्ध पिता सहित परिवार छोड़ गए हैं। पुलिस द्वारा फरार ट्रक चालक की तलाश के साथ ही हादसे की जांच की जा रही है।

मारपीट में आई चोट से वृद्ध की मौत

परसवाड़ा(स्वतंत्र मत)। परसवाड़ा थाना क्षेत्र के ग्राम झिरिया में मवेशी चरा रहे हिम्मतलाल शरणागत 75 वर्ष की मारपीट के बाद मौत हो गई। गुरुवार को हिम्मतलाल ने अपने मवेशियों को चराने के लिए खेत की ओर ले जाया था, जहां वह गांव के बड़ा देव स्थल के पास बेहोश होकर गिर पड़े। शाम को सुखलाल सोनवाने ने हिम्मतलाल के परिजनों को सूचना दी। परिजन तुरंत उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र परसवाड़ा ले गए, जहां चिकित्सकों ने गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें जिला अस्पताल रेफर किया। चिकित्सकों ने बताया कि हिम्मतलाल को किसी ने मारपीट कर गंभीर चोटें पहुंचाई हैं। परिजनों ने इलाज के बाद हिम्मतलाल को घर ले जाने का निर्णय लिया। शुक्रवार को कोटवार और अन्य ग्रामीणों ने परिजनों को बताया कि योगेंद्र मर्सकोले ने हिम्मतलाल को गाली गलौज दी थीं। आरोपित ने गांव के ही कुछ लोगों के पास मारपीट करने का भी जिक्र किया है। शनिवार को हिम्मतलाल की घर में ही मौत हो गई। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंपा।

हर घर तिरंगा अभियान का साइकिल रैली से हुआ शुभारंभ

कलेक्टर कुमार सत्यम के नेतृत्व में निकली तिरंगा यात्रा, बारिश भी नहीं कम कर सकी देशभक्ति का जोश

बालाघाट(स्वतंत्र मत)। सम्पूर्ण देश में 09 से 17 अगस्त तक चलाए जा रहे 'हर घर तिरंगा अभियान' का बालाघाट जिले में रविवार 09 अगस्त को साइकिल रैली एवं तिरंगा यात्रा के साथ शुभारंभ हुआ। जिला मुख्यालय स्थित मुलना स्टेडियम ग्राउंड से कलेक्टर श्री कुमार सत्यम के नेतृत्व में निकली इस तिरंगा यात्रा में लोगों ने पूरे उत्साह और उमंग के साथ भाग लिया। रिमझिम बारिश भी देशभक्ति से ओत-प्रोत प्रतिभागियों का जोश कम नहीं कर सकी। साइकिल रैली मुलना स्टेडियम से प्रारंभ होकर आम्बेडकर चौक, हनुमान चौक, मेन मार्केट, काली पुतली चौक और जयस्तंभ चौक होते हुए पुन: आम्बेडकर चौक पहुंची। इसके बाद रैली का समापन मुलना स्टेडियम में हुआ। इस दौरान प्रतिभागियों के हाथों में तिरंगा लहराता रहा और भारत माता के जयकारों से वातावरण देशभक्ति से सराबोर रहा। साइकिल

रैली एवं तिरंगा यात्रा में पूर्व मंत्री गौरीशंकर बिसेन, कलेक्टर कुमार सत्यम, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक सराफ, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नितेश भार्गव, अपर कलेक्टर जी.एस. धुर्वे, डी.पी. बर्मन, एसडीएम गोपाल सोनी, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती भारती सुरजीत सिंह ठाकुर, नगर पालिका के पार्षदगण, विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी, पत्रकार, विद्यालयों एवं महाविद्यालयों के प्राचार्य, शिक्षक, शिक्षिकाओं, विद्यार्थी, खेल संगठनों, सामाजिक एवं स्वयंसेवी संस्थाओं के पदाधिकारी तथा बड़ी संख्या में युवाओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

तिरंगे के सम्मान और राष्ट्रप्रेम का दिया संदेश... तिरंगा यात्रा के माध्यम से जिलेवासियों को राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान, राष्ट्रप्रेम और देशभक्ति का संदेश दिया गया। प्रतिभागियों ने नागरिकों से अपील की कि 'हर घर तिरंगा अभियान' के दौरान अपने घरों पर तिरंगा ध्वज अवश्य फहराएं और देश के प्रति सम्मान एवं गौरव की भावना को मजबूत करें।

रैली के दौरान बारिश के बावजूद लोगों का उत्साह देखते ही बना। हाथों में तिरंगा लेकर साइकिल से निकले अधिकारी, कर्मचारी, विद्यार्थी और युवा इस अभियान के प्रति जन-जागरूकता का संदेश देते नजर आए। जिले में 09 से 17 अगस्त तक चलने वाले 'हर घर तिरंगा अभियान' के अंतर्गत विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से आमजन को अभियान से जोड़ने का प्रयास किया जाएगा।

कटंगी में धूमधाम से मनाया गया विश्व आदिवासी दिवस

क्षेत्र भर के आदिवासी समुदाय ने निकाली भव्य रैली, कृषि उपज मंडी में हुआ मंचीय कार्यक्रम

कटंगी(स्वतंत्र मत)।

आदिवासी गौरव और स्वाभिमान का प्रतीक विश्व आदिवासी दिवस शनिवार को कटंगी में पूरे उत्साह और धूमधाम के साथ मनाया गया। प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी नगर सहित आसपास के गांवों से हजारों की संख्या में आदिवासी समुदाय के लोग नगर मुख्यालय पहुंचे। अखिल भारतीय आदिवासी विकास परिषद के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में पारंपरिक वेशभूषा, ढोल-डंडा, गोंडी गीतों और झांकियों ने पूरे माहौल को गौरवमय बना दिया। कार्यक्रम की शुरुआत नट्टी टोला में स्थापित जननायक भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण से हुई। इसके बाद अर्जुननाला से भव्य रैली निकाली गई जो डीजे की धुन और बिरसा मुंडा व रानी दुर्गावती की झांकियों के साथ पूरे शहर का भ्रमण करते हुए सिवनी रोड स्थित कृषि उपज मंडी पहुंची। यहां भव्य मंचीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सुबह से ही नगर में आदिवासी समाज के लोगों का जुटना शुरू हो गया था। महिलाएं पारंपरिक परधा, पुरुष धोती-कुर्ता और सिर पर मोरपंख व बाना बांधकर रैली में शामिल हुए। डीजे पर गोंडी गीत बजते ही युवा झूम उठे। रैली में भगवान बिरसा मुंडा, रानी दुर्गावती और शहीद वीरों की झांकियां आकर्षण का केंद्र रहीं। जल-जंगल-जमीन की लड़ाई लड़ेंगे, जय सेवा, जय जोहार के नारों से पूरा शहर गूंज उठा। आम नागरिकों ने भी रास्ते भर रैली का स्वागत किया और आदिवासी संस्कृति की झलक देखी।

कृषि उपज मंडी में हुआ भव्य मंचीय कार्यक्रम- विश्व आदिवासी दिवस पर कृषि उपज मंडी परिसर में मंचीय कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता सी.एस. कुशराम, सहायक संचालक शिक्षा विभाग ने की। मुख्य अतिथि के रूप में नितिन कुमरे, न्यायविद एवं सामाजिक कार्यकर्ता, अधिवक्ता संजय खोबरागड़े और रामदास ठवकर जिला प्रभारी राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग मोर्चा, युवा नेता आशुतोष बिसेन मंच पर उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन और भगवान बिरसा मुंडा और तमाम महापुरूषों के छायाचित्र के चित्र पर माल्यार्पण के साथ हुई। इसके बाद आदिवासी बच्चों द्वारा लोकनृत्य और गोंडी गीतों की प्रस्तुति दी गई, जिसे दर्शकों ने खूब सराहा।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य वक्ताओं ने आदिवासी समाज की एकता और संगठन पर जोर दिया। नितिन कुमरे ने कहा, गोंडवाना शक्ति का निर्माण अब समय की मांग है। यह केवल एक संगठन नहीं, बल्कि हमारे पूर्वजों के स्वाभिमान, शौर्यपूर्ण इतिहास, जल-जंगल-जमीन के अधिकार और आने वाली पीढ़ियों के भविष्य की रक्षा का संकल्प है।

अधिवक्ता संजय खोबरागड़े ने संविधान में आदिवासियों को मिले अधिकारों की जानकारी दी और कहा कि शिक्षा के माध्यम से ही समाज आगे बढ़ सकता है। रामदास ठवकर ने कहा कि आदिवासी समाज को अब अपनी ताकत पहचाननी होगी। ताकत संख्या में नहीं, एकता और संकल्प में होती है। जब गोंडवाना का समाज संगठित होगा, तभी हमारा इतिहास सुरक्षित होगा, हमारी पहचान मजबूत होगी। आशुतोष बिसेन ने कहा कि शिक्षा ही वह हथियार है जिससे हर संकल्प को पूरा किया जा सकता है। इसलिए समाज को शिक्षित होना होगा।

आयोजन में इनका रहा महत्वपूर्ण योगदान- इस भव्य आयोजन को सफल बनाने में भुमका संघ के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने दिन-रात मेहनत की। आयोजन में जेठूसिंह तेकाम, फतूलाल उइके, देमाबाई पन्द्रे, धर्मराज कुर्वेती, फूलसिंह परते, सखाराम इनवाती, डी.एस. कुमरे, रामकृष्ण परते, मदन लाल अड़मे, संजय इनवाते, देवराज पन्द्रे, राहुल सलामे, ब्रजेश अतराम, घनश्याम कुंजाम, जीतू उइके, तुलसी उड़के, नीतू सैयाम, सीमा इनवाते, सबनम खडाते, राजकुमारी कुमरे, राजकुमारी खडाते, नवनीत उइके सहित बड़ी संख्या में समाजसेवियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। मंच से वक्ताओं ने सभी कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया और कहा कि ऐसे आयोजन समाज को जोड़ने का काम करते हैं। कार्यक्रम के समापन पर सभी ने एक-दूसरे को विश्व आदिवासी दिवस की बधाई दी और प्रसाद वितरण किया। पूरे दिन नगर आदिवासी रंग में रंगा रहा।

कलेक्ट्रेट परिसर में दूषित पेयजल से बीमारी का खतरा..!

वाटर फिल्टर लगाने की मांग

छत पर रखे पानी की टंकी से वाटर कूलर और शौचालय में हो रही जलापूर्ति..!

के.के. शुक्ला

उमरिया (स्वतंत्रमत)। जिला कलेक्ट्रेट परिसर में कर्मचारियों और विभिन्न कार्यों से आने वाले आम नागरिकों को कई वर्षों से उपलब्ध कराए जा रहे पेयजल की गुणवत्ता को लेकर सवाल खड़े होने लगे हैं। कलेक्ट्रेट भवन की छत पर रखी पानी की टंकी से ही वाटर कूलर और शौचालय के लिए पानी की आपूर्ति किए जाने की जानकारी सामने आई है। वहीं, बरसात के मौसम में इस पानी को शुद्ध करने के लिए फिल्ट्रेशन की पर्याप्त व्यवस्था नहीं होने तथा टंकी की नियमित सफाई नहीं कराए जाने से दूषित पेयजल का खतरा बना हुआ है।

एक ही टंकी से हो रही पानी की आपूर्ति

बताया जा रहा है कि कलेक्ट्रेट परिसर में पानी की व्यवस्था बोरवेल के माध्यम से की गई है। बोर से पानी को भवन की छत पर रखी पानी की टंकी में एकत्रित किया जाता है। इसी टंकी से वाटर कूलर के साथ-साथ शौचालय में भी पानी पहुंचाया जा रहा है। ऐसे में पेयजल के लिए इस्तेमाल किए जा रहे पानी की स्वच्छता और गुणवत्ता सुनिश्चित करना बेहद जरूरी हो जाता है। विशेषकर बरसात के मौसम में पानी के दूषित होने की आशंका अधिक रहती है। ऐसे में पेयजल को फिल्टर अथवा अन्य उपयुक्त शोधन प्रक्रिया से गुजारने की व्यवस्था होना आवश्यक है।

टंकी की सफाई को लेकर भी चिंता-कलेक्ट्रेट परिसर में रखी पानी की टंकी की नियमित सफाई और रखरखाव को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। यदि लंबे समय तक टंकी की सफाई नहीं की जाती है तो उसमें गंदगी, मिट्टी अथवा अन्य अशुद्धियां जमा होने की संभावना रहती है। इसका सीधा असर पेयजल की गुणवत्ता पर पड़ सकता है। कलेक्ट्रेट में प्रतिदिन बड़ी संख्या में अधिकारी-कर्मचारी, अधिवक्ता, ग्रामीण और आम नागरिक विभिन्न कार्यों से पहुंचते हैं। ऐसे में यहां उपलब्ध कराए जाने वाले पेयजल की गुणवत्ता बेहतर होना बेहद आवश्यक है।

आमजन ने की वाटर फिल्टर लगाने की मांग-पेयजल व्यवस्था को लेकर लोगों ने जिला प्रशासन से तत्काल आवश्यक कदम उठाने की मांग की है। आम नागरिकों का कहना है कि कलेक्ट्रेट जैसे महत्वपूर्ण शासकीय परिसर में सुरक्षित और स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था प्राथमिकता के आधार पर की जानी चाहिए। लोगों ने मांग की है कि कलेक्ट्रेट परिसर में उच्च गुणवत्ता वाला वाटर फिल्टर लगाया जाए, जिससे वाटर कूलर के माध्यम से लोगों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध हो सके। इसके साथ ही पानी की टंकी की नियमित अंतराल पर सफाई कराने और उसकी स्थिति की निगरानी के लिए जिम्मेदारी तय करने की मांग भी की गई है।

पानी की गुणवत्ता की जांच कराने की जरूरत-लोगों का कहना है कि केवल फिल्टर लगाने से ही समस्या का समाधान नहीं होगा, बल्कि बोरवेल से लेकर टंकी और वाटर कूलर तक पूरी जलापूर्ति व्यवस्था की जांच की जानी चाहिए। पानी का सैंपल लेकर उसकी गुणवत्ता की जांच कराई जाए, ताकि यह स्पष्ट हो सके कि पेयजल पीने योग्य है या नहीं।

यदि जांच में पानी की गुणवत्ता मानकों के अनुरूप नहीं पाई जाती है तो तत्काल आवश्यक सुधारात्मक कदम उठाए जाने चाहिए। साथ ही वाटर कूलर और पानी की टंकी की नियमित सफाई एवं रखरखाव की व्यवस्था सुनिश्चित की जानी चाहिए।

स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराना प्रशासन की जिम्मेदारी-कलेक्ट्रेट जिले का प्रमुख प्रशासनिक केंद्र है, जहां प्रतिदिन आम लोगों का आना-जाना रहता है। ऐसे में यहां स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल की व्यवस्था होना जरूरी है। लोगों ने जिला प्रशासन से मामले को गंभीरता से लेते हुए वाटर फिल्टर लगाने, पानी की टंकी की नियमित सफाई कराने और पेयजल की गुणवत्ता की जांच कराने की मांग की है, ताकि कर्मचारियों के साथ-साथ कलेक्ट्रेट आने वाले आम नागरिकों को भी सुरक्षित पेयजल उपलब्ध हो सके।

दूषित जल बीमारियों का घर-बरसात के मौसम में सीधे बिना उबाले या बिना फिल्टर किए बोरवेल का पानी पीना सुरक्षित नहीं माना जाता है। बारिश के दौरान जमीन पर जमा गंदा पानी, सीवेज या बैक्टीरिया रिसकर जमीन के नीचे भूजल स्त्रोतों तक पहुंच सकते हैं, जिससे हैजा, टाइफाइड और पेट के संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है।

डॉक्टरों की एडवाइजरी जारी-वही डॉक्टरों द्वारा भी लगातार एडवाइजरी जारी किया जा रहा है कि बरसात में पानी को साफ करने के लिए आरओ या यू वी वाटर प्यूरीफायर्स या अन्य बेहतर फिल्टर सिस्टम का इस्तेमाल करें। यदि पानी का स्वाद, रंग या गंध अजीब लगे, तो उसका सेवन बिल्कुल न करें और उसकी जांच करवाएं। पानी को पीने से पहले कम से कम 5 से 10 मिनट तक अच्छी तरह उबालें ताकि उसमें मौजूद हानिकारक बैक्टीरिया और वायरस नष्ट हो जाएं।

धवाईझर में मनाया विश्व आदिवासी दिवस
जल-जंगल-जमीन और अधिकारों पर हुई चर्चा

उमरिया (स्वतंत्रमत)। रविवार 9 अगस्त को आकाशकोट क्षेत्र के धवाईझर गांव में विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत संविधान की प्रस्तावना के वाचन से हुई। आयोजन में युवाओं की विशेष भागीदारी रही। अतिथियों का स्वागत आदिवासी गमछा पहनाकर किया गया।कार्यक्रम में युवा अनूप सिंह ने विश्व आदिवासी दिवस के इतिहास और महत्व पर प्रकाश डाला। मुख्य अतिथि सामाजिक कार्यकर्ता अजमत भाई ने कहा कि आदिवासी दिवस केवल संस्कृति, परंपरा और गौरव को याद करने का अवसर नहीं, बल्कि आदिवासी समाज की जीवन-पद्धति से सीखने का दिन भी है। उन्होंने कहा कि आदिवासी समाज ने सदियों से जल, जंगल और जमीन के साथ संतुलन बनाकर जीवन जीने की परंपरा को कायम रखा है। उन्होंने महात्मा गांधी के ग्राम स्वराज के विचारों का उल्लेख करते हुए कहा कि सादगी, श्रम का सम्मान, सामुदायिक सहयोग, स्थानीय संसाधनों का संरक्षण और प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता जैसे मूल्य आदिवासी जीवन-पद्धति में दिखाई देते हैं। आज जलवायु परिवर्तन और पर्यावरण संकट के दौर में पूरी दुनिया को आदिवासी समाज की प्रकृति के साथ सह-अस्तित्व की सोच से सीखने की जरूरत है।अजमत भाई ने कहा कि आदिवासी समाज के विकास की बात केवल योजनाओं और आंकड़ों तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, अधिकार, सम्मान और निर्णय प्रक्रिया में भागीदारी को भी प्राथमिकता मिलनी चाहिए। उन्होंने कहा कि आदिवासी समाज के लिए नहीं, बल्कि आदिवासी समाज के साथ मिलकर विकास की सोच अपनाने की आवश्यकता है।

शिक्षा, स्वास्थ्य और महिला भागीदारी पर जोर-सामाजिक कार्यकर्ता संपत नामदेव ने कहा कि आदिवासी समाज को मुख्यधारा से जोड़ने के लिए शिक्षा को मजबूत करना जरूरी है। विनय विश्वकर्मा ने स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने की बात कही और घोषणा की कि अगले वर्ष आकाशकोट में विश्व आदिवासी दिवस का आयोजन बड़े स्तर पर किया जाएगा। ओमप्रकाश मार्को ने संस्कृति और परंपराओं के संरक्षण के लिए समाज को एकजुट होकर आगे आने का आह्वान किया। संविधान फेलो उमेश सिंह ने संविधान की प्रस्तावना के साथ आदिवासी समाज के स्वास्थ्य, शिक्षा, आजीविका और अधिकारों पर प्रकाश डाला।

संतोष सिंह ने महिला-पुरुष समानता पर जोर देते हुए कहा कि समाज को आगे ले जाने के लिए महिलाओं की भागीदारी बढ़ाना जरूरी है। फूल बाई सिंह ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि महिलाओं को घर की जिम्मेदारियों के साथ सामाजिक भूमिका में भी आगे आना चाहिए और उनकी भागीदारी सुनिश्चित की जानी चाहिए। कार्यक्रम में आदिवासी संस्कृति के संरक्षण, प्रकृति की रक्षा, जल-जंगल-जमीन के संरक्षण, भेदभाव के खिलाफ आवाज उठाने तथा शिक्षा और अवसरों की समानता के लिए काम करने का संकल्प लिया गया।

मां रेवा कृषि केन्द्र और किसान बीज भंडार में कृषि जांच दल का छापा, अनियमिमताओं के चलते दुकान सील, एफआईआर की मांग

मण्डला(स्वतंत्रमत)।

कृषि विभाग के जांच दल ने नगर मुख्यालय की दो दुकानों को सील कर दिया है। मां रेवा कृषि केन्द्र सब्जी मंडी और किसान बीज भंडार जवाहर गंज मंडला की दुकानों को सील करते हुए चस्पा किया है। यह कार्यवाही 4 अगस्त को औचक निरीक्षण के दौरान किसान बीज भंडार में अनिमियताएंओं के आधार पर की गई है। कार्यवाही से कृषि बीज भंडार संचालकों में अफरा तफरी मच गई है। बता दें कि मां रेवा कृषि केन्द्र और किसान बीज भंडार में किसानों को अनेक तरह से लूटा जा रहा था महंगे दामों में दवा कीटनाशक बीज बेचा जा रहा था तो दूसरी तरफ रिकार्डो के संधारण में भी लापरवाही बरती गई है। कई कम्पनियों के पीसी भी इनके पास नही मिले हैं। कुल मिलाकर किसानों को घटिया सामग्री टिकाकर महंगी कीमत वसूली जा रही थी यही नही इन दुकानों के गोदामों की जांच न होने से कृषि विभाग के जांच दल पर सवाल भी खड़े हो गए हैं। जानकारी के अनुसार मां रेवा कृषि केन्द्र की गोदाम में अनेक कृषि सामग्री का भंडार है। जिसके बिल बाऊचर और दस्तावेजों में कमियां

हैं। वहीं किसान बीज भंडार के संचालक द्वारा घर में भी कृषि सामग्री का भंडारण किया गया है। सूत्रों का यह भी कहना है कि दोनो दुकानदार दुकान सील होने के बाद गोदाम और घर से किसानों को माल बेंच रहे हैं। आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में थोक सप्लाई किए जाने की जानकारी भी सामने आई है। वहीं सील बंद दुकानों के सामने इनके कर्मचारी दिनभर डटे रहते हैं। जो किसान और छोटे व्यापारियों के पहुंचने पर इन्हें संचालक के घर और गोदाम तक ले जाया करते हैं जो कि नियम विरूद्ध है कृषि विभाग के अधिकारी ठोस कार्यवाही नही कर पाए हैं वहीं अब तक इन संचालकों की एफआईआर भी नही हो पाई है। जब नगर मुख्यालय की दुकानो के ये हाल हैं तो आसपास के ग्रामीण अंचलों के हालात क्या होंगे। खरीफ फसल की तैयारी में जुटा किसान अब कृषि सेवा केन्द्रों के चक्कर लगा रहा है। जहां पर अच्छी किस्म के बीज और कीटनाशक को वह तालाश रहा है। किसानों बताया कि बाजार में नकली बीज कीटनाशक दवा का भंडार दिखाई दे रहा है। आधुनिक पैकिंग में बेचे जा रही इन सामग्रीयों की गुणवत्ता पर सवाल है। गरीब अशिक्षित किसान दुकानदारों की बातों में आकर घटिया बीज खरीद रहे हैं। किसानों का आरोप है कि कई दुकानों पर अमानक बीज, कीटनाशक और खरपतवार नाशक दवाओं की बिक्री धड़ल्ले से की जा रही है। घटिया अथवा नकली कृषि सामग्री

के इस्तेमाल से किसानों की मेहनत और लागत दोनों पर पानी फिरने का खतरा बना हुआ है वहीं फसल प्रभावित होने की स्थिति में किसान दोहरी मार झेलने को मजबूर हैं सबसे बड़ा सवाल कृषि विभाग की कार्यप्रणाली पर उठ रहा है। खाद बीज कीटनाशक और खेती से जुड़ी अन्य जरूरी सामग्री के दाम तथा गुणवत्ता को लेकर किसानों में नाराजगी बढ़ रही है सरकार किसानों के हित में बड़े-बड़े दावे और योजनाएं चला रही है लेकिन जमीनी हकीकत में किसानों को राहत के बजाय परेशानी मिल रही है जिन दुकान गोदामों को पिछले वर्ष शील किया गया था। उन दुकानों को फिर से अनुमति कर दी गई है। कितना स्टॉक कौन सी कम्पनी का किसके पास है इसका कोई भी रिकॉर्ड संधारण नही है। जबकि पिछले वर्ष नैनपुर क्षेत्र में घटिया धान बीज बनाते एक फैक्ट्री भी पकड़ी गई थी इसके बाद भी कोई सुधार नही हो पाया है भले ही कृषि विभाग के अधिकारी दौरा आदि कर निरीक्षण की बात करते हो लेकिन किसानों को सब पता है कि किस तरह उन्हें ठगा जा रहा है। वर्ष 2026-27 में जिले में लगभग 2.40 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में खरीफ फसलों की बुवाई का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके लिए किसानों को समय पर कृषि आदानों की उपलब्धता तकनीकी मार्गदर्शन तथा कृषि सेवा केंद्रों की नियमित निगरानी सुनिश्चित के निर्देश शासन ने दिए हुए हैं। किसानों के हितों की रक्षा और कृषि आदानों की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए जिलेभर में औचक निरीक्षण अभियान चलाया जा रहा है लेकिन ठोस कार्यवाही नही हो रही है। भले ही आगामी खरीफ सीजन 2026-27 को ध्यान में रखते हुए किसानों को गुणवत्तापूर्ण खाद बीज एवं कीटनाशकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए कृषि विभाग ने जिले में सघन निरीक्षण अभियान शुरू कर दिया है। विभिन्न कृषि सेवा केंद्रों एवं बीज विक्रेताओं के यहां औचक निरीक्षण कर कृषि आदानों की गुणवत्ता एवं उपलब्धता की जांच की गई हो लेकिन किसानों को कोई राहत नही मिल पाई है। अधिकारी निरीक्षण कर रहे है और विक्रेताओं के स्टॉक विक्रय अभिलेख, भंडारण व्यवस्था एवं बिल-बुक का बारीकी से परीक्षण भी हो रहा है।

इनका कहना

अनियमिमताओं की शिकायत पर जांच की गई थी जहां पर रिकार्डो के संधारण सहित अन्य लापरवाही सामने आई है दोनो दुकानों को सील कर दिया गया है। गोदामों की जांच के लिए एसडीओ को निर्देश दे रहा हूं।

अश्वनी झारिया, उपसंचालक
कृषि विभाग मंडला

सीएम से मिलने जनसंवाद में पहुंचे इंफ्लूएंसर्स

मण्डला (स्वतंत्र मत)।

मध्यप्रदेश शासन के महत्वाकांक्षी मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान 2026 के अंतर्गत छिंदवाड़ा में आयोजित राज्यस्तरीय इंफ्लूएंसर्स जन-संवाद कार्यक्रम गरिमामय माहौल में संपन्न हुआ। इस विशेष राज्यस्तरीय मंच पर मंडला जिले के सोशल मीडिया क्रिएटर्स ने अपनी सक्रिय और प्रभावी भागीदारी दर्ज कराते हुए जिले की प्रतिभा का परचम लहराया। कार्यक्रम में जिले के लगभग 20 प्रमुख इंफ्लूएंसर्स ने सहभागिता की। संवाद के दौरान युवा क्रिएटर्स ने प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से सीधे विचार-विमर्श कर राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की मैदानी स्थिति पर अपना अमूल्य फीडबैक साझा किया। इसके साथ ही सामाजिक विकास और जन-जागरूकता से जुड़े विभिन्न प्रासंगिक विषयों पर विचार-विमर्श किया गया। जन-संवाद के दौरान मंडला के युवा क्रिएटर दिव्यांश झा का प्रश्न विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। उन्होंने मुख्यमंत्री से पूछा। यदि आपकी उम्र 22 वर्ष होती और आप एक कंटेंट क्रिएटर होते तो जेन-जी की तरह किस प्रकार का कंटेंट तैयार करते। इस प्रश्न का अत्यंत सहजता और आत्मीयता से उत्तर देते हुए मुख्यमंत्री ने अपनी छात्र जीवन और शैक्षणिक यात्रा के अनुभवों को साझा किया। उन्होंने कहा कि उनकी युवावस्था का मूल ध्येय सदैव जनकल्याण और राष्ट्रसेवा रहा है।

उन्होंने उपस्थित सभी युवाओं को जनहित के विषयों पर सकारात्मक एवं प्रेरणादायक कंटेंट बनाने का सुझाव दिया। मुख्यमंत्री ने मंडला के क्रिएटर्स के उत्साह नवाचार और सामाजिक दायित्वबोध की भूरि-भूरि प्रशंसा की। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा सोशल मीडिया और डिजिटल क्रिएटर्स आज के दौर में शासकीय नीतियों और लोक-कल्याणकारी योजनाओं को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का सबसे तीव्र और प्रभावी माध्यम हैं।

सुदेश बने प्रकृतिक खेती प्रमुख

मण्डला/बिछिया(स्वतंत्रमत)।

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल के निर्देशानुसार एवं भाजपा किसान मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष जयपाल सिंह चावडा भाजपा प्रदेश महामंत्री एवं संभाग प्रभारी राहुल कोठारी, भाजपा जिला संगठन प्रभारी रमेश भटेरे, भाजपा किसान मोर्चा प्रदेश महामंत्री एवं संभाग प्रभारी गोपाल पटैल, भाजपा जिला अध्यक्ष प्रफुल्ल मिश्रा की सहमति एवं सांसद एवं पूर्व केन्द्रीय मंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते एवं विधायक एवं केबिनेट मंत्री श्रीमति संपतिया उइके की अनुशंसा से भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा के जिला पदाधिकारियों की घोषणा की है जिसमे भुआ बिछिया निवासी सुदेश नामदेव को प्राकृतिक खेती जिला प्रमुख के पद में नियुक्त किया गया।

ज्ञात हो कि सुदेश नामदेव अनेक वर्षो से प्राकृतिक एवं जैविक खेती कर रहे हैं एवं अन्य कृषकों को भी प्राकृतिक एवं जैविक खेती करने हेतु प्रेरित और प्रशिक्षित भी कर रहे है प्राकृतिक एवं जैविक खेती करने के कारण केंद्र सरकार एवं राज्य सरकारों तथा अनेक संस्थाओं के द्वारा पुरष्कृत भी किया गया है।

नदी-नालों में उफान से गांवों का संपर्क प्रभावित

मण्डला (स्वतंत्र मत)।

जिले में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित कर दिया है। मंडला जिला मुख्यालय के साथ-साथ ग्रामीण और पहाड़ी क्षेत्रों में लगातार बारिश के कारण नदी-नालों का जलस्तर तेजी से बढ़ गया है। कई स्थानों पर नदियां उफान पर हैं और पुल-पुलियों के ऊपर से पानी बहने के कारण आवागमन बंद हो गया है। हालात को देखते हुए ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को नदी-नालों के तेज बहाव से दूर रहने की हिदायत दी जा रही है। निवास विकासखंड के बिझौली-कोहका मार्ग पर नगरार नदी का जलस्तर अचानक बढ़ने से नाले में तेज उफान आ गया। पानी का बहाव इतना तेज था कि सड़क किनारे रखे जल जीवन मिशन के पाइप भी पानी की चपेट में आकर बहने लगे। पाइपों को पानी में बहता देख आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और अपनी जान जोखिम में डालकर कई पाइपों को बाहर निकालकर सुरक्षित किया। इस दौरान ग्रामीणों द्वारा पाइपों को बचाने का वीडियो भी सामने आया है जो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। लगातार बारिश के

चलते नगरार नदी और आसपास के नालों में पानी का बहाव बढ़ गया। वहीं मंडला-डिंडोरी मार्ग पर मोहगांव रैयत और पोड़ी के पास बने नाले में जलस्तर बढ़ने से पानी तेज बहाव के साथ सड़क के ऊपर आ गया। इसके चलते मंडला-डिंडोरी मार्ग पर आवागमन प्रभावित हो गया और मार्ग को बंद करना पड़ा। मवई थाना क्षेत्र में धनगांव-खड़देवरी मार्ग पर कनई नदी का जलस्तर बढ़ने से पुल के ऊपर से पानी बहने लगा। तेज बहाव को देखते हुए इस मार्ग पर आवागमन रोक दिया गया। मोहगांव थाना क्षेत्र में मोहगांव-घुघरी मार्ग पर गुरवानी नदी में भी जलस्तर बढ़ गया।

पुल के ऊपर पानी आने के कारण इस मार्ग पर आवागमन अवरुद्ध हो गया। बारिश का दौर जारी रहने से यहां भी स्थिति बिगड़ने की आशंका बनी हुई है। खटिया थाना क्षेत्र में बंजर नदी भी उफान पर आ गई है। नदी में बाढ़ आने के कारण खटिया-बम्हनी मार्ग पर भी आवागमन बंद हो गया।

पागल कुतिया का आतंक

मण्डला/बम्हनी(स्वतंत्रमत)।

ग्राम पंचायत मुगदरा में बीते कई दिनों से एक पागल कुत्तिया का आतंक बना हुआ है। अब तक वह सात ग्रामीणों को अपना शिकार बना चुकी है। कुत्तिया के हमले से बचने के प्रयास में ग्राम पंचायत सरपंच के पति भी वाहन से गिरकर घायल हो चुके हैं लगातार हो रही घटनाओं के बावजूद ग्राम पंचायत की ओर से अब तक इस समस्या के समाधान के लिए कोई ठोस कार्रवाई नहीं किए जाने से ग्रामीणों में नाराजगी है।

स्थाई वारंटी को जबलपुर से पकड़ा

मण्डला/नारायणगंज(स्वतंत्रमत)। थाना टिकरिया पुलिस ने लंबे समय से फरार चल रहे एक स्थाई वारंटी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। पुलिस ने आरोपी को जबलपुर से गिरफ्तार कर न्यायालय निवास में पेश किया। पुलिस के अनुसार पुलिस अधीक्षक राजेश रघुवंशी के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिवकुमार वर्मा एवं अनुविभागीय अधिकारी पुलिस पी.एस. वालरे के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी टिकरिया प्रदीप पांडेय द्वारा फरार वारंटियों की गिरफ्तारी के लिए टीम गठित की गई थी। इसी अभियान के तहत पुलिस टीम ने 8 अगस्त को करीब तीन वर्षों से फरार चल रहे स्थाई वारंटी दिनेश पिता रमेश साहू, निवासी ग्राम पड़रिया, थाना टिकरिया को जबलपुर से गिरफ्तार किया। आरोपी के विरुद्ध प्रकरण क्रमांक 626/20 धारा 138 एनआई एक्ट के तहत मामला दर्ज था और न्यायालय द्वारा स्थाई वारंट जारी किया गया था।

उत्साह और सम्मान से मनाया आदिवासी दिवस

मण्डला/घुघरी(स्वतंत्रमत)।

विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर ग्राम पंचायत छतरपुर में उत्साह और धूमधाम के साथ समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन क्षेत्र की जनपद पंचायत घुघरी अध्यक्ष श्रीमती जानिया बाई मरावी के नेतृत्व में किया गया। इस दौरान आदिवासी समाज की संस्कृति परंपरा एकता और सामाजिक अधिकारों को लेकर लोगों में जागरूकता का संदेश दिया गया। कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों ने विश्व

आदिवासी दिवस की शुभकामनाएं देते हुए आदिवासी समाज की समृद्ध संस्कृति एवं परंपराओं को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया अध्यक्ष श्रीमती जानिया बाई मरावी ने कहा कि आदिवासी समाज की पहचान उसकी संस्कृति रीति-रिवाज भाषा परंपराओं और प्रकृति के साथ उसके गहरे जुड़ाव से है। ऐसे आयोजनों के माध्यम से नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति और विरासत से जोड़ने का अवसर मिलता है समारोह में ग्रामीणों में विशेष उत्साह देखने को मिला कार्यक्रम के दौरान सामाजिक एकता शिक्षा जागरूकता और समाज के विकास से जुड़े विषयों पर भी चर्चा की गई उपस्थित लोगों ने कहा कि समाज के सर्वांगीण विकास के लिए आपसी सहयोग और एकजुटता आवश्यक है समारोह में ग्राम पंचायत छतरपुर सरपंच नरेंद्र कुमार मरावी, समाजसेवी सुखीराम मरावी, उपसरपंच कालीबाई मरकाम, पंडा छतरसिंह मरकाम, उदयसिंह उईके, चैनसिंह कुलिहा सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

आज निकलेगी कांवड़ यात्रा

मण्डला। श्रावण मास के पावन अवसर पर 10 अगस्त सोमवार को सिलपुरा स्थित कल्याणेश्वर महादेव मंदिर एवं मां रेवा सेवा आश्रम के तत्वाधान में कावड़ यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। आयोजन समिति एवं साध्वी मनीषानंद माताजी ने सभी श्रद्धालु भक्तों से यात्रा में शामिल होकर भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक करने का आग्रह किया है कार्यक्रम के अनुसार सुबह 11 बजे सहस्त्रधारा स्थित नागा बाबा नर्मदा घाट सुरंगदेवरी से श्रद्धालु मां नर्मदा का पवित्र जल भरकर कावड़ यात्रा के रूप में सिलपुरा स्थित कल्याणेश्वर महादेव मंदिर पहुंचेंगे यहां भगवान भोलेनाथ का विधि-विधान से जलाभिषेक एवं पूजन-अर्चन किया जाएगा इसके पश्चात दोपहर 1 बजे से मां रेवा सेवा आश्रम घाघा रोड सिलपुरा में सभी श्रद्धालुओं के लिए भंडारा प्रसाद का आयोजन किया जाएगा आयोजकों ने क्षेत्र के सभी श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कावड़ यात्रा जलाभिषेक एवं भंडारा प्रसाद में सहभागिता निभाने की अपील की है।

एव्हीबीपी महाकौशल प्रांत कार्यसमिति की बैठक संपन्न

मण्डला (स्वतंत्र मत)। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् महाकौशल प्रांत की दो दिवसीय प्रांत कार्यसमिति बैठक का आयोजन किया गया। 7 और 8 अगस्त को आयोजित इस महत्वपूर्ण बैठक में संगठन के शीर्ष नेतृत्व और प्रांत के प्रमुख पदाधिकारियों ने भाग लिया। इस बैठक में 27 जिले के प्रमुख कार्यकर्ता सम्मिलित हुए वा बैठक में मुख्य रूप से एबीवीपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. रघुराज किशोर तिवारी, मध्य क्षेत्र के क्षेत्रीय संगठन मंत्री चेतस सुखाडिया, प्रांत अध्यक्ष डॉ. सुनील पांडे, प्रांत मंत्री सुव्रत बाझल एवं प्रांत संगठन मंत्री मनोज यादव की उपस्थिति रही। बैठक को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. रघुराज किशोर तिवारी ने कहा कि विद्यार्थी परिषद् सदैव छात्र हितों और राष्ट्र निर्माण के लिए अग्रणी भूमिका निभाता रहा है। इस कार्यसमिति में तय किए गए विषय आगामी समय में महाकोशल प्रांत के शैक्षणिक और छात्र परिदृश्य को एक नई व सकारात्मक दिशा देंगे। दो दिवसीय इस बैठक के दौरान विभिन्न सत्रों के माध्यम से वर्तमान शैक्षणिक व सामाजिक परिदृश्य पर गहन मंथन किया गया बैठक में विस्तृत चर्चा कर आगामी कार्ययोजना तैयार की गई संगठनात्मक विस्तार और कार्य विकास महाकोशल प्रांत में संगठन की शक्ति को जमीनी स्तर तक बढ़ाने और कार्यकर्ताओं के कौशल विकास पर रणनीति बनाई गई राष्ट्रीय शिक्षा नीति का क्रियान्वयन शिक्षण संस्थानों में राष्ट्रीय शिक्षा नीति को प्रभावी ढंग से लागू करने और इसके सकारात्मक परिणामों को विद्यार्थियों तक पहुंचाने की दिशा में प्रयासों को तेज करने का संकल्प लिया गया शैक्षणिक स्थिति और नए परिषदों के विषय नए परिषद यूनिट्स खुलने से उत्पन्न हुए विभिन्न विषयों व व्यावहारिक समस्याओं के त्वरित निराकरण हेतु ठोस प्रयास करने पर सहमति बनी स्क्रीन टाइम टू एक्टिविटी टाइम युवाओं में बढ़ती डिजिटल निर्भरता को कम करने के लिए स्क्रीन टाइम टू एक्टिविटी टाइम अभियान पर विशेष चर्चा हुई। इसके तहत छात्र-छात्राओं को मैदान पर रचनात्मक व खेल गतिविधियों से जोड़ने के लिए आगामी दिनों में विशेष कार्यक्रम चलाए जाएंगे। स्वतंत्रता दिवस को लेकर एक गांव एक तिरंगा अभियान वंदे मातरम् 150 वे वर्ष पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करने ले लिये योजना बनाई गई।

मंत्री संपतिया उईके का नैनपुर आगमन

मंदिर परिसर में निर्माण कार्य के लिए सहयोग का दिया आश्वासन

ओवरब्रिज को लेकर व्यापारियों से की चर्चा

नैनपुर (स्वतंत्र मत)।

मंत्री श्रीमती संपतिया उईके का नैनपुर आगमन हुआ। इस दौरान उन्होंने बुधवारी बाजार स्थित श्री दक्षिणमुखी हनुमान मंदिर पहुंचकर हनुमान जी एवं भगवान शिव की विधिवत पूजा-अर्चना कर क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना की। पूजा-अर्चना के पश्चात मंत्री श्रीमती उईके ने मंदिर समिति के सदस्यों से मंदिर के उपर कमरों का निमार्ण व जीर्णोद्धार पर चर्चा की। समिति सदस्यों द्वारा निर्माण कार्य के संबंध में जानकारी दिए जाने पर मंत्री ने सकारात्मक पहल करते हुए इंजीनियर से मंदिर का नक्शा एवं निर्माण का एस्टीमेट तैयार करवाकर प्रस्तुत करने को कहा। उन्होंने आश्वासन दिया कि प्रस्ताव एवं एस्टीमेट मिलने के बाद निर्माण कार्य के लिए आर्थिक सहयोग प्रदान करने का प्रयास किया जाएगा। मंत्री ने कहा कि यह काफी पुराना मंदिर है और

इससे उनकी गहरी आस्था जुड़ी हुई है।

इस अवसर पर मंदिर समिति के सदस्यों का मंत्री श्रीमती संपतिया उईके द्वारा गमछा भेंट कर सम्मान भी किया गया।

ओवरब्रिज की चौड़ाई को लेकर व्यापारियों ने रखी अपनी बात

मंत्री के नगर प्रवास के दौरान व्यापारियों ने प्रस्तावित ओवरब्रिज को लेकर अपनी समस्याएं एवं आशंकाएं उनके समक्ष रखीं। व्यापारियों ने रोड की प्रस्तावित 80 फीट चौड़ाई को लेकर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि इससे व्यापार प्रभावित होने के साथ ही कई दुकानों एवं मकानों के प्रभावित होने की आशंका है।

व्यापारियों की बात सुनने के बाद कैबिनेट मंत्री संपतिया उईके ने कहा कि ब्रॉडगेज रेलवे लाइन के दोहरीकरण के बाद क्षेत्र में आवागमन बढ़ेगा, जिसके चलते भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए पुल की चौड़ाई बढ़ाई जा सकती है। उन्होंने कहा कि ओवरब्रिज का निर्माण शासन की गाइडलाइन के अनुसार ही किया जाएगा और किसी को अनावश्यक परेशानी न हो, इसका ध्यान रखा जाएगा। उन्होंने व्यापारियों एवं नगरवासियों से इस विषय में भ्रमित न होने की अपील

की तथा एक बार पुनः सड़क पर लाइनिंग का कार्य कराकर स्थिति स्पष्ट करने की बात कही।

ओवरब्रिज की मंजूरी मिलने पर नगरवासियों एवं व्यापारियों ने विधायक, सांसद सहित उन सभी जनप्रतिनिधियों, संगठनों एवं लोगों का आभार व्यक्त किया, जिनके अथक प्रयासों से वर्षों से लंबित ओवरब्रिज को मंजूरी मिल सकी।

दिवंगत सदस्यों को श्रद्धांजलि अर्पित की

नगर भ्रमण के दौरान कैबिनेट मंत्री संपतिया उईके ने सुभाष सेन, श्रीकांत खंडेलवाल एवं अखिलेश शुक्ला के निवास पहुंचकर दिवंगत सदस्यों को श्रद्धांजलि अर्पित की तथा शोकाकुल परिवारों से मुलाकात कर संवेदनाएं व्यक्त कीं। इस दौरान नगर पालिका अध्यक्ष कृष्णा पंजवानी, अंजनी तिवारी, जिला महामंत्री नरेश चंद्रोल, मंडल अध्यक्ष राकेश रजक , उषा गोस्वामी समिति अध्यक्ष शिव नामदेव, संरक्षक हरी सिंह ठाकुर , खुबबी लाल नामदेव, राजकुमार सोनी , संतोष नागपाल, हीरा सोनी, रूपेश मुद्गल, प्रवीण राठोर, उदय यादव, नरेश हाषाणी, राशु अवधवाल, शंकर लालवानी, विशाल शर्मा, सतेन्द्र गाजरानी, रूपेश कटिया, जिनेन्द्र साहू राजेन्द्र ठाकुर सहित भाजपा के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

स्वतंत्र मत
जबलपुर
सोमवार 10 अगस्त 2026

संपादकीय

टैरिफ का तहलका

अमेरिकी संसद के उच्च सदन- सीनेट में शुक्रवार को उस विधेयक को पारित कर दिया गया, जिसके तहत रूस से तेल और अन्य उत्पाद खरीदने वाले देशों पर 100 फीसदी तक टैरिफ लगाया जा सकता है। इस विधेयक के जरिए यह फैसला करने की ताकत अमेरिकी राष्ट्रपति को मिलेगी कि भारत और चीन जैसे रूस के तेल-गैस के खरीदार देशों के उत्पादों पर कितना आयात शुल्क लगाया जाएगा। अमेरिकी संसद में शुक्रवार को जो विधेयक पेश किया गया, उसका नाम ट्रंप के पूर्व करीबी और दिवंगत रिपब्लिकन सांसद लिंडसे ओ ग्राहम के नाम पर रखा गया है, जो कि इस बिल के रचयिता भी थे। इसे लिंडसे ओ ग्राहम सैंक्शनिंग रशिया एंड ईरान एक्स ऑफ 2026 नाम से पेश किया गया। अमेरिकी सीनेट ने इसे बहुमत से पारित किया। इसके पक्ष में 86 वोट और विपक्ष में महज 11 वोट पड़े। अमेरिका का तर्क है कि इस विधेयक के कानून बनने के बाद रूस को दूसरे देशों से उसके तेल-उत्पादों के एवज में जो आर्थिक मदद मिल रही है, उस पर रोक लगाई जा सकती है। इससे रूस पर यूक्रेन के खिलाफ युद्ध रोकने का दबाव बनेगा। इतना ही नहीं, इस विधेयक के जरिए ईरान से तेल खरीदने वाले देशों को भी निशाना बनाने का प्रावधान रखा गया है, ताकि ईरान को अपनी अर्थव्यवस्था को चलाने लायक मदद मिलना मुश्किल हो जाए।

फिलहाल यह विधेयक सीनेट में पारित हुआ है और अब इसकी परीक्षा अमेरिकी संसद के निचले सदन- हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स में होनी है। हालांकि, अगर यह विधेयक कानून का रूप ले लेता है तो भारत के पास दो विकल्प होंगे। पहला यह कि अमेरिकी राष्ट्रपति को रूसी तेल के शीर्ष खरीदारों पर 100 प्रतिशत तक का आयात शुल्क (टैरिफ) लगाने का अधिकार मिलने से अमेरिकी आयातकों के लिए भारतीय सामान जबरदस्त रूप से महंगे हो सकते हैं। इससे भारत के निर्यात पर निर्भर क्षेत्र, जैसे कि फार्मास्यूटिकल्स (दवाइयां), इंजीनियरिंग सामान, रसायन, टेक्सटाइल्स (कपड़ा), और ऑटो पार्ट्स के क्षेत्र पर सबसे बुरा असर पड़ेगा। अगर भारतीय उत्पाद बहुत महंगे हो जाते हैं तो अमेरिकी खरीदार अन्य देशों के वैकल्पिक आपूर्तिकर्ताओं की ओर रुख कर सकते हैं। नतीजतन भारतीय निर्यातकों को कमजोर मांग, मुनाफे में कमी का सामना करना पड़ सकता है या फिर बाजार में टिके रहने के लिए अतिरिक्त लागत का एक हिस्सा खुद ही बोझ के तौर पर उठाना पड़ सकता है। इस टैरिफ के चलते भारतीय कंपनियों को अपने निर्यात बाजारों को विविध बनाने की जरूरत होगी और इससे सरकार पर वॉशिंगटन के साथ नए सिरे से व्यापारिक बातचीत करने का दबाव भी बढ़ेगा। दूसरा यह कि इस विधेयक में एक अहम प्रावधान यह भी है कि अगर कोई देश रूस से अपनी कुल ऊर्जा जरूरतों का 15 प्रतिशत से कम आयात करता है या रूस के कुल तेल-गैस निर्यात के 15 प्रतिशत से कम आयात करता है और साथ ही अपनी निर्भरता कम करने के प्रयास दिखा रहा है, तो उसे इन शुल्कों से छूट मिल सकती है। इसके अलावा अमेरिकी राष्ट्रपति को अमेरिकी राष्ट्रीय हित में प्रतिबंधों या पाबंदियों में छूट देने का भी अधिकार दिया गया है। सीनेट से आगे बढ़ने के बाद विधेयक अभी प्रतिनिधि सभा के पास लंबित है। फिलहाल हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स के सांसद गर्मी की छुट्टियों पर हैं और अगस्त के अंत तक इसके वापस आने की उम्मीद है। इस छुट्टी के कारण विधायी चर्चा की शुरुआत में ही प्राकृतिक रूप से देरी हो रही है। दूसरी तरफ अमेरिका में कांग्रेस (संसद) के चुनाव नजदीक आ रहे हैं। चुनावी साल में राजनीतिक प्राथमिकताओं के बदलने और समय की कमी के कारण कई सांसदों का मानना है कि इस साल के अंत तक विधेयक को प्रतिनिधि सभा से अंतिम मंजूरी मिलना बेहद कठिन हो सकता है।

लोकतंत्र को दिशा देने में युवा आंदोलनों की भूमिका

अश्विनी कुमार
लेखक पूर्व केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्री हैं

समय-समय पर भारत में अनेक युवा आंदोलनों ने समाज और शासन को नयी दिशा दी है। जब भी युवाओं ने अपने अधिकारों और न्याय के लिए आवाज बुलंद की, उसकी गूंज सत्ता के गलियारों तक पहुंची और उसने परिवर्तन का एक नया इतिहास रचा। 1979-85 का असम आंदोलन, 1990 के मंडल विरोधी प्रदर्शन, इंडिया अगेंस्ट करप्शन अभियान, 2019 का सीएए-एनआरसी विरोधी आंदोलन, निर्भया आंदोलन तथा उससे पहले 1974-75 का जेपी आंदोलन-इन सभी आंदोलनों का नेतृत्व मुख्यतः विद्यार्थियों और युवाओं ने किया। विश्वविद्यालयों और कॉलेजों के परिसर लोकतांत्रिक असहमति के सबसे महत्वपूर्ण केंद्र बन गए।

कॉकरोच जनता पार्टी के नेतृत्व में नीट-यूजी प्रश्नपत्र लीक के विरोध और शिक्षा व्यवस्था में सुधार की मांग को लेकर चलाया गया युवा आंदोलन भी ऐसा ही ऐतिहासिक आंदोलन था। इसकी आवाज देश के कोने-कोने तक पहुंची। इस आंदोलन को कुचलने के लिए प्रदर्शनकारी युवाओं पर पुलिस द्वारा लाठीचार्ज न केवल लोकतांत्रिक असहमति के प्रति सत्ता की असहनशीलता उजागर करता है।

इतिहास की सीख यह भी कि लोकतंत्र में किसी नागरिक, विशेषकर युवाओं की आवाज को बलपूर्वक दबाने से आंदोलन समाप्त नहीं होते। बल प्रयोग असंतोष को और गहरा करता है तथा परिवर्तन की मांग को और अधिक सशक्त बनाता है। अनुभव पुष्टि करते हैं कि शब्दों या कर्मों के जरिये मानवीय गरिमा पर किया गया आघात आत्मा पर ऐसा घाव छोड़ जाता है, जिसकी प्रतिक्रिया अंततः सामने आती है। सीजेपी आंदोलन का जन्म इसका स्पष्ट उदाहरण है। जिस साहस, धैर्य और विश्वास के साथ युवाओं ने कठिन परिस्थितियों का सामना किया और सरकार को अपनी मांगें मानने को विवश किया, वह उनकी एकता और दृढ़ संकल्प का प्रमाण है। यह पुष्टि करता है कि किसी भी लोकतांत्रिक सरकार के लिए संविधान और लोकतांत्रिक मूल्यों का सम्मान करना जरूरी है। भारत की आत्मा न्याय, समानता और लोकतंत्र में अटूट विश्वास से ही परिभाषित होती है।

इसी कारण रैलियों, धरनों और प्रदर्शनों के माध्यम से शांतिपूर्ण ढंग से अपना विरोध दर्ज कराने का अधिकार संविधान द्वारा प्रदत्त पवित्र मौलिक अधिकार है और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अभिन्न अंग भी। इसके साथ ही यह यकीनी बनाना भी उतना ही जरूरी है कि शांतिपूर्ण सभा और विरोध-प्रदर्शन अपनी संवैधानिक और नैतिक सीमाओं का उल्लंघन न करें। किसी भी व्यक्ति द्वारा, किसी भी वजह से, वाणी या कर्म से की गई हिंसा अंततः और अधिक हिंसा को ही जन्म देती है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने भी चेतावनी दी थी कि उद्देश्य चाहे कितना ही महान क्यों न हो, उसकी प्राप्ति के लिए अपनाए गये साधनों की नैतिकता व औचित्य से कभी समझौता नहीं किया जा सकता।

जंतर-मंतर पर हुआ यह आंदोलन जीवंत प्रमाण है कि कोई भी सरकार अपने नागरिकों के मौलिक मानवीय और संवैधानिक अधिकारों की अनदेखी नहीं कर सकती। इसने एक बार फिर सिद्ध कर दिया कि लोकतंत्र की असल शक्ति जनता की आवाज में निहित होती है और उसकी रक्षा नागरिकों की जागरूकता, एकता तथा दृढ़ इच्छाशक्ति पर निर्भर होती है। जब चुनी गई सरकारें अपने सिद्धांतों और लोकतांत्रिक मूल्यों से भटकने लगती हैं, तब शांतिपूर्ण जनांदोलन लोकतंत्र को सही दिशा देने और अधिक सशक्त बनाने का सबसे उपयुक्त माध्यम बन जाते हैं। जैसा कि एक शायर ने कहा-'उसूलों पे जहां आंच आये टकराना ज़रूरी है, जो ज़िंदा हों तो फिर ज़िंदा नज़र आना ज़रूरी है।'

युवा सदैव उच्च आदर्शों, सिद्धांतों और प्रगतिशील परिवर्तन से प्रेरित रहते हैं। उनके मन में समाज और देश के लिए कुछ बड़ा और सार्थक करने का जज़्बा होता है। यही कारण है कि भारत के स्वतंत्रता संग्राम में विद्यार्थियों और युवाओं ने अत्यंत अहम और ऐतिहासिक भूमिका निभाई। इतिहास यह भी बताता है कि युवाओं और सत्ता में बैठे लोगों के विचारों में अंतर हमेशा से रहा है। किंतु दूरदर्शी और संवेदनशील सरकारों का कर्तव्य है कि वे युवाओं की भावनाओं, आकांक्षाओं और चिंताओं का सम्मान करें तथा उनके प्रति दमनकारी या असहनशील रवैया न अपनाएं, क्योंकि यही युवा देश का भविष्य हैं।

यहां तक कि ब्रिटिश शासन के दौरान भी, जब हजारों स्वतंत्रता सेनानियों को औपनिवेशिक सरकार द्वारा जेलों में डाल दिया गया और उन्हें अनेक यातनाएं सहनी पड़ीं, तब भी ऐसे उदाहरण मिलते हैं जब कुछ अंग्रेज शिक्षकों ने प्रदर्शन कर रहे विद्यार्थियों की रक्षा की और यह सुनिश्चित किया कि उनके साथ यथासंभव संयमित और मानवीय व्यवहार किया जाए।

मेरे (लेखक के) पिता लाहौर में छात्र नेता थे। स्वतंत्रता आंदोलन में सक्रिय भागीदारी के कारण उन्हें 1930, 1936 और फिर 1942 से 1945 के बीच कई बार गिरफ्तार किया गया तथा जेल भी जाना पड़ा। वे अक्सर अपने कॉलेज के प्रिंसिपल ई.डी. लुकास से जुड़ी एक घटना सुनाया करते थे। उस समय वे लाहौर के फोरमन क्रिश्चियन कॉलेज में स्नातक के छात्र थे। वह बताते थे कि जब भी पुलिस उन्हें कॉलेज परिसर से गिरफ्तार करने आती, तो प्रिंसिपल लुकास पुलिस अधिकारी की उपस्थिति में उनका वजन करवाते। इसके बाद गिरफ्तार करने वाले अधिकारी से आश्वासन लेते थे कि हिरासत में उनके विद्यार्थी के साथ न तो कोई दुर्व्यवहार किया जाएगा और न ही शारीरिक या मानसिक यातना दी जाएगी। यह घटना केवल एक शिक्षक की अपने विद्यार्थियों के प्रति जिम्मेदारी व मानवीय संवेदना को ही नहीं दर्शाती, बल्कि यह भी याद दिलाती है कि सबसे कठिन और दमनकारी दौर में भी मानवीय गरिमा और संवेदनशीलता के लिए स्थान बना रह सकता है। भारत के युवा बेटे-बेटियों के विरुद्ध बेहद कड़े बलप्रयोग को उचित ठहराने के लिए अधिकारियों द्वारा बाद में गढ़ा गया बयान न केवल देश के स्वतंत्रता संग्राम की विरासत का, बल्कि मानवीय गरिमा, न्याय और समानता आधारित उस व्यवस्था के वादे का भी उपहास है, जिस पर हमारे गणराज्य की नींव रखी गई थी।

जंतर-मंतर का यह आंदोलन संदेश देता है कि लोकतंत्र तभी सशक्त होता है, जब सरकार और जनता के बीच संवाद, पारस्परिक सम्मान और विश्वास बना रहे। इस आंदोलन ने फिर सिद्ध कर दिया कि वही सरकारें टिकाऊ सिद्ध होती हैं और आगे बढ़ती हैं, जो समय रहते जनता की आवाज़, आक्रोश व भावनाओं को समझती हैं तथा उनके घावों पर मरहम लगाने का प्रयास करती हैं।

इस विरोध-प्रदर्शन ने इस विचार को और अधिक मजबूत किया कि लोकतंत्र वास्तव में जटिल और विवादास्पद प्रश्नों का न्यायपूर्ण समाधान खोजने की एक सतत प्रक्रिया है। इसने हमें पुनः स्मरण कराया है कि गणराज्य के सशस्त्र पुलिस बलों द्वारा देश के युवाओं पर बलप्रयोग-जो अमानवीय दृश्य था-राज्य की नैतिक वैधता को कमजोर करता है।

संघर्षरत युवाओं के स्वाभिमान को ठेस पहुंचाने वाली एक अपमानजनक टिप्पणी के विरोध में सोशल मीडिया पर व्यंग्य के रूप में प्रारंभ हुआ यह आंदोलन आज चेतावनी के रूप में हमारे सामने है। यह स्पष्ट करता है कि प्रौद्योगिकी की शक्ति से सुसज्जित, राजनीतिक रूप से जागरूक करोड़ों युवा, अपनी गहरी भावनाओं व सामूहिक संकल्प के आधार पर विशाल जनसमूहों को संगठित कर देश की राजनीति को निर्णायक रूप से नया स्वरूप देने की क्षमता रखते हैं।

जमीर भी बिकता है पेपर लीक के साथ

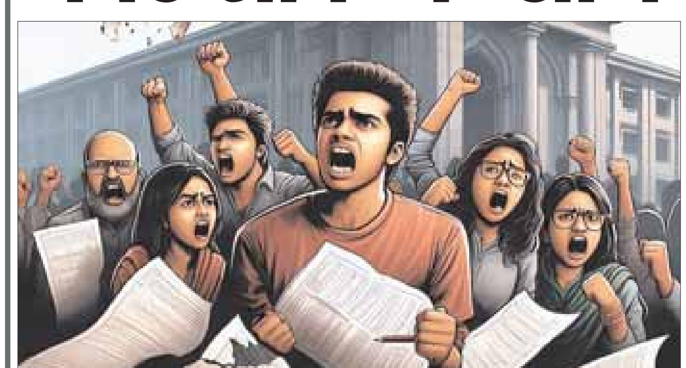

तिरछी नजर

शमीम शर्मा

हरियाणा में कहावत है-चोर तै बड्डा चोरी का माल खरीदणिया सै। इस हिसाब से तो पेपर खरीदने वाले कटघरे में खड़े होने चाहिए। पेपर बेचने वाला तो जेल जायेगा पर पेपर खरीदने वाला तो अपने छोरे-छोरी के डॉक्टर बनने की मिठाई बांटेगा। यह न्याय है या नौटंकी?

जिस समय एक पिता किसी दलाल से यह पूछता है कि पेपर कितने में मिलेगा तो बच्चा तो पास हो जायेगा पर बाप बुरी तरह फेल हो लिया समझो। जब किसी का बाप जुगाड़ से डॉक्टर बनाने की सोचेंगे तो रोना किस बात का? पेपर बेचने वालों को फांसी चढ़ा दो, वो भी कम है पर यह भी सोचो कि खरीदने वालों के गले में हार डलने चाहिए या हाथ में हथकड़ी।

चोरी की भैंस दूध तो दे देगी पर नज़र मिलाने की हिम्मत नहीं देगी। दरअसल पेपर लीक होने से पहले ही कइयों के घर की नीयत लीक होने लगती है। दलाल ने तो सिर्फ प्रश्नपत्र बेचा होगा, पर हम सौदागरों ने तो ज़मीर देकर कीमत चुकाई होगी। जिस बाप ने पैसे देकर पेपर खरीदा, उसे अपने बच्चे की मेहनत पर नहीं, अपनी जेब पर भरोसा था। इसी भरोसे ने बेटे को सफेद कोट पहनाकर भ्रष्टाचार का स्टेथोस्कोप थमा दिया।

नीट का पेपर लीक हुआ। सड़कों पर गुस्सा था। टीवी स्टूडियो में बहस थी। सोशल मीडिया पर न्याय की मांग थी। मंत्री का इस्तीफा मांगा गया। सिस्टम को भ्रष्ट कहा गया। लोकतंत्र में यह एकदम ठीक है। जिसने नोटों के बदले अपने बच्चे के लिए प्रश्नपत्र खरीदा था। उसके दरवाजे पर कोई प्रदर्शन नहीं हुआ। उसके खिलाफ किसी ने एक नारा नहीं लगाया।

हम बड़े आराम से कह देते हैं कि व्यवस्था भ्रष्ट है। लेकिन व्यवस्था आसमान से नहीं उतरती। वह हमारे ही घरों से निकलती है। रिश्वत लेने वाला भी किसी का बेटा है। पेपर बेचने वाला भी किसी का पिता है। और पेपर खरीदने वाला भी किसी का अभिभावक है। हर बार आईना केवल सरकार को दिखाने से काम नहीं चलेगा। एक आईना अपने घर में भी टांगना होगा।

जिस दिन डॉक्टर बनने वाले हमारे लाडले ने चोरी का प्रश्नपत्र खोला होगा, उसी दिन उसने अपनी पहली लाश देख ली होगी। वह उसके जमीर की लाश थी। जिस दिन एक भी अभिभावक यह कह देगा-मेरा बेटा डॉक्टर नहीं बनेगा, कोई बात नहीं... लेकिन चोर बनकर डॉक्टर नहीं बनेगा। उस दिन आधे पेपर लीक करने वाले, आधे कोचिंग माफिया और आधे दलाल अपने-आप मर जाएंगे।

अपने भीतर उम्मीद की किरण तलाश करें

ख़ुशी स्वास्थ्य व लंबी आयु की भविष्यवाणी करती है। ख़ुशी सामाजिक प्रगति व सार्वजनिक नीतियों की सफलता मापने का पैमाना है। लेकिन वे चीजें क्या हैं, जो हमें ख़ुशी प्रदान करती हैं? बिहेवियरल वैज्ञानिक इस बात का लंबे समय से अध्ययन कर रहे हैं। लेकिन ख़ुशी ऐसी चीज नहीं है, जिसे आप स्वयं हासिल कर लेती हैं। आपको अपने व्यवहार, आसपास की चीजों और अपने संबंधों में छोटे-छोटे परिवर्तन करने पड़ते हैं, जिन्हें करने में हर कोई सक्षम है, ताकि आप प्रसन्न जीवन के मार्ग पर निकल पड़ें। ख़ुशी अक्सर भीतर से आती है। इसलिए नकारात्मक विचारों को नियंत्रित करना और हर दिन आशावाद से शुरू करना सीखें। सकारात्मक की बजाय खराब अनुभवों पर विचार करते रहना मानव प्रवृत्ति है, जो क्रमविकास से आई है और इससे हमें जिंदगीभर खतरनाक व दिल दुखाने वाली स्थितियों से बचने में मदद मिलती है तथा संकट में त्वरित प्रतिक्रिया करने में भी सहायता मिलती है। लेकिन इसका अर्थ यह है कि दिमाग को नकारात्मक ख्यालों को नियंत्रित करने के लिए प्रशिक्षित करने में आपको थोड़ा अधिक परिश्रम करना होगा। इस प्रकार से- नकारात्मक ख्यालों को रोकें नहीं। जब आप स्वयं से कहती हैं, 'मुझे यह सोचना बंद करना होगा', तो इस बारे में आप और अधिक सोचती हैं। अपनी चिंताओं को स्वीकार करें। जब आप नकारात्मक चक्र में होती हैं तो स्वीकार करें- 'मुझे पैसे की चिंता है', 'मुझे दफ्तर के काम की फिक्र है।' खुद से दोस्त की तरह व्यवहार करें। जब आप नकारात्मक महसूस कर रही हों तो सोचें कि आपकी जैसी स्थिति में आपका कोई दोस्त होता तो आप उसे क्या सलाह देतीं। उस सलाह को अपने ऊपर आजमाएं। अपने नकारात्मक विचारों को चुनौती दें। शोध बताते हैं कि यह तरीका डिप्रेशन के लक्षणों को कम कर देता है। लक्ष्य आपको नकारात्मक मानसिकता से निकालकर अधिक सकारात्मकता की ओर ले जाना है। आशावाद कुछ जेनेटिक होता है और कुछ सीखा जाता है। अगर आप उदास व्यक्तियों के परिवार में भी जन्मी हैं, तो भी अपने अंदर की उम्मीद की किरण तलाश सकती हैं। आशावाद का अर्थ खराब स्थिति के सत्य को नजरअंदाज करना नहीं है। मसलन, नौकरी छूटने के बाद बहुत से लोग हार मानकर यह सोचते हैं, 'मैं इससे कभी उभर नहीं पाऊंगा।' एक आशावादी व्यक्ति अधिक उम्मीद से चुनौती को स्वीकार करेगा और कहेगा, 'यह कठिन है, लेकिन मेरे लिए जीवन के लक्ष्यों को पुनः सोचने का अवसर भी है और मैं वह काम तलाश सकता हूं, जो मुझे वास्तव में ख़ुशी प्रदान करता है।' सकारात्मक सोचना और अपने आपको सकारात्मक लोगों से घिरे रखना वास्तव में लाभकारी है। निराशावाद की तरह आशावाद की भी लत लग जाती है। इसलिए आशावादी लोगों के साथ रहने का लक्ष्य बना लें। आप जहां रहती हैं- देश, शहर, पड़ोस और आपका घर- सभी आपकी संपूर्ण ख़ुशी को प्रभावित करते हैं। एक सीढ़ी की कल्पना कीजिए, जिसमें नीचे शून्य से लेकर ऊपर दस तक पायदान हैं। सीढ़ी का सबसे ऊपरी पायदान संभावित सर्वश्रेष्ठ जीवन का प्रतिनिधित्व करता है और निचला पायदान सबसे खराब जीवन का। इस समय आप व्यक्तिगत तौर पर अपने को किस पायदान पर खड़ा महसूस कर रही हैं? दुनियाभर में ख़ुशी को मापने व तुलना करने के लिए इसी ख़ुशी की सीढ़ी का प्रयोग किया जाता है। इस शोध को सार्वजनिक नीति गठित करने के लिए प्रयोग किया जाता है, लेकिन इससे व्यक्तिगत स्तर पर भी सबक लिया जा सकता है। पूर्ति व संतोष प्रदान करने वाला जॉब तलाशें; प्रसन्न जगह पर रहने का प्रयास करें; सामाजिक सहयोग से अपने को घेर लें; अपनी सेहत का ख्याल रखें; और (स्पिरिट, समय व पैसे में) उदार व दानी रहें, ताकि अपने लिए ख़ुशी का मार्ग प्रशस्त कर सकें। प्रकृति में समय गुजारें। शांत, पेड़ों से घिरी राहों पर चहलकदमी करने से मानसिक स्वास्थ्य में अर्थपूर्ण सुधार आता है। हद तो यह है कि प्रकृति की तस्वीरें देखने से भी मूड बेहतर हो जाता है। संगठित होना निस्संदेह मन व शरीर, दोनों के लिए अच्छा है। अत्यधिक फालतू चीजों का होना और असंगठित रहना अक्सर बड़ी स्वास्थ्य समस्याओं का लक्षण बनते हैं। स्वच्छ वातावरण में रहें, फालतू चीजों को बाहर निकालें, लेकिन जो चीजें आपको खुश रखती हैं, उन्हें बचाए रखें। ख़ुशी की संभावनाएं बेडरूम में बढ़ जाती हैं। यह वह जगह है, जहां हम सोते हैं और ख़ामोशी में विचार करते हैं। ये सभी गतिविधियां हमारी ख़ुशी को बेहतर करती हैं। इसलिए बेडरूम जीवन पर ध्यान केंद्रित कीजिए। ब्रिटिश शोधकर्ताओं के अनुसार ख़ुशी व स्वास्थ्य के सबसे सशक्त इंडेक्स नींद हैं। अगर आपकी लिविंग स्पेस आपकी ख़ुशी को प्रभावित कर रही है, तो अपने बेडरूम को उच्च प्राथमिकता दें। आराम में निवेश करें। आरामदायक चादर, तकिए व बेडिंग खरीदें। जब हम लोगों से जुड़ते हैं, उनसे संपर्क करते हैं, तो अधिक ख़ुश होते हैं। हमारी अपनी ख़ुशी दूसरों की ख़ुशी से जुड़ी हुई है, खासकर उनसे, जिनसे आप जुड़ी हुई हैं। जब हम खुश दोस्तों व परिवार के सदस्यों के करीब रहते हैं, तो हमारी ख़ुशी बढ़ जाती है। जानवर पालना भी ख़ुशी बढ़ा देता है। पैसा ज़रूरी है, लेकिन वह आपको ख़ुश रखे, यह ज़रूरी नहीं। हां, अर्थपूर्ण कार्य और थोड़ा अतिरिक्त समय आपको ख़ुश रखेगा। कार्य में उद्देश्य तलाशें। दूसरों के प्रति दया व्यक्त करना ख़ुशी के मार्ग पर चलने का साबितशुदा तरीका है, लेकिन अपने आप पर दया करना न भूलें।

- **अंतरा पटेल**

हसीना के तेवरों के बाद बांग्लादेश से रिश्तों में तल्खी

पुष्परंजन
लेखक जियो-पॉलिटिकल मामलों के पत्रकार हैं

कुछ दिन पहले तक भारत से रिश्ते नॉर्मल करने की दिशा में कूटनीतिक प्रयास हो रहे थे, लेकिन एक बार फिर उस पर पानी फिरता नज़र आ रहा है। बांग्लादेश ने बुधवार को भारत द्वारा पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को नई दिल्ली में मीडिया के साथ लाइव बातचीत करने की अनुमति देने पर नाराज़गी जताई है। बांग्लादेश का कहना है कि इस कदम से हमारे लोगों की भावनाएं आहत हुई हैं और यह दोनों देशों के बीच अच्छे संबंध बनाने की कोशिशों के लिए नुकसानदेह है। बांग्लादेशी विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि ढाका ने भारत सरकार को पहले ही अपनी चिंताएं बता दी थीं। इस तरह का कार्यक्रम दोनों पड़ोसी देशों के बीच संबंधों को सुधारने की कोशिशों को कमज़ोर कर सकता है। मंत्रालय ने खेद जताया कि जुलाई क्रांति की दूसरी बरसी पर शेख हसीना का मीडिया संवाद बांग्लादेश की संप्रभुता की अवमानना है और जुलाई 2024 के आंदोलन के दौरान मारे गए लोगों का अपमान भी है। मंत्रालय ने यह भी कहा कि 2013 में हुई बांग्लादेश-भारत प्रत्यर्पण संधि के तहत हसीना की वापसी के लिए बांग्लादेश के बार-बार किए गए अनुरोधों का अभी तक कोई जवाब नहीं मिला है।

भारत ने बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के उस वर्चुअल भाषण के आयोजन में किसी भी भूमिका से इनकार किया है, जो उन्हें सत्ता से हटाने वाले विद्रोह की दूसरी बरसी के मौके पर हुआ था। भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने मंगलवार को नई दिल्ली में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'सरकार की इसमें कोई भूमिका नहीं है और वह इस मंच पर व्यक्त किए जाने वाले किसी भी विचार का समर्थन नहीं करती है।'

78 वर्षीय हसीना बुधवार को नई दिल्ली में फॉरेन कॉरेस्पोंडेंट्स क्लब ऑफ़ साउथ एशिया द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में अपने बेटे साजीब वाज़ेद जॉय और अन्य वक्ताओं के साथ पहली बार सार्वजनिक रूप से (वीडियो लिंक के ज़रिए) दिखाई दी थीं। ढाका से भागने के बाद यह उनका पहला सार्वजनिक कार्यक्रम था। लेकिन उस वीडियो को बांग्लादेश में कोई न देखे, इसकी तैयारी ढाका ने पहले से कर रखी थी। दोनों देशों के बीच नए सिरे से जो तल्खी हुई है, उसमें शक है कि बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान नई दिल्ली आएंगे। भारत ने 12 और 13 सितंबर, 2026 को नई दिल्ली में होने वाले 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के आउटरीच सत्र में शामिल होने के लिए बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान को आमंत्रित किया है। शेख हसीना के बयान के बाद ढाका इस पर पुनर्विचार करने लगा है। यों, भारत ने यह आमंत्रण बांग्लादेश को ब्रिक्स सदस्य के रूप में नहीं, बल्कि क्षेत्रीय संगठन बिम्सटेक के वर्तमान अध्यक्ष के रूप में दिया है।

शेख हसीना ने यह बयान इस वक्त क्यों दिया है? उसकी टाइमिंग पर ध्यान दिया जाना चाहिए। क्या वो नहीं चाहतीं कि बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान और पीएम मोदी के रिश्ते बेहतर हों? दिनेश त्रिवेदी को ढाका में उच्चायुक्त बनाकर भेजने का मुख्य उद्देश्य पारंपरिक नौकरशाही से हटकर एक कद्दावर राजनेता के ज़रिए रणनीतिक संवाद स्थापित करना था। 18 महीने के अंतराल के बाद कोलकाता-ढाका के बीच और ढाका-अगरतला के बीच बस सेवाएं चल रही हैं। जब मध्य पूर्व में युद्ध छिड़ा और वैश्विक ईंधन आपूर्ति प्रभावित हुई, तो दिल्ली ने सीमा-पार फ्रेंडशिप पाइपलाइन के ज़रिए बांग्लादेश को हज़ारों टन आपातकालीन ईंधन भेजा। लेकिन, दिनेश त्रिवेदी सांप-सीढ़ी वाले खेल में फंस गए लगते हैं। फरवरी, 2026 के आम चुनाव के बाद जिस तरह बीएनपी सत्ता में आई, लोग व्यापक बदलाव की उम्मीद कर रहे थे। लेकिन, अब वो निराशा में बदलने लगी है। नेशनल सिटिज़न पार्टी (एनसीपी) के संयोजक नाहिद इस्लाम ने कहा, 'आम लोगों को अपनी रोज़मर्रा की ज़िंदगी में कोई राहत नहीं मिली है।' गुरुवार को 11 पार्टियों के गठबंधन ने ढाका में धरना दिया, जिसमें गैस, बिजली और आवश्यक वस्तुओं के मौजूदा संकट का विरोध किया गया और 10 सूत्रीय मांगों का चार्टर पेश किया गया। गठबंधन ने सितंबर से नवंबर तक विरोध कार्यक्रमों की घोषणा की है। मुक्तांगन में रैली के बाद जमात-ए-इस्लामी के अमीर शफीकुर रहमान, नेशनल सिटिज़न पार्टी के संयोजक नाहिद इस्लाम, लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी के अध्यक्ष कर्नल (रिटायर्ड) ओली अहमद और गठबंधन के अन्य नेताओं ने सचिवालय की ओर मार्च किया। उन्होंने घरेलू गैस की कीमतें कम करने, बिना रुकावट पाइपलाइन गैस आपूर्ति और हर घर तक बिजली पहुंचाने की मांग की। संभवतः शेख हसीना इसी का इंतज़ार कर रही थीं, जब देश में क्रांति करने वाले चेहरे अपने किए पर अफ़सोस प्रकट करें।

अब जब शेख हसीना ख़ुद बांग्लादेश जाना चाहती हैं, क्या नया निज़ाम उन्हें आने से रोकेगा? मगर, ढाका-दिल्ली के बीच बनते-बिगड़ते संबंधों की एकमात्र वजह शेख हसीना नहीं हैं। चीन ने भी अपना खेल जारी रखा है। याद कीजिए, जब बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस 26 से 29 मार्च, 2025 तक चीन के दौरे पर थे, तब आठ समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए। चीन लगातार 15 सालों से बांग्लादेश का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार रहा है। बांग्लादेश में लगभग 1,000 चीनी कंपनियां काम कर रही हैं, जिन्होंने देश में 5,50,000 से ज़्यादा नौकरियां पैदा की हैं। फरवरी 2025 में, बांग्लादेश की आठ राजनीतिक पार्टियों के 22 सदस्यों का एक प्रतिनिधिमंडल 13 दिन की चीन यात्रा पर गया था। प्रधानमंत्री तारिक़ रहमान ने 24 से 26 जून, 2026 के बीच चीन की आधिकारिक यात्रा की। चीन ने तब 30 अरब डॉलर के अनुदान का अहद किया। पद संभालने के बाद यह उनका पहला अंतरराष्ट्रीय दौरा था। चीन ने 1975 से अब तक बांग्लादेश को कुल 7.5 अरब डॉलर का लोन दिया है। क़रीबी रिश्तों के बावजूद, व्यापार असंतुलन और लोन पर ब्याज का भुगतान बांग्लादेश के लिए बड़ी समस्याएं बनी हुई हैं। लेकिन, चीन का असल खेल तीस्ता में हुई इंट्री है। 9 जनवरी, 2025 को बांग्लादेश जल विकास बोर्ड (बीडब्ल्यूडीबी) और चीन की सरकारी कंपनी पावर चाइना ने 98 करोड़ डॉलर की तीस्ता व्यापक प्रबंधन और पुनर्स्थापन परियोजना पर हस्ताक्षर किए। पर्यावरण सलाहकार सैयदा रिजवाना हसन के अनुसार, 'समझौते के तहत, पावर चाइना एक व्यवहार्यता अध्ययन करेगी। इसके बाद, तीस्ता परियोजना को अंतिम रूप दिया जाएगा।' मनमोहन सिंह के कार्यकाल के दौरान तीस्ता जल बंटवारे समझौते पर 2011 में हस्ताक्षर होने थे। लेकिन, पश्चिम बंगाल की तत्कालीन मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के विरोध के कारण, तीस्ता समझौता विफल हो गया। तीस्ता जल प्रबंधन की ज़िम्मेदारी जिस तरह चीन ने ली है, उसके रणनीतिक परिणामों के प्रति नई दिल्ली को गंभीर हो जाना चाहिए।

चीन की चाल से भड़का अमेरिका

कहा- हम अपने सहयोगी फिलीपींस के साथ खड़े हैं

वाशिंगटन

अमेरिका ने स्कारबोरो रीफ पर चीन के राष्ट्रीय प्रकृति रिजर्व स्थापित करने के कदम को सिरे से खारिज कर दिया है। अमेरिका ने कहा कि चीन के इस कदम से पारंपरिक मत्स्य पालन क्षेत्रों में फिलीपींस के मछुआरों की पहुंच मुश्किल हो जाएगी। अमेरिकी विदेश विभाग ने एक प्रेस रिलीज जारी करते हुए इसकी जानकारी दी है। अमेरिका का कहना है कि वो अपने सहयोगी फिलिपिंस के साथ खड़ा है।

अमेरिका ने कहा, संयुक्त राज्य अमेरिका स्कारबोरो रीफ पर अपने अस्थिर करने वाले राष्ट्रीय प्रकृति रिजर्व को लागू करने और 2016 के मध्यस्थता फैसले का उल्लंघन करते हुए फिलीपींस के मछुआरों को उनके पारंपरिक मछली पकड़ने के मैदान तक पहुंचने से रोकने के चीन के जारी प्रयासों को खारिज करता है। बयान में आगे कहा गया कि ये अपने पड़ोसियों की कीमत पर दक्षिण चीन सागर में अपने क्षेत्रीय और समुद्री दावों को आगे बढ़ाने के लिए चीन के दबाव समर्थित, संदिग्ध पर्यावरणीय और कानूनी बहानों का इस्तेमाल करने की एक और एकतरफा कोशिश है। अमेरिका ने अपने सहयोगी फिलीपींस के साथ खड़े रहने और एक स्वतंत्र और खुले इंडो-पैसिफिक का समर्थन करने की बात कही। ये बयान चीन के स्कारबोरो शोआल के लिए नए प्रबंधन उपायों के ऐलान के बाद आया है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, 1 अगस्त को जारी किए गए इन नियमों में 16 आर्टिकल्स शामिल हैं, जिनका मकसद हाल ही में स्थापित राष्ट्रीय प्रकृति रिजर्व का प्रबंधन करना है। चीन के स्टेट काउंसिल ने सितंबर 2025 में इस रिजर्व की स्थापना को मंजूरी दी थी। इन उपायों को चीन के प्राकृतिक संसाधन मंत्रालय, राष्ट्रीय वानिकी और घास मैदान प्रशासन, चाइना कोस्ट गार्ड और हैनान प्रांत की पीपुल्स सरकार ने संयुक्त रूप से जारी किया था। चीनी मीडिया के मुताबिक, ये उपाय चार एजेंसियों के बीच तालमेल, सूचना साझा करने और पर्यवेक्षण को मजबूत करने के लिए बनाए गए हैं। ये मामला ऐसे समय में सामने आया है जब दक्षिण चीन सागर में चीन और फिलीपींस के बीच पहले से ही तनाव बना हुआ है। बता दें कि संयुक्त राष्ट्र समुद्री कानून संधि के तहत गठित मध्यस्थता न्यायाधिकरण ने 2016 के अपने फैसले में कहा था कि फिलीपींस के अनन्य आर्थिक क्षेत्र में आने वाले संसाधनों पर अधिकारों का दावा करने के लिए चीन के पास कोई कानूनी आधार नहीं है।

ईरान-ओमान वार्ता अंतिम चरण में

ईरान और ओमान के बीच होर्मुज जलडमरूमध्य में नये समुद्री मार्ग की स्थापना को लेकर बातचीत अंतिम चरण में पहुंच गयी है, हालांकि ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने स्पष्ट किया है कि इसका मतलब रणनीतिक जलमार्ग को फिर से खोलना नहीं है। अराघची ने रविवार को पत्रकारों से बातचीत में कहा कि जलडमरूमध्य से होकर गुजरने वाले मौजूदा मार्गों की जगह नये मार्ग बनाये जाएंगे और विशेषज्ञ फिलहाल इनके नक्शों पर काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा, इसका मतलब यह बिल्कुल नहीं है कि होर्मुज जलडमरूमध्य फिर से खोला जा रहा है। उन्होंने कहा कि जलडमरूमध्य को फिर से खोलना कई अन्य शर्तों की पूर्ति पर निर्भर करेगा।

हूती विद्रोहियों का सऊदी अरब की रिफाइनरी पर हमला

सना/रियाद (वार्ता)

यमन के हूती विद्रोहियों ने सऊदी अरब के जीज़ान शहर में सऊदी अरामको की तेल रिफाइनरी पर ड्रोन हमला करने की जिम्मेदारी ली है। हमले के बाद रिफाइनरी में भीषण आग लग गई। सऊदी के ऊर्जा मंत्रालय के अनुसार, अग्निशमन दल ने समय रहते आग पर पूरी तरह काबू पा लिया और इस घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। हूती समूह ने इसे यमन के सादा और हज्जा प्रांतों पर हुए सऊदी ड्रोन हमलों का जवाब बताया है।

यह हमला सऊदी अरब, पाकिस्तान और तुर्किये के बीच हुए मक्का रक्षा समझौते के ठीक एक दिन बाद हुआ है। हूती अधिकारियों ने सख्त चेतावनी जारी करते हुए कहा है कि यदि तुर्किये या पाकिस्तान सऊदी अरब के साथ मिलकर यमन की संप्रभुता का उल्लंघन करते हैं या किसी सैन्य कार्रवाई में शामिल होते हैं, तो उन्हें इसका गंभीर परिणाम भुगतना पड़ेगा। विशेषज्ञों का मानना है कि हूतियों का यह कदम नए गठबंधन को सीधा संदेश देना और सऊदी के प्रमुख तेल बुनियादी ढांचे को निशाना बनाने की रणनीति का हिस्सा है। अरामको पर हमले के साथ ही हूती विद्रोहियों ने यमन के दक्षिण-पश्चिम में स्थित अल-मखा बंदरगाह पर भी बैलिस्टिक मिसाइलों और ड्रोन से हमला किया। यह बंदरगाह यमन की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त सरकार के नियंत्रण में है। हूती सैन्य प्रवक्ता याह्या सारी ने दावा किया कि हमले में सऊदी सैनिकों और उनके हथियारों के डिपो को निशाना बनाया गया, जिससे भारी नुकसान हुआ और कई लोग हताहत हुए। वहीं, बंदरगाह के निदेशक ने कहा कि मिसाइलों ने परिसर के नागरिक इलाकों को नुकसान पहुँचाया है। इसके अतिरिक्त, यमन के मारिब, ताइज़ और हदरामाउत क्षेत्रों में भी हूती विद्रोहियों और सरकारी बलों के बीच भीषण झड़पें जारी हैं, जिससे बीते 12 सालों से जारी यह संघर्ष और गहरा गया है।

कॉकरोच कहने वाले के हाथ से डिग्री नहीं

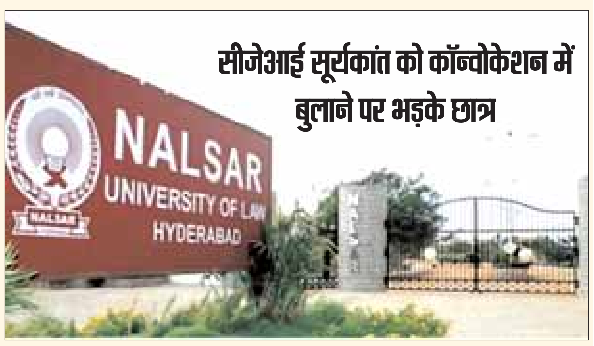

सीजेआई सूर्यकांत को कॉन्वोकेशन में बुलाने पर भड़के छात्र

हैदराबाद। हैदराबाद की नेशनल एकेडमी ऑफ लीगल स्टडीज एंड रिसर्च यूनिवर्सिटी में कॉन्वोकेशन सेरेमनी को लेकर विवाद हो गया है। दरअसल सेरेमनी में सीजेआई सूर्यकांत को बतौर चीफ गेस्ट न्योता दिया गया है, जिसका यूनिवर्सिटी के पास आउट हो रहे छात्रों के एक ग्रुप ने विरोध किया है। साल 2026 बैच के छात्रों के एक ग्रुप ने यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर, कुलसचिव, फैकल्टी और विश्वविद्यालय प्रशासन को एक लेटर लिखा है। इस पत्र में छात्रों ने प्रशासन से अपने फैसले पर दोबारा सोचने की मांग की है। छात्रों ने हालिया मामलों पर जताते हुए तर्क दिया है कि मुख्य न्यायधीश को बतौर चीफ गेस्ट आमंत्रित करना संवैधानिक जवाबदेही और शैक्षणिक स्वतंत्रता के मूल्यों के खिलाफ है। विश्वविद्यालय प्रशासन को भेजे गए पत्र में छात्रों ने लिखा, युवाओं को कॉकरोच कहने से लेकर पुलिस बर्बरता के वीडियो देखने का समय न होने जैसे असंवेदनशील बयान देने तक, सीजेआई ने हमारे जैसे छात्रों के लिए उदासीनता दिखाई है। ऐसे में उन्हें हमारे कॉलेज में आमंत्रित करना और उनके हाथों से उन डिग्रियों को हासिल करना, जो हमारे लिए शैक्षणिक और भावनात्मक रूप से बहुत अहम हैं, हमें सही नहीं लग रहा है। छात्रों ने विश्वविद्यालय प्रशासन से रिक्वेस्ट करते हुए कहा, हम विश्वविद्यालय प्रशासन से सीजीआई को निमंत्रण देने के अपने प्रस्ताव पर पुनर्विचार करने का अनुरोध करते हैं। हमें उम्मीद है कि विश्वविद्यालय इसे सिर्फ एक बैच की मांग न मानकर सभी ग्रेजुएट हो रहे छात्रों की एक साझा चिंता के रूप में देखेगा। नेशनल एकेडमी ऑफ लीगल स्टडीज एंड रिसर्च यूनिवर्सिटी ऑफ लॉ के 450 से ज्यादा छात्रों ने इस साल के दीक्षांत समारोह में सीजेआई सूर्यकांत को मुख्य अतिथि के तौर पर बुलाने के फैसले पर दोबारा विचार करने की मांग की है। छात्रों ने कुलपति, रजिस्ट्रार और प्रोफेसरों को पत्र भेजकर अपनी आपत्ति दर्ज कराई है। पत्र में कहा गया है कि दीक्षांत समारोह की तारीख और मुख्य अतिथि अभी औपचारिक रूप से तय नहीं हुए हैं, इसलिए किसी फैसले से पहले छात्र अपनी चिंताएं प्रशासन के सामने रखना चाहते हैं। छात्रों ने यूनिवर्सिटी से सोमवार तक जवाब देने की मांग की है।

जेएनयू ने रद्द की उमर खालिद की किताब पर चर्चा के लिए ऑडिटोरियम की बुकिंग

नई दिल्ली

जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में 10 अगस्त को होने वाली उमर खालिद की किताब फ्रैक्चर्ड कम्युनिटीज पर चर्चा के लिए एसएसएस-1 की बुकिंग रद्द कर दी है। बता दें कि यह कार्यक्रम 10 अगस्त को दोपहर 3 बजे से शाम 6 बजे तक आयोजित होना था। विश्वविद्यालय की ओर से जारी सूचना के मुताबिक, ऑडिटोरियम की बुकिंग के लिए जमा किए गए वेन्यू रिक्वेस्ट फॉर्म में प्रस्तावित कार्यक्रम की पूरी जानकारी शेयर नहीं की गई थी। इसी आधार पर विश्वविद्यालय प्रशासन ने बुकिंग रद्द करने का फैसला लिया। यह

कार्यक्रम जेएनयू की ओर से आदिवासी दिवस के मौके पर आयोजित किया जाना था। इसमें प्रो. प्रभु महापात्र, प्रो. उमा चक्रवर्ती, हर्ष मंदर समेत कई लोग वक्ता के तौर पर शामिल होने वाले थे। कार्यक्रम के लिए एसएसएस-1 सभागार बुक किया गया था लेकिन विश्वविद्यालय ने कार्यक्रम से पहले ही बुकिंग रद्द कर दी। विश्वविद्यालय का कहना है कि हॉल बुक करने के लिए दिए गए फॉर्म में कार्यक्रम की पूरी जानकारी नहीं दी गई थी। बुकिंग रद्द करने का पत्र संयुक्त रजिस्ट्रार ने जारी किया था और इसे स्स्स के डीन की मंजूरी मिली थी। यह कार्यक्रम 10 अगस्त को दोपहर 3 बजे से होना था। इसमें कई प्रोफेसर और सामाजिक कार्यकर्ता शामिल होने वाले थे। आदिवासी दिवस के मौके पर जेएनयू की ओर से यह कार्यक्रम रखा गया था, जिसमें आदिवासी मुद्दों पर चर्चा होनी थी। जेएनयू ने कहा कि कैंपस में हॉल या दूसरी जगह बुक करने की प्रक्रिया साफ और नियमों के साथ होनी चाहिए। कार्यक्रम से ठीक एक दिन पहले हॉल की बुकिंग रद्द कर दी गई। विश्वविद्यालय का कहना है कि यह फैसला तय नियमों और कार्यक्रम की जानकारी से जुड़ी जरूरी प्रक्रियाओं के तहत लिया गया है।

क्रोएशिया में दो ट्रेनों की टक्कर में 20 घायल

जाग्रेब (वार्ता)। क्रोएशिया में दो ट्रेनों के बीच हुई टक्कर में कम से कम 20 लोग घायल हो गये। देश के स्वास्थ्य मंत्रालय ने यह जानकारी दी। यह दुर्घटना राजधानी जाग्रेब से करीब 60 किलोमीटर पूर्व स्थित स्वेती इवान जाब्नो और ग्राडेक रेलवे स्टेशनों के बीच सुबह करीब 10 बजे हुई। जहां यात्री ट्रेन और मालगाड़ी के बीच जबरदस्त टक्कर हो गयी। यात्री ट्रने में 27 लोग सवार थे। अधिकारियों के अनुसार, हादसे में छह लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जबकि 14 अन्य को मामूली चोटें आयी हैं। घायलों को बेलोवार और कोप्रिव्नित्सा के अस्पतालों में भर्ती कराया गया, जबकि बाद में कुछ घायलों को जाग्रेब के चिकित्सा केंद्रों में स्थानांतरित किया गया। एक युवती को गहन चिकित्सा इकाई में भर्ती कराया गया है, हालांकि उसकी हालत स्थिर बतायी गयी है।

दो बसों की टक्कर से 22 लोगों की मौत

नियामे (वार्ता)। दक्षिणी नाइजर में दो बसों की भिडंत में कम से कम 22 लोगों की मौत हो गयी तथा 37 अन्य घायल हो गये। स्थानीय समाचार एजेंसी एएनपी ने देश के परिवहन मंत्रालय के हवाले से बताया कि शुरुआती रिपोर्ट के अनुसार, मरने वालों में 17 सैनिक थे। रिपोर्ट के अनुसार, दुर्घटना मदावा में हुई, जहां उसी नाम के शहर से आ रही एक बस और जिंदर शहर से मुख्य रूप से सैन्यकर्मियों को ले जा रही दूसरी बस के बीच टक्कर हो गई। दोनों बसें डौकू डौकू शहर के बाहरी इलाके में रेज़ी गांव से कुछ किलोमीटर दूर आपस में टकरा गयीं। नाइजर के परिवहन मंत्री अब्दुर्रहमान अमादू ने हादसे में मारे गए लोगों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की।

दिल्ली मेट्रो ने दुनिया की मेट्रो प्रणालियों को पीछे छोड़ा

नई दिल्ली (वार्ता)

दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन ने ट्रेन परिचालन की समयबद्धता और विश्वसनीयता के मामले में हांगकांग, पेरिस और न्यूयॉर्क जैसी दुनिया की प्रमुख मेट्रो प्रणालियों को पीछे छोड़ते हुए अपनी एक अलग पहचान बनाई है। यह उपलब्धि इसलिए भी विशेष है क्योंकि डीएमआरसी परिचालन प्रदर्शन के लिए बेहद कड़े नियम अपनाता है। कई अंतरराष्ट्रीय मेट्रो प्रणालियां ट्रेन के कई मिनट विलंब से पहुंचने पर उसे लेट मानती हैं, वहीं दिल्ली मेट्रो में निर्धारित समय से 59 सेकंड से अधिक देरी होने पर भी ट्रेन को लेट माना जाता है। वर्ष 2003 में दिल्ली मेट्रो की पंक्चुअलिटी 98.27 प्रतिशत थी, जो 2005 में बढ़कर 99.64 प्रतिशत हो गई।

इसके बाद से डीएमआरसी ने लगातार 99.9 प्रतिशत से अधिक समयबद्धता बनाए रखी है और वर्ष 2026 में अपने विशाल नेटवर्क के बावजूद 99.95 प्रतिशत की असाधारण पंक्चुअलिटी हासिल की है। आमतौर पर किसी भी मेट्रो नेटवर्क और उसके बेड़े के विस्तार के साथ-साथ परिचालन और रखरखाव संबंधी चुनौतियां बढ़ती

हैं, जिसका सीधा असर उसकी विश्वसनीयता पर पड़ता है। हालाँकि, दिल्ली मेट्रो ने अपने 23 वर्षों के सफर में इस प्रवृत्ति को गलत साबित करते हुए लगातार उच्च परिचालन दक्षता बनाए रखी है। मेट्रो की ट्रेनों के बीच का अंतराल शुरुआती वर्षों में लगभग सात मिनट था, अब सबसे व्यस्त कॉरिडोर पर घटकर मात्र 2 मिनट 18 सेकंड रह गया है। इसके अलावा, डीएमआरसी ने 2.72 मिलियन कार-किलोमीटर का मीन डिस्टेंस बिटवीन फेलियर्स हासिल किया है, जो किसी तकनीकी खराबी से पहले ट्रेन द्वारा तय की जाने वाली औसतन दूरी को दर्शाता है। दुनिया की 45 प्रमुख मेट्रो प्रणालियों के संघ कम्युनिटी ऑफ मेट्रोस की अंतरराष्ट्रीय बेंचमार्किंग में भी दिल्ली मेट्रो को विश्व की शीर्ष पांच सबसे विश्वसनीय मेट्रो प्रणालियों में लगातार स्थान मिलता रहा है। तकनीक और नवाचार के मामले में भी दिल्ली मेट्रो अग्रणी रही है। डीएमआरसी वर्तमान में भारत के सबसे बड़े ड्राइवरलेस मेट्रो नेटवर्क का संचालन करता है, जहाँ इसके लगभग 29 प्रतिशत नेटवर्क पर अनअटेंडेड ट्रेन ऑपरेशन के तहत ट्रेनें चल रही हैं। दिल्ली मेट्रो की लाइन-7 (पिंक लाइन), जो 71.55 किलोमीटर लंबी और 45 स्टेशनों वाली है, दुनिया की सबसे लंबी ड्राइवरलेस और सर्कुलर मेट्रो लाइनों में शामिल है। यह लाइन ग्रे लाइन के एक छोटे हिस्से को छोड़कर लगभग पूरे नेटवर्क को इंटरचेंज सुविधा प्रदान करती है, जिससे केंद्रीय क्षेत्रों में भीड़ कम हुई है और यात्रियों का सफर सुगम हुआ है।

फिल्म/टीवी मनोरंजन

मेरी तस्वीर का प्रयोग कर डीपफेक बनाना बंद करें : मृणाल ठाकुर

अपनी पहचान का गलत इस्तेमाल करके डीपफेक वीडियो और तस्वीरें बनाने तथा साझा करने वालों को बॉलीवुड अभिनेत्री मृणाल ठाकुर ने कड़ा संदेश दिया है। मृणाल ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर लिखा, मेरी तस्वीर या आवाज का इस्तेमाल करके डीपफेक वीडियो या फोटो बनाना और शेयर करना गैरकानूनी और गलत है। इस पोस्ट के जरिए मैं सभी को चेतावनी दे रही हूं, इसे तुरंत बंद कर दें। अगर मेरी पहचान का आगे कोई गलत इस्तेमाल हुआ, तो मैं कानूनी कार्रवाई करूंगी। यह चेतावनी ऐसे समय में आई है जब ऑनलाइन डीपफेक तकनीक का दुरुपयोग एक गंभीर चिंता का विषय बन गया है, खासकर मनोरंजन उद्योग की हस्तियों के लिए। मृणाल ठाकुर की यह पहल अन्य कलाकारों को भी

अपनी पहचान की सुरक्षा के लिए आवाज उठाने को प्रेरित कर सकती है। अभिनेत्री मृणाल ठाकुर की पेशेवर जिंदगी की बात करें तो, उनका करियर इन दिनों बुलंदियों पर है और उनकी झोली में कई महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट्स हैं। साल की शुरुआत में, उन्होंने रोमांटिक-कॉमेडी फिल्म दो दीवाने सहर में में अभिनेता सिद्धांत चतुर्वेदी के साथ मुख्य भूमिका निभाई थी। यह फिल्म मुंबई जैसे व्यस्त शहर में रहने वाले दो ऐसे व्यक्तियों की कहानी थी, जो अपने आत्म-संदेह, सामाजिक दबाव और असुरक्षाओं से जूझते हुए प्यार और अपनेपन का अनुभव करते हैं। फिल्म ने दर्शकों और समीक्षकों दोनों से अच्छी प्रतिक्रिया प्राप्त की थी और बॉक्स ऑफिस पर भी सफल रही। इसके बाद, मृणाल ने डेविड धवन द्वारा निर्देशित रोमांटिक कॉमेडी फिल्म है जवानी तो इश्क होना है में भी काम किया। इस फिल्म में उनके साथ वरुण धवन और पूजा हेगड़े जैसे कलाकार भी मुख्य भूमिकाओं में थे। उनकी आने वाली फिल्मों में एक और महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट एक्शन-ड्रामा फिल्म डकैत- एक प्रेम कथा है, जिसमें वह अभिनेता अदिवी शेष के साथ नजर आएंगी। इस फिल्म का निर्देशन शनेल देव ने किया है और यह प्यार, धोखे और बदले की एक जटिल कहानी है। फिल्म में हाई-स्टेक्स चोरी और जबरदस्त सस्पेंस देखने को मिलता है। मृणाल ठाकुर ने इस फिल्म में सरस्वती नामक एक सशक्त किरदार निभाया है, जो केवल एक रोमांटिक लव-इंटरेस्ट तक ही सीमित नहीं है, बल्कि कहानी के मुख्य संघर्ष और ताकत का प्रतीक बन कर उभरता है।

मनोज मुंतशिर ने आदिपुरुष को बताया असफल

साल 2023 में रिलीज हुई फिल्म आदिपुरुष के विवादित डायलॉग्स को लेकर चौतरफा आलोचना झेल चुके मशहूर गीतकार और लेखक मनोज मुंतशिर ने एक बार फिर अपनी फिल्म की नाकामी को स्वीकार किया है। हाल ही में मुंबई में मीडिया से बातचीत करते हुए उन्होंने अपनी फिल्म को एक असफल प्रयास करार दिया। उन्होंने फैंस और मीडिया से अपील की कि वे आने वाली नितेश तिवारी की महाकाव्य फिल्म रामायण की तुलना आदिपुरुष से न करें।

एक इवेंट के दौरान मनोज मुंतशिर ने कहा, यह बेहतर होगा कि हम रामायण की तुलना आदिपुरुष से न करें। यह स्वीकार करने में कोई शर्म नहीं होनी चाहिए कि आदिपुरुष लोगों की उम्मीदों पर खरी नहीं उतर सकी। फिल्म से जुड़े लोगों ने बहुत मेहनत से काम किया था, लेकिन यह एक असफल प्रयास साबित हुआ। हालांकि, उन्होंने अपनी बात जोड़ते हुए कहा कि उन्हें इस बात पर गर्व है कि फिल्म का संगीत लोगों को काफी पसंद आया।

सोहा अली खान ने साझा की अपनी पसंदीदा डाइजेस्टिव टी, किताबें और फिटनेस उपलब्धि

बॉलीवुड अभिनेत्री सोहा अली खान सोशल मीडिया पर अपनी फिटनेस, किताबों और लाइफस्टाइल से जुड़ी अपडेट्स देती रहती हैं। इस बार उन्होंने अपने फैंस को बताया कि इस हफ्ते उन्हें कौन-कौन सी चीजें सबसे ज्यादा पसंद आईं। सोहा ने अपनी रोजमर्रा की आदतों, पढ़ने की पसंद और फिटनेस से जुड़ी चीजों के बारे में बात की। सोहा अली खान ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर करते हुए अपनी इस हफ्ते की तीन पसंदीदा चीजों का जिक्र किया। उन्होंने बताया कि रात के खाने के बाद वह एक खास डाइजेस्टिव टी पीती हैं, जो उनकी शाम की दिनचर्या का हिस्सा बन गई है। यह चाय पेट को हल्का रखने में मदद करती है। अभिनेत्री ने बताया कि यह डाइजेस्टिव टी घर पर आसानी से तैयार की जा सकती है, जिसमें दालचीनी, अदरक, तुलसी और सौंफ जैसी चीजों

का इस्तेमाल किया जाता है। यह पेय उन्हें काफी सुकून देता है, और अब यह उनकी छोटी सी शाम की आदत बन चुकी है।

हालांकि, उन्होंने महत्वपूर्ण सलाह दी कि यह चाय हर किसी के लिए सही नहीं हो सकती, खासकर गर्भवती महिलाओं, ब्लड थिनर लेने वाले लोगों, एसिडिटी या रिफ्लक्स की समस्या से जूझ रहे लोगों और डायबिटीज की दवा लेने वालों को इसे लेने से पहले डॉक्टर की सलाह लेनी चाहिए। सोहा ने अपनी पढ़ने की आदत के बारे में भी जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि वह इन दिनों जापानी लेखक केइगो हिगाशिनो की किताब मैलिस पढ़ रही हैं और उन्हें इस लेखक की किताबें पसंद हैं, क्योंकि इनकी कहानियां हमेशा पाठकों को हैरान करती हैं और अंत तक बांधे रखती हैं। अभिनेत्री ने बताया कि वह एक समय में फिक्शन और नॉन-फिक्शन दोनों तरह की किताबें पढ़ना पसंद करती हैं।

भारतीय युवा कांग्रेस के स्थापना दिवस की शुरुआत ध्वज वंदन के साथ हुई

नरसिंहपुर, स्वतंत्रमत।

भारतीय युवा कांग्रेस के स्थापना दिवस पर जिला युवा कांग्रेस द्वारा जिला कांग्रेस कार्यालय में बैठक कर स्थापना दिवस मनाया गया एवं रक्तदान कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत युवा कांग्रेस के ध्वज वंदन के साथ हुई, जिसके पश्चात युवा साथियों ने रक्तदान कर समाजसेवा का संदेश दिया। वरिष्ठ नेताओं ने युवा कांग्रेस के संगठन को मजबूत करने, युवाओं की अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चित करने तथा आगामी संगठनात्मक गतिविधियों को लेकर महत्वपूर्ण चर्चा की। उन्होंने युवा कांग्रेस के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं को संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने तथा जनहित के मुद्दों पर सक्रिय भूमिका निभाने का मार्गदर्शन दिया। इस दौरान जिला युवा कांग्रेस के

अध्यक्ष विवेक पटेल ने युवा कांग्रेस के गठन और उसके बाद पर प्रकाश डाला।कार्यक्रम में पूर्व विधायक सुनील जायसवाल, पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष नरेंद्र राजपूत, डॉ. संजीव चाँदोरकर, विजय आज़ाद, अजय मालवीय, देवेंद्र शुक्ला, कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष मनीष साहू, ग्रामीण अध्यक्ष धनीराम पटेल, शहर अध्यक्ष रोहित पटेल, सेवादल जिला अध्यक्ष अतुल चौरसिया, जनपद उपाध्यक्ष कनछेदी पटेल, पार्षद अस्सु नेमा, जिला युवा कांग्रेस अध्यक्ष विवेक पटेल,कांग्रेस प्रवक्ता अजय दुबे, आशीष गुप्ता , जिला उपाध्यक्ष शिवम राय, एन एस यू आई अध्यक्ष जिला अध्यक्ष ईशान राय, अंकुर बटरी, प्रियांक कहार, नरसिंहपुर विधानसभा युवा कांग्रेस अध्यक्ष शुभम ठाकुर, गाडरवारा विधानसभा अध्यक्ष शाश्वत राय, नगर अध्यक्ष अमित श्रीवास्तव, सुनी केसरवानी, जिला महासचिव संजय मेहरा, गोलडी खान, पलाश पटेल, अंकित पटेल, अभिषेक गुप्ता , गिलु यादव एवं नंदगोपाल यादव सहित जिला युवा कांग्रेस के पदाधिकारीगण एवं बड़ी संख्या में युवा साथी उपस्थित रहे।बैठक के दौरान संगठन की आगामी रणनीति, कार्यक्रमों एवं विभिन्न संगठनात्मक गतिविधियों को लेकर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया।

वरिष्ठ नेताओं ने युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं को एकजुट होकर संगठन को मजबूत करने तथा जनहित से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाने का आह्वान किया।कार्यक्रम के अंत में युवा कांग्रेस के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने संगठन को और अधिक मजबूत बनाने तथा जनहित एवं समाजसेवा के लिए निरंतर सक्रिय रहने का संकल्प लिया।

केंडिल मार्च निकालकर मासूम बच्ची को दी श्रद्धांजलि

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)। पलोटन गंज में बीते दिवस श्रीधाम गोटेगांव में 8 वर्षीय मासूम बच्ची के साथ हुए बलात्कार और जघन्य हत्या की घटना से आक्रोशित सर्वधर्म समाज के लोगों ने एकत्रित होकर कैंडल मार्च निकालकर श्रद्धांजलि अर्पित की। घटना के विरोध में पलोटन गंज से विशाल कैंडल मार्च निकाला गया। मार्च पानी की टंकी, महावीर भवन, शक्ति चौक होते हुए झंडा चौक पहुंचा। हाथों में मोमबत्तियां और तख्तियां लिए सैकड़ों की संख्या में शामिल लोगों ने आलिया को न्याय दो, हत्यारे को फांसी दो के नारे लगाकर अपना आक्रोश व्यक्त किया। बारिश के बावजूद लोग सड़कों पर उतरकर बच्ची को न्याय दिलाने की मांग करते नजर आए।झंडा चौक पर कैंडल मार्च के समापन के बाद मासूम आलिया की फोटो के समक्ष मोमबत्तियां जलाकर 2 मिनट का मौन धारण किया गया। इस दौरान माहौल पूरी तरह गमगीन हो गया। सर्वधर्म के लोगों ने एक स्वर में कहा कि ऐसी दरिंदगी करने वालों को

कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाहिए।श्रद्धांजलि सभा का संचालन करते हुए समाजसेवी मुकेश बसेड़िया ने कहा कि इस प्रकार की हैवानियत करने वालों का तुरंत एनकाउंटर कर देना चाहिए। हत्यारे को ऐसी सजा मिलनी चाहिए कि उसकी रूह कांप जाए और भविष्य में कोई ऐसी घटना करने की हिम्मत न कर सके। सभी वर्ग के लोगो ने संबोधित कर एकमत से बच्ची के हत्यारे को फांसी की सजा देने की मांग की। उन्होंने कहा कि धर्म और जाति से ऊपर उठकर पूरा समाज इस दुख की घड़ी में एक साथ खड़ा है। इस श्रद्धांजलि सभा के आयोजक रोहित गुर्जर एवं उनकी पूरी टीम ने नगर के सभी वर्गों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि जब तक आलिया को न्याय नहीं मिल जाता तब तक हमारा यह संघर्ष जारी रहेगा। सभा में बड़ी संख्या में युवा, सामाजिक संगठन और सर्वधर्म के लोग शामिल हुए। सभी ने बारिश में भीगते हुए बच्ची की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। श्रीधाम गोटेगांव की इस घटना ने पूरे क्षेत्र को झकझोर कर रख दिया है। हर वर्ग के लोग दोषियों के लिए कठोरतम सजा की मांग कर रहे हैं।

बैगलेस डे पर विद्यार्थियों ने बनाई मूर्तियां एवं झंडे

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)।

शनिवार को ग्राम सांगई की एकीकृत शासकीय नवीन माध्यमिक शाला में बालसभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बैगलेस डे की गतिविधियां कराई गई। इस दौरान विद्यार्थियों ने श्रावण माह के चलते मिट्टी से भगवान शिव एवं गणेश जी की मूर्तियां बनाई और सजाई।

इसके अलावा हर घर तिरंगा अभियान के मद्देनजर तिरंगा झंडे एवं भारत माता, शहीद भगत सिंह, महात्मा गाँधी, सुभाष चंद्र बोस एवं मिसाइल मैन अब्दुल कलाम आजाद जी की पेंटिंग बनाई। इस अवसर पर मार्गदर्शी शिक्षक मधुसूदन पटैल ने बताया कि राज्य शिक्षा केंद्र के निर्देशानुसार माह जुलाई से जनवरी तक कोई एक शनिवार को बैगलेस डे मनाये जाने के निर्देश है।

इसी क्रम में शनिवार को बैगलेस डे की गतिविधियां कराई गईं। उक्त गतिविधियां संस्था के प्रधानपाठक दशरथ प्रसाद जाटव के मार्गदर्शन, शिक्षक विवेक नाईक, देवेंद्र ठाकुर, किरणलता ठाकुर एवं अतिथि शिक्षक चंद्रभूषण नामदेव के सहयोग से संपन्न हुई ।

रोटरी क्लब ने किया बेबी केयर किटों का वितरण

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)। रोटरी क्लब गाडरवारा द्वारा स्थानीय शासकीय सिविल अस्पताल में जन्म लिए बच्चो को बेबी केयर किट का वितरण किया गया। उक्त वितरण कार्यक्रम अत्यंत उत्साह और आत्मीयता के साथ क्लब के सदस्यों की गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न हुआ। उल्लेखनीय है कि क्लब द्वारा दी गई बेबी केयर किट में ऐसी आवश्यक सामग्री सम्मिलित की गई हैजो नवजात शिशु के लिए उपयोगी है और सामान्यत: शासन की ओर से उपलब्ध नहीं कराई जाती। कम लागत में जरूरतमंद परिवारों को उपयोगी सहायता उपलब्ध कराना निश्चित रूप से एक सार्थक सेवा है। अस्पताल के स्टाफ के साथ-साथ लाभार्थी परिवारों द्वारा भी इस पहल की सराहना की गई और क्लब के प्रति आभार व्यक्त किया गया। इस अवसर पर मिनेन्द्र डागा ने कहा कि रोटरी क्लब हमेशा से ही पीड़ित मानवता की सेवा के लिए हमेशा तत्पर रहता है। क्लब के अध्यक्ष शरद मौलासरिया ने कहा कि रोटरी क्लब का उद्देश्य समाजसेवा का रहा है। इस अवसर पर डॉ उमाशंकर दुबे,अशोक राजपूत संजय गुप्ता, सुरेंद्र साहू,मनोज बसा, मनीष जायसवाल,प्रियांक सोनी, अमित पटेल, अरुण तिवारी,नीलेश साहू, प्रतीक साहू,विजय नायक आदि उपस्थित रहे।

जिले में अब तक 507.2 मिमी अर्थात 19.97 इंच वर्षा दर्ज

नरसिंहपुर। नरसिंहपुर जिले में एक जून से 9 अगस्त तक की अवधि में औसत रूप से कुल 507.2 मिमी अर्थात 19.97 इंच वर्षा दर्ज की गयी है। 9 अगस्त की सुबह तक बीते 24 घंटे में जिले में औसतन 84.4 मिमी अर्थात 3.32 इंच वर्षा दर्ज की गई है। इस दिन तहसील नरसिंहपुर में 109 मिमी, गाडरवारा में 120 मिमी, गोटेगांव में 48 मिमी, करेली में 65 और तेंदूखेड़ा में 80 मिमी वर्षा आंकी गई है।

तहसीलदार भू- संसाधन एवं प्रबंधन से प्राप्त जानकारी के अनुसार 9 अगस्त तक तहसील नरसिंहपुर में 579 मिमी, गाडरवारा में 622, गोटेगांव में 336 मिमी, करेली में 422 मिमी और तेंदूखेड़ा में 577 मिमी वर्षा आंकी गई है। इसी अवधि में पिछले वर्ष जिले में औसतन 934.40 मिमी अर्थात 36.78 इंच वर्षा हुई थी।

कलेक्टर ने मूंग खरीदी केंद्रों का किया निरीक्षण, किसानों से जानी समस्याएं

नरसिंहपुर (स्वतंत्र मत)।

कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने रविवार को जिले के विभिन्न मूंग खरीदी केंद्रों का निरीक्षण कर खरीदी व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने पटेल वेयर हाउस मगरधा, आयन वेयर हाउस भैंसा तथा न्यू चौकसे वेयर हाउस सिंहपुर में पहुंचकर किसानों से संवाद किया और उनकी समस्याओं की जानकारी ली।निरीक्षण के दौरान किसानों ने कलेक्टर को बताया कि उन्होंने स्लॉट बुक करने के बाद अपनी मूंग उपज खरीदी केंद्र पर ला दी है, लेकिन अभी तक तुलाई के लिए उनका नंबर नहीं लग पाया है। किसानों की समस्या को गंभीरता से सुनते हुए कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि ऐसे किसानों की जानकारी का सत्यापन कर स्लॉट बुकिंग की तिथि बढ़ाने के लिए आवश्यक कार्रवाई की जाए, ताकि स्लॉट बुक करने वाले किसानों को अपनी उपज बेचने में परेशानी न हो।

कलेक्टर ने खरीदी केंद्रों पर मूंग की तुलाई और खरीदी की पूरी प्रक्रिया का जायजा लिया तथा किसानों के लिए उपलब्ध व्यवस्थाओं की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि खरीदी प्रक्रिया सुचारू, पारदर्शी और किसान हितैषी तरीके से संचालित की जाए। उन्होंने खरीदी केंद्रों पर आने वाले ट्रैक्टरों के संबंध में भी निर्देश दिए कि ट्रैक्टरों को व्यवस्थित रूप से खड़ा कराया जाए, जिससे मुख्य मार्ग पर यातायात बाधित न हो। साथ ही केंद्रों पर किसानों की सुविधा और सुचारू आवागमन के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस दौरान तहसीलदार श्री अमित रिनायते सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

क्षेत्र के विकास में नहीं आने दी जाएगी कमी : सांसद चौधरी

नरसिंहपुर (स्वतंत्र मत)।

तेंदूखेड़ा विधानसभा क्षेत्र के ग्राम खुलरी में रविवार को विकास और पर्यावरण संरक्षण को समर्पित कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में नर्मदापुरमङ्गनरसिंहपुर लोकसभा क्षेत्र के सांसद श्री दर्शन सिंह चौधरी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता तेंदूखेड़ा विधायक श्री विश्वनाथ सिंह पटेल ने की।

इस अवसर पर ग्राम पंचायत खुलरी में 1 करोड़ 82 लाख 82 हजार रुपये की लागत के विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया गया। साथ ही ग्राम को हरा-भरा और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक बनाने के उद्देश्य से 3,100 पौधों का पौधारोपण किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद श्री चौधरी ने कहा कि ग्राम खुलरी के विकास में कोई कमी नहीं आने दी जाएगी। गांव की मूलभूत आवश्यकताओं को प्राथमिकता देते हुए सड़क, अधोसंरचना, शिक्षा, पेयजल, स्वच्छता सहित जनहित से जुड़े कार्यों को गति दी जा रही है। उन्होंने कहा कि विकास का उद्देश्य केवल निर्माण कार्य कराना नहीं, बल्कि उसका लाभ गांव के प्रत्येक परिवार, किसान, युवा और जरूरतमंद व्यक्ति तक पहुंचाना है।

उन्होंने कहा कि 1 करोड़ 82 लाख 82 हजार रुपये के विकास कार्य ग्राम पंचायत खुलरी के लिए विकास की नई दिशा तय करेंगे। इन कार्यों से ग्रामीणों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी और गांव के विकास को गति मिलेगी। केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से गांवों को सशक्त, सुविधायुक्त और आत्मनिर्भर बनाने के लिए निरंतर कार्य किया जा रहा है।

विधायक श्री पटेल ने कहा कि क्षेत्र के गांवों में जनसुविधाओं का विस्तार, मूलभूत अधोसंरचना का विकास और पर्यावरण संरक्षण सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल हैं। उन्होंने कहा कि विकास की यह यात्रा निरंतर जारी रहेगी तथा क्षेत्र के प्रत्येक गांव को बेहतर सुविधाओं से जोड़ने के लिए हरसंभव प्रयास किए जाएंगे।

विकास के साथ पर्यावरण संरक्षण हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। इसी भावना के साथ कार्यक्रम में 3,100 पौधों का पौधारोपण किया गया है। उन्होंने ग्रामीणों से पौधों की नियमित देखभाल और संरक्षण का संकल्प लेने का आह्वान किया। कार्यक्रम में श्री अवधेश प्रताप सिंह पटेल, राव वीरेंद्र सिंह, श्री राहुल कौरव, श्री मिनेंद्र डागा, श्री महीष मोदी, जिला पंचायत सदस्य श्री धनंजय पटेल, शिवदयाल खैरोनिया, रमाकांत शर्मा, अमोल यादव, सुदर्शन पेठिया, राजू पाली, बसंत पटेल, डालचंद पटेल, संतोष पटेल, श्री प्रताप कौरव, ब्रजेंद्र पटेल, ईश्वर गुर्जर, सोनू महाराज, सीमांत राजपूत, राजेंद्र पटेल, रूपम विश्वकर्मा, गिरधारीलाल वर्मा, गुड्डू पटेल, ऋषि पचौरी, राव राजेंद्र सिंह, मुकेश पटेल, साहब सिंह बड़कुर, श्री पंकज शर्मा, भोजराज जाटव, मनोज पाठक, सरपंच सुशीला बाई पटेल, उपसरपंच शिखा दुबे सहित जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे।

कक्षा 6 में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 10 अगस्त

नरसिंहपुर। पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय, बोहानी में सत्र 2027-28 के लिए कक्षा 6 की 80 सीटों पर प्रवेश हेतु जवाहर नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा का आयोजन 28 नवंबर 2026 को अखिल भारतीय स्तर पर किया जाएगा।

इस परीक्षा के लिए वर्तमान शैक्षणिक सत्र 2026-27 में कक्षा 5 में अध्ययनरत विद्यार्थी, जो शासन द्वारा मान्यता प्राप्त विद्यालयों में अध्ययन कर रहे हैं, आवेदन कर सकते हैं। प्रवेश के लिए ऑनलाइन पंजीयन की प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है। इच्छुक विद्यार्थी जवाहर नवोदय विद्यालय समिति के पोर्टल पर आवेदन कर सकते हैं। ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 10 अगस्त 2026 निर्धारित है।

दूध एवं खाद्य पदार्थों में मिलावट पर सख्त कार्रवाई, नमूने जांच हेतु भोपाल भेजे गए

नरसिंहपुर (स्वतंत्र मत)

कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह के निर्देशानुसार जिले में दूध एवं दुग्ध उत्पादों में मिलावट के विरुद्ध सघन अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है।खाद्य सुरक्षा अधिकारी सारिका दुबे द्वारा गुरुवार एवं शुक्रवार को नरसिंहपुर के विभिन्न प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया।

इस दौरान स्टेशनगंज स्थित स्वास्तिक ट्रेडर्स से पतंजलि गाय के घी का नमूना जांच हेतु लिया गया। इसी प्रकार सांकल रोड स्थित श्री आदिनाथ ट्रेडर्स पर निरीक्षण के दौरान संदेह के आधार पर धौलपुर फ्रेश गाय का घी (पैक्ड 500 एमएल) के कुल 21 लीटर,

जिसकी कीमत 13 हजार 440 रुपये है, को जब्त किया गया। उक्त घी के दो नमूने जांच के लिए खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भोपाल भेजे गए हैं। खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा दूध एवं दुग्ध उत्पादों के विरुद्ध सतत कार्रवाई जारी है। सभी खाद्य विक्रेताओं को हिदायत दी गई है कि नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत कार्रवाई की जाएगी।

आमगांव बड़ा से हर घर तिरंगा अभियान की शुरुआत

कैबिनेट मंत्री पटेल ने घर-घर पहुंचाया तिरंगा, नागरिकों से राष्ट्रध्वज फहराने की अपील

नरसिंहपुर। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा से देशभर में 9 से 17 अगस्त तक आयोजित किए जा रहे 'हर घर तिरंगा अभियान' के तहत मध्यप्रदेश शासन कैबिनेट मंत्री पंचायत एवं ग्रामीण विकास व श्रम विभाग श्री प्रहलाद सिंह पटेल ने रविवार को ग्राम आमगांव बड़ा से अभियान की शुरुआत की। इस अवसर पर क्षेत्र में देशभक्ति और राष्ट्रीय एकता का संदेश देते हुए नागरिकों को अपने घरों एवं प्रतिष्ठानों पर तिरंगा फहराने के लिए प्रेरित किया गया।

अभियान के तहत करेली बाजार स्थित सिंहपुर चौराहा सोसायटी से सोनी धर्मशाला तक भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई।

यात्रा में वरिष्ठ समाजसेवी श्री रामसनेही पाठक सहित अन्य स्थानीय जनप्रतिनिधि व बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक हाथों में राष्ट्रीय ध्वज लेकर शामिल हुए। तिरंगा यात्रा के दौरान पूरा क्षेत्र देशभक्ति के रंग में रंगा नजर आया।कैबिनेट मंत्री श्री पटेल ने स्वयं नागरिकों के घर-घर पहुंचकर राष्ट्रीय ध्वज वितरित किए और उनसे अपने घरों एवं प्रतिष्ठानों पर सम्मानपूर्वक तिरंगा फहराने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि 'हर घर तिरंगा' अभियान केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि देश के प्रति गर्व, सम्मान और राष्ट्रीय एकता की भावना को मजबूत करने का जन-अभियान है।श्री पटेल ने नागरिकों से प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर अभियान में उत्साहपूर्वक भागीदारी करने की अपील करते हुए कहा कि प्रत्येक परिवार अपने घर की छत पर गर्व के साथ तिरंगा फहराए।

नशे के विरुद्ध गोटेगांव में निकली 'युवा जागरण पदयात्रा'

मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने युवाओं के साथ पदयात्रा में लिया हिस्सा नशामुक्त समाज का दिया संदेश

नरसिंहपुर, एक सशक्त राष्ट्र का निर्माण केवल सशक्त युवा शक्ति से ही संभव है। इसी संकल्प को साकार करने के उद्देश्य से गोटेगांव में नशे के विरुद्ध 'युवा जागरण पदयात्रा' का आयोजन किया गया। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा एवं माय भारत अभियान के अंतर्गत आयोजित इस जागरूकता पदयात्रा में प्रदेश शासन के पंचायत एवं ग्रामीण विकास और श्रम मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल ने सहभागिता की।

पदयात्रा का शुभारंभ नेताजी सुभाष चंद्र बोस स्टेडियम

गोटेगांव से हुआ। बड़ी संख्या में युवाओं ने उत्साह के साथ इसमें भाग लिया और नशे के खिलाफ जनजागरूकता का संदेश दिया। पदयात्रा के दौरान युवाओं ने समाज को नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करने तथा युवा पीढ़ी को नशे से दूर रखने का संकल्प लिया।

मंत्री श्री पटेल ने युवाओं के साथ पदयात्रा में शामिल होकर नशामुक्त एवं स्वस्थ समाज के निर्माण का संदेश दिया। उन्होंने युवाओं की ऊर्जा और सकारात्मक सोच को राष्ट्र निर्माण की महत्वपूर्ण शक्ति बताते हुए नशे जैसी सामाजिक बुराई के खिलाफ जागरूकता फैलाने की आवश्यकता पर बल दिया।

पदयात्रा का नेतृत्व 'सहयोग युवा समिति' के बैनर तले फलित सिंह पटेल ने किया। समिति द्वारा युवाओं को नशे से दूर रहने, स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और समाज में सकारात्मक बदलाव के लिए सक्रिय भूमिका निभाने के उद्देश्य से यह पहल की गई।

पदयात्रा में शामिल युवाओं ने 'नशे को ना, जीवन को हां' का संदेश देते हुए लोगों से नशे से दूर रहने का आह्वान किया। नशे की लत न केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य और भविष्य को प्रभावित करती है, बल्कि परिवार और समाज पर भी इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। इसलिए युवाओं को जागरूक कर उन्हें रचनात्मक गतिविधियों, खेल, शिक्षा और राष्ट्र निर्माण से जोड़ना आवश्यक है।इस अवसर पर युवाओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। पदयात्रा ने गोटेगांव क्षेत्र में नशामुक्ति के प्रति जनजागरूकता और युवा सहभागिता का सकारात्मक संदेश दिया।युवा जागरण पदयात्रा का उद्देश्य युवाओं को नशे के दुष्परिणामों से अवगत कराते हुए उन्हें स्वस्थ, सकारात्मक और जिम्मेदार जीवन के लिए प्रेरित करना तथा समाज में नशामुक्ति के प्रति व्यापक जनजागरूकता पैदा करना रहा।

39.50 लाख के विकास कार्यों का भूमिपूजन संपन्न

सीसी नाली एवं सड़क निर्माण कार्यों से क्षेत्र में आवागमन होगा सुगम, जलभराव से मिलेगी राहत

महापौर ने नागरिकों से स्वच्छता में सहयोग और एक पेड़ मां के नाम अभियान से जुड़ने की अपील की

कटनी (स्वतंत्रमत)।

आचार्य विनोबा भावे वार्ड क्रमांक 15 में विकास कार्यों को गति देते हुए रविवार को लगभग 39 लाख 50 हजार रुपए की लागत से होने वाले विभिन्न निर्माण कार्यों का भूमिपूजन महापौर प्रीति संजीव सूरी, क्षेत्रीय पार्षद एवं जिला महामंत्री सुखदेव चौधरी सहित जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी में वार्ड के वरिष्ठ नागरिक बिहारीलाल गुप्ता के करकमलों से कराया गया। कार्यक्रम में मेयर-इन-काउंसिल सदस्य सुभाष साहू, पूर्व पार्षद विजय डब्बू रजक, पंडित दीनदयाल उपाध्याय मंडल अध्यक्ष रजत जैन, मंडल महामंत्री प्रदीप उपाध्याय, मंडल उपाध्यक्ष राजकुमार चक्रवर्ती एवं अजय निषाद, वार्ड संयोजक दिनेश रजक, अंकित मिश्रा, सहित स्थानीय निवासी संतोष निषाद, मुकेश चौधरी, राममिलन दुबे, शंभू शर्मा, बद्रीप्रसाद गुप्ता, मोबीन अहमद खान, रमेश पटेल, किशोर गुप्ता, राजेश बर्मन, राकेश रजक, संतकुमार, संजू गुप्ता एवं छोटे श्रीवास सहित अन्य गणमान्य नागरिकों की मौजूदगी रही।

विभिन्न स्थानों पर होगा नाली एवं सड़क निर्माण कार्य

भूमिपूजन के तहत वार्ड के विभिन्न स्थानों पर सी.सी. नाली तथा बरम बाबा से सोनीराम अहिरवार तक सी.सी. रोड निर्माण कार्य कराया जाएगा। निर्माण कार्य पूर्ण होने के बाद क्षेत्र में आवागमन सुगम होने के साथ जल निकासी व्यवस्था बेहतर होगी और बारिश के दौरान जलभराव की समस्या से राहत मिलेगी।

हर वार्ड में प्राथमिकता के आधार पर हो रहे विकास कार्य- महापौर

महापौर ने कहा कि नगर के प्रत्येक वार्ड में नागरिकों की आवश्यकता और प्राथमिकता के अनुसार निर्धारित प्रक्रिया के तहत विकास कार्य कराए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज जिन कार्यों का भूमिपूजन हुआ है, उनके पूर्ण होने से क्षेत्रवासियों को बेहतर आवागमन सुविधा मिलेगी और जलभराव की समस्या से भी राहत प्राप्त होगी।

स्वच्छता के लिए नागरिकों से सहयोग की अपील

महापौर ने नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि कचरा कचरा गाड़ी में ही डालें और अपनी गली के साथ पूरे नगर को स्वच्छ एवं सुंदर बनाने में सहयोग करें। उन्होंने प्रत्येक नागरिक से एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधा लगाने का आग्रह किया।

वार्डवासियों के लिए खुशी का दिन- क्षेत्रीय पार्षद

वार्ड पार्षद सुखदेव चौधरी ने अपने उद्बोधन में कहा कि वार्ड के सभी नागरिकों के लिए खुशी का दिन है कि उनके बीच विकास की गंगा बहाने वाली महापौर प्रीति संजीव सूरी स्वयं उपस्थित हैं। उन्होंने कहा कि महापौर एवं उनके परिवार द्वारा लंबे समय से जनसेवा को प्राथमिकता देते हुए समाज और क्षेत्र के हित में निरंतर सेवा कार्य किए जाते रहे हैं। महापौर के नेतृत्व में नगर के विकास को नई गति मिली है और वार्डों में नागरिकों की आवश्यकता एवं प्राथमिकता के अनुसार लगातार विकास कार्य कराए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि महापौर के संज्ञान में वार्ड की आवश्यकताओं को रखते हुए वे क्षेत्र की समस्याओं और विकास कार्यों के लिए निरंतर प्रयासरत हैं। कार्यक्रम के अंत में मंडल अध्यक्ष रजत जैन ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि नागरिकों को आज हो रहे विकास कार्यों की तुलना कुछ वर्ष पूर्व की स्थिति से अवश्य करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी निरंतर विकास एवं जनसेवा के लिए कार्य कर रही है, विकास निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है, आगे भी इसी तरह सेवा भाव के साथ विकास कार्य किए जाएंगे।

मनुष्य का मन वहीं लगता है, जहाँ महत्व होता है

बालाजी नगर में व्यासपीठ 1008 श्री राजगुरु स्वामी बदरीप्रपन्नाचार्य जी महाराज की अमृतमयी वाणी श्रवण करने उमडी श्रद्धालुओं की भीड

कटनी (स्वतंत्रमत)।

भगवान भोलेनाथ की विशेष आराधना के पवित्र सावन मास में भाजपा युवा नेता नीरज दुबे के निवास पर नदीपार पार स्थित बालाजी नगर पुरवार स्कूल के सामने विशाल पंडाल में वैकुण्ठवासी स्व भगवान दास दुबे की वार्षिक स्मृति में 7 दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ के धार्मिक आयोजन के द्वितीय दिवस कथा व्यासपीठ 1008 श्री राजगुरु स्वामी बदरीप्रपन्नाचार्य जी महाराज की अमृतमयी वाणी श्रवण करने बडी संख्या में श्रद्धालुओं की भीड उमडी। महाराज जी ने श्रीमद्भागवत कथा में परीक्षित जन्म, कपिलोपाख्यान और ध्रुव चरित्र का विस्तार से वर्णन किया। कथा सायं 4 बजे से प्रारंभ हुई। कथा में मुख्य यजमान पूनाबाई दुबे रही। महाराज जी ने श्रद्धालुओं को श्रीमद्भागवत कथा के महात्म पर कहा कि कथा को किस भाव से श्रवण किया जा रहा है, जिस भाव से जितनी तन्मयता से कथा सुनी जायेगी उसका फल भी उसी अनुसार मिलता है कथा में धुंधकारी को कथा सुनने पर भगवान ने उसे विमान भेजा था। महाराज जी ने आगे बताया कि मनुष्य का मन वही लगता है जहाँ महत्व होता है जिस दिन भगवान को अपना समझकर कथा सुनी जायेगी, मन भी लगेगा और आत्मानुभूति होगी। महाराज जी ने कहा जब नारद जी बद्रीनाथ पहुंचे तो वहां संतो को विनम्र प्रणाम किया तो संतों ने उनको झुककर अभिवादन किया, संत परंपरा में वैष्णो सिद्धांत के आचरण में है, संत प्रणाम करते है तो झुककर स्वीकार करना चाहिये अहंकार और अकड में भगवान बीच में आकर उसे स्वीकार करते है। महाराज जी ने कहा तीन चीजे जीवन में कठिन होती है, मनुष्यदेह मोक्ष की इच्छा एवं महापुरुषों की कृपा लोगों को सौभाग्य से नसीब होती है।

कथा प्रसंग में महाराज जी ने कहा कलयुग में बहुत दोष है अवगुण हे लेकिन एक गुण अच्छा है, कलयुग में मात्र भगवान का नाम लेने से मनुष्य का उद्धार हो जाता है। कथाव्यास ने सावन माह में मंत्रों के विधि विधान पर बताया कि मंत्र का विधान के साथ जाप करना चाहिए नहीं तो मंत्र कल्याण भी करते है और विनाश भी करते है। उन्होंने बताया महिलाओं को ऊं नम: शिवाय का जाप नही करना चाहिये बल्कि शिवाय नम: का जाप करना चाहिए।

कटनी जिला बैडमिंटन संघ की चुनाव प्रक्रिया संपन्न

कटनी (स्वतंत्रमत)। कटनी जिला बैडमिंटन संघ कटनी की विशेष चुनावी सभा का आयोजन 09 अगस्त 2026 दिन रविवार प्रात: 11:30 बजे इंडियन कॉफी हाउस बरगवां कटनी में किया गया। कटनी जिला बैडमिंटन संघ के सचिव अलोक कुमार जूडराज जोसफ ने सभा में उपस्थित सभी पदाधिकारियों व संघ सदस्यों का स्वागत, वंदन किया। तत्पश्चात पिछली मीटिंग जो अप्रैल माह में की गई थी उसकी जानकारी दी गई, गत वर्ष के आय-व्यय का विवरण प्रस्तुत किया गया। चुनावी प्रक्रिया कटनी जिला बैडमिंटन संघ अध्यक्ष सुशील कुमार जैन पंचम भैया के माध्यम से किया गया। पंचम भैया ने अपने व्यक्तिगत व्यस्थता का हवाला देते हुए अपने पद का त्याग कर नये अध्यक्ष पद हेतु भागवत प्रसाद तंतुवाय, सचिव पद हेतु अलोक कुमार जूडराज जोसफ, कोषाध्यक्ष पद हेतु संजय संगतानी का नाम प्रस्तावित किया, जिसे सभा में उपस्थित सभी सदस्यों ने जोरदार ताली बजाकर अपनी स्वीकृति दी। कटनी जिला बैडमिंटन संघ कटनी के नए संघ अध्यक्ष भागवत प्रसाद तंतुवाय, नए कोषाध्यक्ष संजय संगतानी व सचिव पद हेतु एक बार पुन: अलोक कुमार जूडराज जोसफ का चयन निर्विरोध सर्वसम्मति से किया गया। संघ के नए अध्यक्ष भागवत प्रसाद तंतुवाय ने उपस्थित सभी सदस्यों को धन्यवाद दिया। संघ के पूर्व अध्यक्ष सुशील कुमार जैन पंचम भैया ने भावुक होते हुए अपने 25 साल के कटनी जिला बैडमिंटन संघ से जुड़ी यादो व कार्यकाल के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की व इन 25 सालों में सभी के सहयोग के लिए सभी को धन्यवाद दिया व संघ को भविष्य में सफलतापूर्वक संचालन करने के लिए शुभकामनाएं दी। अंत में कटनी जिला बैडमिंटन संघ के सचिव अलोक कुमार जूडराज ने पूर्व संघ अध्यक्ष सुशील कुमार जैन पंचम भैया को उनके 25 सालों के तन मन धन से योगदान, संघ व खेल के प्रति समर्पण के लिए सभी संघ सदस्यों व खिलाड़ियों की तरफ से धन्यवाद प्रेषित किया व सभा में उपस्थित सभी संघ सदस्यों को सफलतापूर्वक निर्विरोध चुनाव प्रक्रिया संपन्न कराने के लिए आभार व्यक्त किया।

इस चुनाव प्रक्रिया में विभाष पाटिल, राजेंद्र बरसैयां राजू, अनिल नेमा, विनोद संगतानी, आयुष सेन, अविनाश आहूजा, अजय सहजवानी, राहुल नागरथ, निधि गोलछा मैडम, संजय गिरी की भी उपस्थित रही।

मुख्यमंत्री एवं मुख्य सचिव मध्य प्रदेश शासन के नाम का ज्ञापन संघ के द्वारा सौंपा जायेगा

कटनी (स्वतंत्रमत)। मध्य प्रदेश लघु वेतन कर्मचारी संघ जिला शाखा कटनी के जिलाध्यक्ष पूर्णेश उइके एवं मीडिया प्रभारी अनिल पांडेय ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि संघ के प्रांतीय आवाहन पर आंदोलन के प्रथम चरण में 10 अगस्त को सायं 04 बजे से शाम 05 बजे के मध्य मध्य प्रदेश शासन में कार्यरत चतुर्थ श्रेणी नियमित कर्मचारी आकस्मिक कार्यभारित स्थाई कर्मी दैनिक वेतन भोगी अंशकालीन कर्मचारी आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सहायिका आशा उषा कार्यकर्ता कोटवार रसोईया बहनों की छह सूत्रीय मांगों के निराकरण हेतु मुख्यमंत्री एवं मुख्य सचिव मध्य प्रदेश शासन के नाम का ज्ञापन जिला कलेक्टर कटनी के माध्यम से सौंपा जाएगा एवं उसी अनुक्रम में आंदोलन के द्वितीय चरण में विधायक मुड़वारा संदीप जायसवाल को 14 अगस्त को सायं 04 बजे ज्ञापन सौंपा जाएगा संघ के पदाधिकारी अजय गौतम उप प्रांताध्यक्ष सौरभ सिंह, जिला सचिव मनोज श्रीवास, जिला महामंत्री राकेश जसूजा, धर्मेंद्र राज, अजीमुदीन शाह, मनोज दहिया, संदीप गुप्ता व अन्य ने ज्ञापन कार्यक्रम में शामिल होने हेतु समस्त कर्मचारियों से अनुरोध किया है।

संगीत और उत्साह के साथ इंडक्शन मीट में नव प्रवेशित छात्र/छात्राओं का भव्य स्वागत

कटनी (स्वतंत्रमत)।

चड्डा ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन के तत्वाधान में कटनी आर्ट्स एंड कॉमर्स ऑटोनॉमस कॉलेज (चड्डा ऑटोनॉमस कॉलेज) कटनी द्वारा नवप्रवेशित नव प्रवेशित छात्र/छात्राओं के स्वागत एवं उनके महाविद्यालयीन जीवन की शानदार शुरुआत के लिए **"First Day at College - Students Induction Meet"** का भव्य आयोजन 08 अगस्त शनिवार को प्रात: 10:30 बजे होटल सत्कार, पन्ना मोड़ में आयोजित हुआ। महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. जय चड्डा की अध्यक्षता में इंडक्शन मीट 2026 का शुभारम्भ सरस्वती वंदन-पूजन से हुआ एवं कार्यक्रम विशिष्ट अतिथियों में चड्डा ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट के डायरेक्टर देवाशीष चड्डा की गरिमामय उपस्थिति रही। कार्यक्रम के प्रारम्भ में प्राचार्य डॉ. जय चड्डा द्वारा रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में राष्ट्रपति द्वारा पुरस्कृत गोल्ड मेडलिस्ट छात्रों को मोमेंटो प्रदान कर सम्मानित किया गया। इसी क्रम में महाविद्यालय के टॉपर छात्र छात्राओं को सम्मानित किया गया।

इसके पश्चात् सहायक प्राध्यापिका किरण पाल द्वारा नव प्रवेशी छात्र/छात्राओं को महाविद्यालय के टीचिंग एवं नॉन टीचिंग स्टाफ की प्रोफाइल को पी.पी.टी. के माध्यम से एवं सहायक प्राध्यापक मुकेश गुप्ता द्वारा वीडियो के माध्यम से विगत वर्षों में कराई गई कल्चरल एक्टिविटीज, एकेडमिक एक्टिविटीज, वर्कशॉप, सेमिनार, विभिन्न विभागों द्वारा बनाए गए महत्वपूर्ण दिवसों के विषयों में जानकारी प्रदान की गई। महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. जय चड्डा द्वारा छात्र छात्राओं को महाविद्यालय के विषय में जानकारी प्रदान करते हुए कहा गया कि महाविद्यालय शहर का एकमात्र प्राईवेट कॉलेज है जो कि नैक ग्रेडिंग प्राप्त है तथा यू.जी.सी. द्वारा महाविद्यालय को ऑटोनॉमस का दर्जा प्रदान किया गया है जो कि कटनी शहर के लिए गौरव का विषय है साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि इंडक्शन मीट कार्यक्रम के उद्देश्य नव प्रवेशी छात्र छात्राओं को महाविद्यालय के विषय में जानकारी प्रदान करना, महाविद्यालय की शैक्षणिक व्यवस्था, गतिविधियों एवं उपलब्ध अवसरों से परिचित कराना है तथा महाविद्यालय का उद्देश्य शैक्षणिक गतिविधियों के साथ-साथ सदैव एक सकारात्मक एवं उत्साहपूर्ण वातावरण प्रदान करना है।

गुमशुदा नबालिग बालिका को किया दस्तयाब, आरोपी सलाखों के पीछे

कटनी (स्वतंत्रमत)। कटनी पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा, अति पुलिस अधीक्षक कमल मौर्य के निर्देशन एवं उप. पुलिस अधीक्षक रत्नेश मिश्रा के कुशल मार्ग दर्शन में थाना एन.के.जे. प्रभारी उप निरी रुपेन्द्र राजपूत को अपहर्ता को तलाश करने में मिली सफलता। कटनी पुलिस अधीक्षक कटनी अभिनय विश्वकर्मा द्वारा अपहृत बालक/बालिका के दस्तयाबी हेतु निर्देशित किया गया है।

जिसके पालन में अति पुलिस अधीक्षक कमल मौर्य के निर्देशन एवं उप. पुलिस अधीक्षक रत्नेश मिश्रा के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी एनकेजे उप निरी रूपेन्द्र राजपूत के नेतृत्व में बालक बालिका के दस्तयाबी हेतु टीम गठित की गई थी। इसी तारतम्य मे थाना एनकेजे के अप.क्र. 403/26 धारा 137(2) बीएनएस में अपहृत नाबालिग बालिका को सायबर सेल के माध्यम से टावर लोकेशन के आधार पर मुंबई (महाराष्ट्र) से दस्तयाब कर परिजनो को सुपुर्द किया गया। बालिका के मिलने पर परिजनो ने एनकेजे पुलिस के कार्य की सराहना की है।

सफाई मित्रों की सुरक्षा बनी निगम की प्राथमिकता

स्वास्थ्य सुरक्षा और सुरक्षित कार्यप्रणाली की दी जानकारी

कटनी (स्वतंत्र मत)। स्वच्छ सर्वेक्षण के तहत नगर पालिक निगम एवं सहयोगी विजन संस्था द्वारा बस स्टैंड के पास सफाई मित्रों के लिए सुरक्षा प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में सफाई मित्रों को सुरक्षित तरीके से कार्य करने और स्वास्थ्य संबंधी जोखिमों से बचाव के उपाय बताए गए। प्रशिक्षण के दौरान सफाई मित्रों को पीपीई किट वितरित कर दस्ताने, मास्क, जूते, टोपी एवं रिफ्लेक्टर जैकेट के सही उपयोग की जानकारी दी गई। कचरा उठाने, सड़क एवं नाली सफाई के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों के साथ चोट, संक्रमण और रसायनों के संपर्क से बचाव के उपाय भी समझाए गए। सफाई मित्रों को पीपीई किट पहनने और उसके रखरखाव का प्रायोगिक प्रशिक्षण दिया गया। साथ ही प्राथमिक उपचार, आपात स्थिति में सुरक्षा उपाय, नियमित स्वास्थ्य जांच, स्वच्छ पेयजल और व्यक्तिगत स्वच्छता के महत्व पर जानकारी दी गई। नगर निगम प्रशासन ने कहा कि सफाई मित्र शहर की स्वच्छता व्यवस्था की महत्वपूर्ण कड़ी हैं, इसलिए उनकी सुरक्षा और स्वास्थ्य को प्राथमिकता दी जा रही है। कार्यशाला के दौरान सफाई मित्रों को सुरक्षित कार्य करने की शपथ भी दिलाई गई।

वरुण देव के जयकारों से गूंज उठी कटाएघाट की वादियां

कटनी (स्वतंत्र मत)। झूलेलाल चालिहा महोत्सव समिति द्वारा गुरुनानक वार्ड स्थित झूलेलाल मंदिर में आयोजित किए जा रहे झूलेलाल चालिहा महोत्सव की शहर में धूम मची हुई है। प्रतिदिन आयोजित होने वाले इन कार्यक्रमों में बड़ी संख्या में सिंधी समाज के पुरूष, महिलाएं एवं बच्चे शामिल होकर पुण्यलाभ अर्जित कर रहे हैं। इसी कड़ी में 9 अगस्त रविवार को विविध धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सुबह 9 बजे से कटनी नदी के कटाएघाट तट पर जल देवता की पूजा अर्चना की गई और भजन कीर्तन अखों पल्लव, आरती व दीपदान का आयोजन किया गया।

सिंधी भजनों की शानदार एवं मनमोहक प्रस्तुति पर श्रद्धालु झूम उठे। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में जनसमूह उपस्थित रहा और कार्यक्रम का लुत्फ उठाया। कार्यक्रम के दौरान कटाएघाट की वादियां वरुण देव के जयकारों से गूंज उठी। पूरा वातावरण धर्ममय हो गया समाजसेवी संजय खूबचंदानी ने बताया कि इस मौके पर नदी के पावन तट में भजनों की लहरियां व भगवान झूलेलाल के जयकारे गूंजे।

हर घर तिरंगा अभियान को सफल बनाने कटनी पुलिस की भव्य तिरंगा वाहन रैली

पुलिस अधीक्षक ने स्वयं संभाली रैली की कमान, शहरवासियों ने पुष्पवर्षा कर किया भव्य स्वागत

कटनी (स्वतंत्र मत)।

भारत की आन, बान और शान राष्ट्रीय ध्वज तिरंगे के प्रति सम्मान, राष्ट्रभक्ति एवं राष्ट्रीय एकता की भावना को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से हर घर तिरंगा-2026 अभियान के अंतर्गत कटनी पुलिस द्वारा रक्षित केंद्र, कटनी से एक विशाल एवं आकर्षक तिरंगा वाहन रैली का आयोजन किया गया। रैली का नेतृत्व पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा ने स्वयं मोटरसाइकिल चलाकर किया। पुलिस अधीक्षक की सक्रिय सहभागिता से पुलिस बल, स्कूली बच्चों एवं आमजन में विशेष उत्साह का वातावरण देखने को मिला।

रैली में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमल मौर्य, उप पुलिस अधीक्षक रत्नेश मिश्रा, उप पुलिस अधीक्षक शिवा पाठक, निरीक्षक संजय दुबे, निरीक्षक अनूप सिंह, निरीक्षक राखी पाण्डेय, रक्षित निरीक्षक संध्या राजपूत, निरीक्षक उमेश दुबे, निरीक्षक संजीव रावत, निरीक्षक अंजू लकड़ा तथा सूबेदार सोनम उइके सहित जिले के विभिन्न थानों एवं रक्षित केंद्र के अधिकारी-कर्मचारी बड़ी संख्या में सम्मिलित हुए।

रैली में पुलिस बल के साथ-साथ विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने हाथों में तिरंगा लेकर उत्साहपूर्वक सहभागिता की। भारत माता की जय, वंदे मातरम् एवं हर घर तिरंगा के गगनभेदी नारों से पूरा वातावरण राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत हो गया। रैली का निर्धारित मार्ग रक्षित केंद्र कटनी से प्रारंभ होकर कलेक्टर-एसपी कार्यालय, माधवनगर चौराहा, मिशन चौक, चांडक चौक, घंटाघर, गर्ग तिराहा, खिरहनी ब्रिज, बरही नाका, सुभाष चौक, थाना तिराहा, बरगवां, मिशन चौक होते हुए पुन: रक्षित केंद्र पहुंचकर सम्पन्न हुआ। संपूर्ण रूट पर यातायात पुलिस द्वारा सुचारु यातायात व्यवस्था सुनिश्चित की गई तथा सबसे आगे यातायात मोबाइल वाहन एवं साउंड सिस्टम के माध्यम से राष्ट्रभक्ति के संदेश प्रसारित किए गए। रैली के दौरान शहर के प्रमुख चौराहों एवं मार्गों पर स्थानीय नागरिकों, व्यापारियों, सामाजिक संगठनों एवं गणमान्य नागरिकों द्वारा पुलिस वाहन रैली का पुष्पवर्षा कर भव्य स्वागत किया गया। नागरिकों ने हाथों में तिरंगा लेकर रैली का अभिनंदन किया तथा हर घर तिरंगा अभियान को सफल बनाने का संकल्प व्यक्त किया।

जगह-जगह पुष्पवर्षा एवं भारत माता के जयघोष से सम्पूर्ण शहर राष्ट्रभक्ति के रंग में रंगा दिखाई दिया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा ने नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि हर घर तिरंगा केवल एक अभियान नहीं, बल्कि राष्ट्र के प्रति सम्मान, कर्तव्य एवं गौरव का महापर्व है। प्रत्येक नागरिक अपने घर, प्रतिष्ठान एवं कार्यालय पर सम्मानपूर्वक राष्ट्रीय ध्वज फहराकर इस अभियान को सफल बनाए तथा आने वाली पीढ़ियों में भी राष्ट्रप्रेम की भावना का संचार करे। कटनी पुलिस की यह भव्य तिरंगा वाहन रैली राष्ट्रीय एकता, अखंडता एवं देशभक्ति का प्रेरणादायी संदेश देने में सफल रही। पुलिस, विद्यार्थियों एवं आमजन की सहभागिता ने यह सिद्ध कर दिया कि तिरंगा प्रत्येक भारतीय के सम्मान, स्वाभिमान, बलिदान और राष्ट्र गौरव का प्रतीक है तथा हर घर तिरंगा अभियान जन-जन का अभियान बन चुका है।

वॉर्मअप मैच में भारत ने श्रीलंका को 6 विकेट से हराया

सिराज ने लगातार तीन छक्के लगाकर भारत को जिताया

नई दिल्ली

भारत ने टेस्ट सीरीज से पहले वॉर्मअप मैच में श्रीलंका-11 को 6 विकेट से हरा दिया। मोहम्मद सिराज ने आखिरी ओवर की लगातार तीन छक्के लगाकर टीम इंडिया को जीत दिलाई। कोलंबो में मैच के आखिरी दिन रविवार का खेल समाप्त होने से पहले भारत को जीत के लिए 16 रन चाहिए थे। ऐसे में सिराज ने केशरा नुवंथा के ओवर की शुरुआती तीन बॉल पर लगातार तीन छक्के लगाए। हालांकि, भारत की जीत के बाद भी खेल जारी रहा। उंगली की चोट से लौट रहे कप्तान शुभमन गिल ने 44 रन की पारी खेली। उन्होंने यशस्वी जायसवाल के साथ 105 रन की साझेदारी की। भारत को 207 रन का टारगेट मिला था। उसने दिन का खेल शुरु होने से पहले ही पहली पारी 357/6 के स्कोर पर घोषित की। फिर श्रीलंका क्रिकेट 11 ने अपनी दूसरी पारी 200/6 के स्कोर पर घोषित की। श्रीलंका-11 ने पहली पारी में 363/8 का स्कोर बनाया था। भारत के मैच जीतने के बाद भी खेल जारी रहा। अंपायर्स ने केशरा नुवंथा का ओवर पूरा कराया। सिराज ने ओवर की बची तीनों गेंद खेलीं। दरअसल प्रैक्टिस मैच का रिजल्ट सीरीज या टूर्नामेंट की जीत-हार में नहीं जुड़ता। मैच का मकसद खिलाड़ियों को मैदान, पिच के लिहाज से तैयार कराना है। इसमें टीम अपनी प्लेइंग-11 में स्क्वाड में शामिल सभी 15 खिलाड़ियों को खिला सकती है। अगर टीम चाहे तो मैच जीतने के बाद भी वह पूरे तय ओवर तक बैटिंग खेल सकती है।

नेट सेशन के दौरान गिल को चोट लगी थी- वॉर्मअप मैच शुरू होने से एक दिन पहले गुरुवार को ट्रेनिंग के दौरान गिल की उंगली में चोट लगी थी। इसके बाद वे मैच के पहले दो दिन मैदान पर नहीं उतरे थे। उनकी गैरमौजूदगी में के एल राहुल ने कप्तानी की। बीसीसीआई ने अपने बयान में कहा था- एहतियात के तौर पर गिल श्रीलंका क्रिकेट 11 के खिलाफ अभ्यास मैच के पहले दिन मैदान पर नहीं उतरेंगे।

जकार्ता में चेलेसा एफसी व एसी मिलान के बीच मैत्री फुटबॉल मैच में खेलते हुए खिलाड़ी।

अंडर 20 एथलेटिक्स चैंपियनशिप में

बसंत ने ऊंची कूद में जीता रजत

शाहनवाज ने लंबी कूद में कांस्य जीता

यूजीन

भारत के बसंत कुमार मेघवाल ने अमेरिका के ओरेगन के यूजीन में जारी अंडर 20 एथलेटिक्स चैंपियनशिप में रजत पदक जीता है। बसंत ने पुरुषों की ऊंची कूद स्पर्धा में ये पदक जीता, वहीं भारत के ही शाहनवाज खान ने पुरुषों की लंबी कूद में कांस्य पदक जीता। इससे अंदाज होता है कि अब एथलेटिक्स में भी भारतीय खिलाड़ी तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। 19 साल के बसंत ने 2.21 मीटर की शानदार छलांग लगाकर अपने व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन की बराबरी की। इस युवा एथलीट ने पहले प्रयास में 2.06 मीटर, फिर 2.12 मीटर और 2.17 मीटर की ऊंचाई आसानी से पार करते हुए दूसरा स्थान हासिल किया। 2.21 मीटर की निर्णायक छलांग से वह शीर्ष तीन में पहुंचे। शीर्ष तीन एथलीटों द्वारा समान ऊंचाई पार करने के बावजूद, 'काउंटबैक' नियम के आधार पर बसंत ने सिल्वर पदक जीता। इससे वह किसी भी विश्व स्तरीय इवेंट में हाई जंप में पदक जीतने वाले पहले भारतीय बन गए हैं। इस स्पर्धा का स्वर्ण अल्जीरिया के यूनिस अयाची ने जबकि ब्रिटेन के ओटिस पूल ने कांस्य पदक जीता। वहीं पुरुषों की लंबी कूद में शाहनवाज ने 7.84 मीटर की छलांग के साथ तीसरा स्थान हासिल कर कांस्य पदक जीता। यह किसी भारतीय पुरुष लॉन्ग जंपर द्वारा विश्व स्तरीय प्रतियोगिता में जीता गया पहला पदक है। शाहनवाज ने तीसरे दौर में 7.84 मीटर की छलांग लगाई और पांचवें राउंड में 7.83 मीटर के साथ दुनिया के बेहतरीन एथलीटों के बीच अपनी जगह और पोडियम पर अपना स्थान मजबूत किया। इस स्पर्धा में इटली के इनजोली ने 7.97 मीटर की सर्वश्रेष्ठ छलांग के साथ स्वर्ण और ऑस्ट्रेलिया के मैकग्रोडर ने 7.96 मीटर के साथ रजत पदक जीता।

इन दो पदकों के साथ ही इस चैंपियनशिप में भारत के अब तीन पदक हो गये हैं। इससे पहले भारत के ही आशीष यादव ने भाला फेंक में रजत पदक जीता था। एक अन्य मुकाबले में भारतीय महिला 4 गुणा 400 मीटर रिले टीम ने भी बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए फाइनल के लिए क्वालिफाई किया। भारत की भूमिका नेहते, तहुरा खातून, तनु चौधरी और थिया अरुमुगम की इस टीम ने अपनी हीट में 3:39.53 का समय निकालकर शीर्ष तीन में जगह बनाई।

भारत की अशिमता चालिहा ने जीता कोरिया मास्टर्स बैडमिंटन खिताब

आसन

भारत की उभरती हुई बैडमिंटन स्टार अशिमता चालिहा ने रविवार को कोरिया मास्टर्स सुपर 300 टूर्नामेंट का महिला एकल खिताब जीत लिया। ये उपलब्धि हासिल करने वाली अशिमता पहली भारतीय खिलाड़ी बन गयी हैं। विश्व रैंकिंग में 50 वीं वरीयता प्राप्त अशिमता ने फाइनल मुकाबले में 35 वीं वरीयरता प्राप्त चीन की खिलाड़ी हान कियान शी को 53 मिनट तक चले मुकाबले में 14-21, 21-14, 21-14 से हराया। इस मैच में पहला गेम हारने के बाद अशिमता ने अच्छी वापसी करते हुए लगातार दो गेम जीतकर मुकाबला अपने नाम किया। यह उनका पहला बीडब्ल्यू एफ विश्व टूर खिताब है। अशिमता ने मुकाबले की शुरुआत में ही 3-0 और फिर 9-5 की बढ़त बना ली पर हान ने इसके बाद अच्छी वापसी करते हुए स्कोर 11-11 से बराबर कर दिया। इसके बाद हान ने लगातार अंक हासिल किये और पहले गेम पर अपनी पकड़ पक्की कर ली। हान ने अपनी लय बरकरार रखते हुए पहला गेम 21-14 से जीत लिया। शुरुआती गेम में हार के बाद भी अशिमता ने दूसरे दूसरे गेम में और आक्रामक रुख अपनाया। दूसरे गेम में अशिमता ने अपने स्मैश का अच्छा इस्तेमाल किया और चीनी खिलाड़ी पर दबाव बनाये रखा। दोनों खिलाड़ियों के बीच शुरुआत में 6-6 की बराबरी रही पर हाफ टाइम तक अशिमता ने 11-8 की बढ़त बना ली। इसके बाद अशिमता लगातार आगे बढ़ती रहीं। हान ने वापसी के प्रयास किये पर असफल रही। भारतीय खिलाड़ी ने 17-10 की बढ़त हासिल करने के बाद गेम 21-14 से जीत लिया और मुकाबले को तीसरे और निर्णायक गेम में पहुंचा दिया। तीसरे गेम की शुरुआत में ही दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली। अशिमता ने शुरुआत में 5-2 की बढ़त बनाई पर हाफ टाइम तक हान ने वापसी करते हुए 11-9 की बढ़त हासिल कर ली। इसके बाद अशिमता ने लगातार छह अंक हासिल करते हुए 15-11 की बढ़त बना ली। बढ़त से उत्साहित भारतीय खिलाड़ी ने एक शानदार क्रॉस-कोर्ट विनर लगाकर स्कोर 19-14 पहुंचा दिया। हान के रिटर्न शॉट के बाहर जाने के बाद अशिमता को चैंपियनशिप अंक मिला और उन्होंने अगले ही मौके पर मुकाबला खत्म करते हुए अपना पहला बीडब्लयूएफ विश्व खिताब जीता।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कर कोच बनना चाहते हैं अजिंक्य रहाणे

नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व अनुभवी बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे ने हाल ही में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की है। इस घोषणा के साथ ही उन्होंने अपनी भविष्य की योजनाओं का भी खुलासा किया है, जिसमें दुनिया भर की टी20 लीग्स में खेलना और एक कुशल कोच के रूप में अपनी दूसरी पारी शुरू करना शामिल है। रहाणे ने स्पष्ट किया कि वह अपने क्रिकेट अनुभव को किसी एक दायरे तक सीमित नहीं रखना चाहते, बल्कि इसे वैश्विक स्तर पर साझा करना चाहते हैं। संन्यास के तुरंत बाद, रहाणे यूरोपीय टी20 प्रीमियर लीग (ईटीपीएल) में एम्सटर्डम फ्लेम्स टीम का हिस्सा बन गए हैं। ईटीपीएल में अपनी शुरुआत से पहले उन्होंने कहा, एक क्रिकेटर के तौर पर मेरी जिम्मेदारी है कि मैं बड़े स्तर पर सोचूं। मैं अपने अनुभव को किसी छोटे दायरे तक सीमित नहीं रखना चाहता, बल्कि इसे वैश्विक स्तर पर साझा करना चाहता हूं। उन्होंने आगे कहा कि वह कोई सीमा तय नहीं करना चाहते कि उन्हें केवल यही या वही लीग खेलनी है; उनका मानना है कि दुनिया भर की लीग्स में खेलते हुए उन्हें अपना अनुभव और जानकारी वैश्विक स्तर पर बांटनी चाहिए। टी20 लीग्स में अपने भविष्य के अलावा, रहाणे ने कोचिंग में अपने करियर को लेकर भी खुलकर बात की। उन्होंने दृढ़ता से कहा, मुझे लगता है कि खेलने के अलावा मैं एक मेंटर और कोच के रूप में भी बहुत बेहतरीन साबित होऊंगा, क्योंकि मैं खिलाड़ियों की मानसिकता को समझता हूं। मैं उन्हें बहुत अच्छे से समझता हूं, क्योंकि एक खिलाड़ी के रूप में मैं हर स्थिति और हर संभव परिस्थिति से गुजरा हूं और वह अनुभव आपकी बहुत मदद करता है। रहाणे के अनुसार, कोचिंग एक तरीके से मैन-मैनेजमेंट और मेंटरशिप का खेल है। उन्होंने यह भी जोड़ा कि फिलहाल उनका पूरा ध्यान क्रिकेट खेलने पर है और खेल के प्रति उनका जुनून बरकरार है। हालांकि, उनका मानना है कि एक बार जब वह खेलना बंद कर देंगे, तो वह एक कोच और मेंटर के रूप में खेल को वापस देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं, क्योंकि उनके पास खेल के हर पहलू का अनुभव है।

जिंदल स्टेनलेस महाराष्ट्र में लगाएगी 40,000 करोड़ का मेगा प्लांट

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी स्टेनलेस स्टील निर्माता जिंदल स्टेनलेस (जेएसएल) महाराष्ट्र में 40,000 करोड़ रुपए के एक बड़े विनिर्माण संयंत्र की स्थापना की योजना बना रही है। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार इस परियोजना के लिए उपयुक्त भूमि की तलाश जारी है और अगले एक-दो तिमाहियों में स्थल का चयन होने की उम्मीद है। यह महत्वाकांक्षी परियोजना 40 लाख टन सालाना उत्पादन क्षमता वाली होगी, जिसे चरणबद्ध तरीके से विकसित किया जाएगा। पहले चरण का संचालन अगले चार वर्षों में शुरू होने की संभावना है। कंपनी का लक्ष्य हाइड्रोजन, परमाणु ऊर्जा और रक्षा जैसे उभरते क्षेत्रों के लिए विशेष ग्रेड के स्टेनलेस स्टील का उत्पादन करना है। महाराष्ट्र सरकार ने इस निवेश को पूरा समर्थन देने का भरोसा दिया है, जिसमें आवश्यक अनुमतियां और वित्तीय प्रोत्साहन शामिल हैं। वर्तमान में जिंदल स्टेनलेस की कुल उत्पादन क्षमता 30 लाख टन सालाना है, जो इस नई परियोजना के चालू होने पर 70 लाख टन तक पहुंच जाएगी।

एफपीआई ने अगस्त के पहले सप्ताह में खरीदे 12,921 करोड़ के शेयर

नई दिल्ली

अगस्त माह के पहले सप्ताह में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने भारतीय शेयरों में 12,921 करोड़ का निवेश किया है। जुलाई में 20,200 करोड़ रुपए के निवेश के बाद यह लगातार दूसरा महीना है जब विदेशी निवेशक भारतीय बाजार में खरीदारी कर रहे हैं। इससे पहले मार्च से जून तक लगातार चार महीने एफपीआई भारी बिकवाल रहे थे, जिसमें मार्च में रिकॉर्ड 1.17 लाख करोड़ रुपए की निकासी हुई थी। विशेषज्ञों के अनुसार, अमेरिका में ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद, कच्चे तेल की नरमी, रुपये की स्थिरता और मजबूत घरेलू वृहद आर्थिक स्थिति विदेशी निवेशकों को आकर्षित कर रही है। बाजार विश्लेषकों का मानना है कि भारतीय शेयरों में कम विदेशी हिस्सेदारी से आगे निवेश की गुंजाइश है। एफपीआई वाहन, टिकाऊ उपभोक्ता और स्वास्थ्य सेवा जैसे क्षेत्रों को प्राथमिकता दे रहे हैं। चालू वर्ष में 2.41 लाख करोड़ रुपए की निकासी के बावजूद यह खरीदारी एक सकारात्मक रुझान है, साथ ही उनकी दिलचस्पी भारतीय ऋण बाजार में भी बनी हुई है।

अल नीनो से भारत सहित एशियाई अर्थव्यवस्थाओं पर महंगाई का खतरा

नई दिल्ली। एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने आगाह किया है कि एशिया-प्रशांत क्षेत्र, विशेषकर भारत, वियतनाम, इंडोनेशिया और फिलिपीन, 2026 में शुरू होने वाले अल नीनो के कारण बढ़ती कीमतों के बीच मौसम संबंधी आपूर्ति झटकों के प्रति संवेदनशील हैं। इससे आर्थिक गतिविधियों पर असर पड़ सकता है, हालांकि व्यापक प्रभाव प्रबंधन योग्य रहने की उम्मीद है। एसएंडपी के अनुसार अल नीनो से कृषि उत्पादन में कमी, खाद्य महंगाई में वृद्धि और जलविद्युत उत्पादन में गिरावट आ सकती है, जिससे दक्षिण और दक्षिण-पूर्व एशिया विशेष रूप से प्रभावित होंगे। विश्व मौसम विज्ञान संगठन (डब्ल्यूएमओ) ने अगस्त से अक्टूबर के बीच मजबूत अल नीनो की आशंका जताई है। भारत के पास जुलाई 2026 तक पर्याप्त खाद्य भंडार हैं और जिला स्तर पर किसानों के साथ समन्वय किया जा रहा है।

कंपनियों के नतीजे और महंगाई के आंकड़े तय करेंगे बाजार की चाल

मुंबई

पिछले सप्ताह भारतीय शेयर बाजार ने उतार-चढ़ाव के बावजूद शानदार बढ़त दर्ज की, जहां सेंसेक्स 78,499.17 और निफ्टी 24,570.65 के नए स्तरों पर बंद हुए। अब निवेशकों की निगाहें इस सप्ताह कई घरेलू और वैश्विक कारकों पर टिकी हैं, जो बाजार की अगली चाल तय करेंगे। कंपनियों के तिमाही नतीजे, महंगाई के आंकड़े और भू-राजनीतिक तनाव अहम भूमिका निभाएंगे। इस हफ्ते कई बड़ी कंपनियां अप्रैल-जून तिमाही के नतीजे जारी करेंगी। इनमें टाटा मोटर्स, अशोक लेलैंड, अपोलो हॉस्पिटल्स, एचएएल, भारत फोर्ज और ग्रासिम इंडस्ट्रीज जैसी दिग्गज फर्में शामिल हैं। कंपनियों के मुनाफे, बिक्री और भविष्य के अनुमानों पर निवेशकों की करीबी नजर रहेगी। बेहतर प्रदर्शन बाजार को नई ऊंचाइयों की ओर ले जा सकता है, जबकि कमजोर नतीजे दबाव बना सकते हैं। 12 अगस्त को जुलाई माह के खुदरा महंगाई (सीपीआई) आंकड़े जारी होंगे, जिनके साथ थोक महंगाई और विदेशी मुद्रा भंडार से जुड़े डेटा पर भी नजर रहेगी। महंगाई के आंकड़े इसलिए महत्वपूर्ण हैं क्योंकि ये भारतीय रिजर्व बैंक की आगामी ब्याज दरों की नीतियों को प्रभावित कर सकते हैं। महंगाई में कमी से ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद बढ़ेगी, जो बाजार के लिए सकारात्मक होगी। अमेरिका और ईरान के बीच मध्य पूर्व में चल रहा तनाव एक बड़ा वैश्विक ट्रिगर बना हुआ है। ईरान ने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को फिर से खोलने के लिए अमेरिका के सामने कई शर्तें रखी हैं।

बीते सप्ताह सस्ते हुए सोयाबीन और पाम तेल, सरसों और बिनौला में उछाल

सोयाबीन-पाम तेल में लागत से कम दाम पर बिकवाली

नई दिल्ली

बीते सप्ताह देश के तेल-तिलहन बाजारों में मिश्रित रुझान देखने को मिला। आयातकों द्वारा लागत से कम दाम पर बिकवाली के चलते सोयाबीन, कच्चे पामतेल (सीपीओ) और पामोलीन में गिरावट आई, जबकि त्योहारी मांग और कम आवक के कारण सरसों और बिनौला तेल में मामूली तेजी दर्ज की गई। बाजार सूत्रों के अनुसार, आयातक बैंकों में अपना कर्ज (एलसी) घुमाने के दबाव में माल की लागत से नीचे दाम पर बिकवाली कर रहे हैं। विदेशों में कीमतें अधिक होने के बावजूद इस प्रकार की बिकवाली से सोयाबीन तेल-तिलहन और पाम-पामोलीन में गिरावट देखने को मिली। कामकाज कुछ कमजोर रहने के कारण मूंगफली तेल-तिलहन के दाम भी मामूली कमजोर रहे। दूसरी ओर, कम आवक और आगामी त्योहारी मांग के कारण सरसों तेल-तिलहन तथा नगण्य उपलब्धता और बड़ी ब्रांडेड कंपनियों की औद्योगिक मांग के चलते बिनौला तेल के दामों में मामूली तेजी देखी गई। विशेषज्ञों ने चिंता जताई है कि भारत जैसे खाद्य तेल आयात पर निर्भर देश में लागत से कम दाम पर खाद्य तेलों की बिकवाली बैंकों और किसानों के लिए गंभीर चुनौती है, जिस पर तत्काल ध्यान देने की आवश्यकता है। सूत्रों ने बताया कि बीते सप्ताह सरसों दाना 50 रुपये के सुधार के साथ 8,300-8,350 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों तेल दादरी 50 रुपये के सुधार के साथ 16,775 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल भी क्रमशः 10-10 रुपये के सुधार के साथ क्रमशः 2,730-2,830 रुपये और 2,730-2,880 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ। वहीं समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाना और सोयाबीन लूज का थोक भाव क्रमशः 225-225 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 7,300-7,350 रुपये और 7,150-7,250 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। इसी प्रकार, दिल्ली में सोयाबीन तेल 75 रुपये की गिरावट के साथ 15,725 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन इंदौर तेल 75 रुपये की गिरावट के साथ 15,575 रुपये और सोयाबीन डीगम तेल 200 रुपये की गिरावट के साथ 12,100 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। बीते सप्ताह मूंगफली तिलहन का दाम 50 रुपये की गिरावट के साथ 7,350-7,925 रुपये क्विंटल, मूंगफली तेल गुजरात 150 रुपये की गिरावट के साथ 17,000 रुपये क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल 20 रुपये की गिरावट के साथ 2,680-2,980 रुपये प्रति टिन पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सीपीओ तेल का दाम भी 100 रुपये की गिरावट के साथ 13,800 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। पामोलीन दिल्ली 125 रुपये की गिरावट के साथ 15,650 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल 175 रहा।

वैश्विक बाजार में छाया भारतीय मखाना बिहार के किसानों को रिकॉर्ड लाभ

वित्त वर्ष 2025 26 में 7,000 टन से अधिक निर्यात

किसानों की आय 18 फीसदी बढ़ी

नई दिल्ली

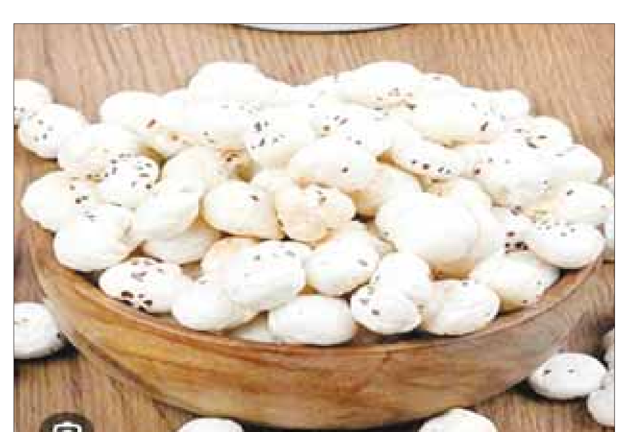

भारत का मखाना वैश्विक बाजारों में अपनी मजबूत पहचान बना रहा है। वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान देश ने 20 से अधिक देशों को 7,000 मीट्रिक टन से ज्यादा मखाना और उसके मूल्य-वर्धित उत्पादों का निर्यात किया। इसी कड़ी में, केंद्र सरकार के कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीईडीए) की मदद से बिहार के जीआई टैग प्राप्त मिथिला मखाना की पहली व्यावसायिक समुद्री खेप ऑस्ट्रेलिया भेजी गई है, जिससे किसानों की आय में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। इस ऐतिहासिक निर्यात पहल के तहत, बिहार के बिहटा स्थित औद्योगिक क्षेत्र से 18 मीट्रिक टन मिथिला मखाना ऑस्ट्रेलिया भेजा गया। यह खेप दरभंगा जिले के किसानों से खरीदी गई, जिससे उन्हें मौजूदा बाजार भाव से लगभग 18 फीसदी अधिक मूल्य मिला। यह दर्शाता है कि निर्यात केंद्रित वैल्यू चेन और किसानों को सीधे बाजार से जोड़ने की रणनीति कितनी कारगर है। अमेरिका, मध्य पूर्व और अफ्रीकी देशों सहित कई अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भारतीय मखाने की मांग लगातार बढ़ रही है। भारत में मखाना उत्पादन का प्रमुख केंद्र बिहार है, जो देश के कुल उत्पादन का लगभग 85 प्रतिशत हिस्सा पैदा करता है। इस क्षेत्र को मजबूत करने के लिए जुलाई 2025 से मखाने के लिए एक अलग एचएस कोड लागू किया जा रहा है, जिससे सटीक निगरानी और वैश्विक बाजारों में पहचान को बल मिलेगा। बिहार के कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि मखाना राज्य की पहचान है और ऑस्ट्रेलिया को जीआई टैग वाले मिथिला मखाना का पहला समुद्री निर्यात बिहार के कृषि उत्पादों की बढ़ती वैश्विक मांग का प्रमाण है। उन्होंने गुणवत्ता मानकों और फोरी समुदाय को सहयोग पर जोर दिया, जिससे किसानों, निर्यातकों और खाद्य प्रसंस्करण उद्योग के लिए नए अवसर खुलेंगे। वैश्विक स्तर पर स्वास्थ्यवर्धक खाद्य पदार्थों की बढ़ती मांग के बीच मखाना भारतीय कृषि निर्यात का एक महत्वपूर्ण उत्पाद बनकर उभर रहा है।

किसानों के लिए सहायक आय की व्यवस्था करना हमारा लक्ष्यः मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने राजगढ़ में आयोजित बलराम कृषि महोत्सव को वर्चुअली किया संबोधित

भोपाल (स्वतंत्र मत)।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि राज्य सरकार किसान कल्याण वर्ष में कृषकों के कल्याण के लिए 16 विभागों के समन्वय से विभिन्न गतिविधियां संचालित कर रही है। किसान पूरी लगन और मेहनत से खेती करें, अगले सीजन से खेती के लिए दिन में 10 घंटे बिजली की व्यवस्था की जा रही है। हमारा उद्देश्य खेती की आमदनी को दोगुना करने के साथ मत्स्य पालन, पशुपालन और दुग्ध उत्पादन के माध्यम से कृषकों के लिए सहायक आय की व्यवस्था करना है। प्रदेश में सांची ब्रांड के आधार पर दुग्ध उत्पादन को 12 प्रतिशत से 20 प्रतिशत ले जाने का लक्ष्य है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव राजगढ़ में आयोजित बलराम कृषि महोत्सव को मुख्यमंत्री निवास भोपाल से वर्चुअली संबोधित कर रहे थे। राजगढ़ में आयोजित कार्यक्रम में कौशल विकास एवं रोजगार मंत्री गौतम टेटवाल तथा अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार ने राजगढ़ को कई सौगातें दी है। हाइवे के साथ अब राजगढ़ की पहचान औद्योगिक क्षेत्र के रूप में हो रही है। मोहनपुरा कुंडालिया डैम से जिले में सिंचाई

सुविधा का विस्तार हुआ है। आने वाले समय में चंबल-कालीसिंध-पार्वती लिंक परियोजना से जिले को और भी लाभ मिलेगा। सिंचाई सुविधा के विस्तार और कृषि क्षेत्र में उपलब्ध हो रहे अवसरों से राजगढ़ जिले की छवि को बदलने में भी मदद मिलेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि गेहूं उत्पादक किसानों से 104 लाख मीट्रिक टन गेहूं एमएसपी पर खरीदा गया है। हमारी सरकार ने प्रदेश में 65 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा का विस्तार किया है। किसानों को सोयाबीन के लिए भावांतर की सुविधा उपलब्ध करवाई गई, किसान सम्मान निधि के अंतर्गत दी जाने वाली राशि सीधे किसान के खाते में आ रही हैं। लाड़ली बहनों को भी राशि उपलब्ध कराई जा रही है। प्रधानमंत्री श्री मोदी इन कल्याणकारी गतिविधियों के लिए बधाई के पात्र है।

कवच योजना से दूर हुई हजारों किसानों की चिंता

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कवच योजना का उल्लेख करते हुए कहा कि इसके माध्यम से किसान द्वारा दोबारा बैंक ऋण और फसल ऋण प्राप्त कर सकते हैं। किसानों की चिंता दूर हुई है और किसान बैंकिंग व्यवस्था की मुख्यधारा से जुड़ रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किसान कल्याण से जुड़ी योजनाओं और कार्यक्रमों की जानकारी प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक पहुंचाने की आवश्यकता बताई। मुख्यमंत्री ने बलराम कृषि महोत्सव के अंतर्गत प्रदेश में किसानों के मार्गदर्शन के लिए उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं का लाभ लेने के लिए किसानों को प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि शीघ्र ही लाड़ली बहना योजना की राशि, बहनों के खातों में जारी होने वाली हैं। संपूर्ण प्रदेश में हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत तिरंगा यात्राएं निकाली जा रही हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ग्राम, वार्ड, जनपद, जिला स्तर पर तिरंगा यात्राएं निकालने के लिए उपस्थित जनसमुदायों को प्रेरित किया।

काम नहीं करने वालों पर होगी कठोर कार्रवाई

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार ने सभी जिलों में बड़े पैमाने पर पुलिस भर्ती की है। सभी जिलों में पुलिस बैंड की व्यवस्था की जा रही है। राज्य सरकार प्रदेश में लगभग 80 हजार पदों पर भर्ती करा रही हैं, लगभग 10 हजार भर्तियां शिक्षकों की हो रही हैं। अधिकारी-कर्मचारियों की पदोन्नति की प्रक्रिया भी निरंतर जारी है। अधिकारी-कर्मचारियों को निर्देशित किया गया है कि वे प्रत्येक शुक्रवार को दौरा कर जनविश्वास अभियान के अंतर्गत जनता के बीच जाकर कार्य करें, शुक्रवार को कोई बैठक नहीं होगी। लापरवाही या काम नहीं करने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी और बेहतर कार्य करने वालों को सरकार प्रोत्साहित करेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू कर दी गई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गरीब और वंचित वर्ग के साथ त्यौहारों की खुशियां साझा करने का भी अनुरोध किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्वतंत्रता दिवस, रक्षाबंधन, जन्माष्टमी, हलधर जयंती आदि त्यौहारों की बधाई और मंगलकामनाएं दीं।

आम जनता की समस्याओं के तत्काल समाधान के लिए सदैव तत्पर रहें अधिकारी-कर्मचारी एवं जनप्रतिनिधि

प्रभारी मंत्री ने मुख्यमंत्री जन विश्वास एवं हर घर तिरंगा अभियान की तैयारियों की समीक्षा कर दिए निर्देश

भोपाल (स्वतंत्र मत)। उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री तथा पन्ना जिले के प्रभारी मंत्री इन्दर सिंह परमार ने कहा है कि मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित समाधान, शासन की योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन तथा जवाबदेह एवं जनहितैषी प्रशासन सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। अधिकारी-कर्मचारी एवं जनप्रतिनिधि आमजन की समस्याओं के तत्काल समाधान के लिए सदैव तत्पर रहें और जनता के बीच निरंतर संवाद एवं जुड़ाव बनाए रखें। प्रभारी मंत्री श्री परमार ने शनिवार को पन्ना कलेक्टर कार्यालय सभागार में मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान एवं हर घर तिरंगा अभियान की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि आगामी 8 जनवरी तक प्रत्येक शुक्रवार को विभागीय अधिकारी-कर्मचारियों के साथ जनप्रतिनिधि भी क्षेत्र भ्रमण कर आमजन की समस्याओं को सुनेंगे और उनके निराकरण के लिए प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करेंगे। इस दौरान जन एवं उद्योग संवाद कार्यक्रमों के साथ शासकीय संस्थाओं का भ्रमण भी किया जाएगा। श्री परमार ने कहा कि अभियान के अंतर्गत नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में शिविर आयोजित कर नागरिकों को विभिन्न विभागों की शासकीय योजनाओं का लाभ सहजता से उपलब्ध कराया जाए। शिविरों में पात्र हितग्राहियों को मौके पर ही हितलाभ वितरण सुनिश्चित करने के साथ प्राप्त आवेदनों पर प्रभावी एवं समयबद्ध कार्रवाई की जाए।

प्रभारी मंत्री श्री परमार ने बताया कि वे 14 अगस्त को पन्ना एवं गुनौर विकासखंड में प्रस्तावित मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के शिविरों में शामिल होने पुनः पन्ना आएंगे। उन्होंने अभियान के सफल क्रियान्वयन के लिए शासन स्तर से जारी गाइडलाइन का विभागवार अक्षरशः पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

खाद, बिजली सहित जनसमस्याओं के निराकरण पर विशेष ध्यान

प्रभारी मंत्री श्री परमार ने कहा कि क्षेत्र भ्रमण के दौरान विशेष रूप से खाद वितरण एवं विद्युत संबंधी शिकायतों के निराकरण पर प्रभावी कार्रवाई की जाए। क्षेत्र भ्रमण की पूर्व सूचना स्थानीय नागरिकों को दी जाए, ताकि अधिक से अधिक लोग अपनी समस्याएं एवं सुझाव अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों तक पहुंचा सकें। जनता से प्राप्त फीडबैक के आधार पर व्यवस्थाओं में आवश्यक सुधार किया जाए तथा ग्रामों की मूलभूत समस्याओं के निराकरण को भी प्राथमिकता दी जाए। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी जनता के बीच विश्वास कायम कर जनहितैषी प्रशासन का आदर्श उदाहरण प्रस्तुत करें।

प्रयास पर्यावरण संस्था दमोह द्वारा वृक्षारोपण अभियान

दमोह। नगर और आसपास के क्षेत्र में हरित क्रांति लाने वाली नगर की अग्रणी संस्था प्रयास पर्यावरण संस्था दमोह द्वारा डायमंड पार्क के सामने वृक्षारोपण कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम में प्रयास पर्यावरण के अध्यक्ष प्रदीप अग्रवाल के सौजन्य से 30 पौधे लाए गए एवं प्रयास के सभी पदाधिकारी सदस्यों को आमंत्रित कर वृक्षारोपण कार्यक्रम किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर शहर के पत्रकार नरेंद्र दुबे की उपस्थिति रही। कार्यक्रम में एसडीएम पथरिया निकेत चौरसिया प्रयास के मार्गदर्शक डॉक्टर अनिल चौधरी डॉ.आलोक सोनवलकर प्रयास संस्था के पूर्व अध्यक्ष पारस जैन, पीके जैन संस्था के कोषाध्यक्ष संतोष जैन, एमके खरे ने पूरे कार्यक्रम में उल्लेखनीय सहयोग प्रदान किया। प्रयास पर्यावरण संस्था वृक्षारोपण के साथ.साथ नगर में और आसपास की क्षेत्र में पॉलीथिन उन्मूलन, स्वच्छता अभियान एवं विभिन्न विद्यालयों में जाकर पर्यावरण के प्रति जागरूकता जैसे कार्यक्रम छात्र-छात्राओं के बीच में संचालित कर रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने हर घर तिरंगा अभियान-तिरंगा यात्रा का किया शुभारंभ

प्रदेशवासियों से अपने-अपने घरों पर तिरंगा लगाने का किया आहवान

भोपाल (स्वतंत्र मत)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने हर घर तिरंगा अभियान - तिरंगा यात्रा का तात्या टोपे स्टेडियम भोपाल में शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने टी.टी. नगर स्टेडियम में तिरंगा यात्रा आरंभ करने की विधिवत घोषणा की तथा तिरंगा यात्रा को झंडी दिखाकर रवाना किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इससे, पहले मुख्यमंत्री निवास पर

तिरंगा लगाया और वे हर घर तिरंगा अभियान के शुभारंभ के लिए मुख्यमंत्री निवास से तिरंगा लेकर रवाना हुए। मुख्यमंत्री निवास का समस्त स्टॉफ हाथों में तिरंगा लेकर भारत माता के जयघोष के साथ मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में समत्व भवन तक पैदल पहुंचा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव निवास से मोटरसाइकिल पर तात्या टोपे स्टेडियम के लिए रवाना हुए। स्टेडियम में आयोजित कार्यक्रम में खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग, राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर, वरिष्ठ विधायक एवं अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल, विधायक रामेश्वर शर्मा, विधायक भगवानदास सबनानी, सांसद भोपाल आलोक शर्मा, भोपाल महापौर श्रीमती मालती राय तथा अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

प्रदेश में 14 अगस्त तक चलेगा हर घर तिरंगा अभियान - मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस अवसर पर मीडिया से चर्चा में कहा कि आज ही के दिन 1942 में भारत छोड़ो आंदोलन आरंभ हुआ था। महात्मा गांधी के आव्हान पर गुलामी के विरुद्ध आरंभ हुए इस निर्णायक संघर्ष ने अंग्रेजों की चूलें हिला दिला दी थीं। इस आंदोलन से विश्व ने भारत में आजादी की ललक देखी। देश की आजादी के लिए क्रांतिकारियों द्वारा दिए गए बलिदान और संघर्ष के साथ ही अहिंसक आंदोलन से पूरे देश में ज्वार उठा। इसी के परिणाम स्वरुप 5 सालों में ही अंग्रेजों को घोषित तिथि से पहले ही देश को आजादी देनी पड़ी।

सभी स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान से ही भारत आजाद हुआ। हर घर तिरंगा अभियान सभी स्वतंत्रता सेनानियों के संघर्ष और बलिदान को स्मरण करने का अवसर है। यह अभियान आज 9 अगस्त से आरंभ होकर 14 अगस्त तक चलेगा। प्रदेश के हर गांव, वार्ड, कस्बे, से लेकर राजधानी तक तिरंगा यात्राएं निकाली जाएगी और अभियान के अंतर्गत विभिन्न गतिविधियां होंगी।

वृहद पौधारोपण कार्यक्रम संपन्न

हटा (स्वतंत्र मत)।

पर्यावरण संरक्षण एवं हरियाली संवर्धन के उद्देश्य से चलाए जा रहे एक पेड़ माँ के नाम अभियान के अंतर्गत लखन लाल सेवा संस्थान हटा एवं देवश्री गौरीशंकर मुक्तिधाम सेवा समिति हटा के संयुक्त तत्वावधान में देवश्री गौरीशंकर मुक्तिधाम परिसर में वृहद पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में पर्यावरण प्रेमियों, वरिष्ठ समाजसेवियों एवं नागरिकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपे। संयुक्त सहयोग से वृहद पौधारोपण

कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम में पर्यावरण प्रेमी एवं जनपद पंचायत हटा के अध्यक्ष गंगाराम पटेल उपस्थित रहे। समिति की ओर से उन्हें पौधा भेंट कर स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर श्री पटेल ने कहा देश हमें देता है सब कुछए हम भी तो कुछ देना सीखें। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल किसी एक व्यक्ति या संस्था की जिम्मेदारी नहीं बल्कि हम सभी का सामूहिक दायित्व है। आज लगाया गया एक पौधा भविष्य की पीढ़ियों के लिए स्वच्छ हवा, छाया और हरियाली का आधार बनेगा। उन्होंने मुक्तिधाम सेवा समिति द्वारा किए जा रहे सामाजिक एवं पर्यावरण संरक्षण के कार्यों की सराहना करते हुए समिति को सम्मानित करने का आश्वासन भी दिया। समिति के कार्यों से प्रभावित होकर सुरेंद्र तंतुवाय, धर्मेंद्र कुमार तंतुवाय एवं शुभम अहिरवार समिति से जुड़े। समिति के सदस्यों ने नए सदस्यों का स्वागत एवं अभिनंदन किया तथा सामाजिक कार्यों में सक्रिय सहभागिता के लिए उनका उत्साहवर्धन किया।

पौधारोपण के साथ संरक्षण का भी लिया संकल्प - लखन लाल सेवा संस्थान के अध्यक्ष जितेंद्र राय ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी सहयोगियों एवं सहभागियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि एक पेड़ माँ के नाम अभियान केवल पौधा लगाने तक सीमित नहीं है बल्कि यह प्रकृति के संरक्षण और आने वाली पीढ़ियों के प्रति हमारी जिम्मेदारी का संकल्प है। उन्होंने कहा कि लगाए गए पौधों की देखभाल एवं संरक्षण के लिए भी सामूहिक प्रयास किए जाएंगे ताकि पौधे वृक्ष का रूप लेकर आने वाले वर्षों में समाज और पर्यावरण को लाभ पहुंचा सकें।

जयकारों के साथ हुआ मासिक महाआरती का आयोजन

दमोह (स्वतंत्र मत)। कृषि उपज मंडी सागर नाका दमोह में रविवार को मासिक महाआरती संपन्न हुई। समापन की बेला में भारतीय शक्ति चेतना पार्टी के प्रांतीय प्रवक्ता बाबूलाल विश्वकर्मा ने कहा कि आज हम सब बड़े सौभाग्यशाली हैं जो परम शक्तिपुत्र महाराज के मार्गदर्शन में चलने का सौभाग्य प्राप्त हो रहा है।

इसी कड़ी में उमा सिंह सचिव ने कहा हम सब बड़े सौभाग्य शाली हैं कि योगीराज शक्तिपुत्र ने मूलध्वज की आरती से जिले की महाआरती को जोड़ा है जो मूलध्वज की आरती करने से सौभाग्य प्राप्त होता है वह सौभाग्य हमारे लिए यही हमारे जिले में मासिक महा आरती में सम्मिलित होने से प्राप्त होता है। भगवती मानव कल्याण संगठन के टीम प्रमुख नन्हेंलाल ने कहा की हमें अपने बच्चों को संस्कारवान बनाना चाहिए जैसे की शक्तिपुत्र महाराज ने कहा है कि सुबह ब्रह्म मुहूर्त में उठकर मां की साधना करें मां की आराधना करें और अपने बच्चों को अपने साथ में बिठाकर के मां की साधना करें।

विशाल कावड़ यात्रा निकली

श्रीदेवजटाशंकर धाम में किया जलाभिषेक

दमोह (स्वतंत्र मत)। सकल असाटी समाज के तत्वाधान में रविवार को निकली कावड़ यात्रा भारी बारिश के बावजूद उत्साह और श्रद्धा के साथ संपन्न हुई। भक्तों ने हर हर महादेव के उद्घोष के साथ एकता और आस्था की मिसाल पेश की। कावड़ यात्रा शहर के टाकीज तिराहा स्थित श्री राम मंदिर से प्रारंभ होकर बकौली चौक, घंटाघर, कोतवाली चौराहा होते हुए श्रीदेव जटाशंकर धाम पहुंची। मार्ग में तेज रफ्तार बारिश हुई लेकिन शिवभक्तों का जोश कम नहीं हुआ। यात्रा बिना रुके धूमधाम से अपने गंतव्य तक पहुंची और वहां विधिपूर्वक जलाभिषेक किया गया और जयकारे लगे।

समाजजनों ने कहा कि इस यात्रा में छोटे बच्चों, बहनों, मातृ शक्तियों, वरिष्ठजनों और युवाओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। सकल असाटी समाज ने अपनी उपस्थिति से यह सिद्ध कर दिया कि चाहे बारिश हो या कोई भी परिस्थिति दमोह हमेशा एक थाए एक है और एक रहेगा। कावड़ यात्रा में श्रीराम मंदिर से प्रारंभ होने के पूर्व विधि विधान से पूजन अर्चन, मातृशक्तियों द्वारा किया गया। सभी ने कांवड़ों में नर्मदा जी का जल भर कर रवाना किया। इसके बाद भोलेनाथ का पूजन उपरांत कावड़ यात्रा प्रारंभ हुई। जिसका जगह-जगह बकौली चौक, घंटाघर, अस्पताल चौराहा, कोतवाली चौराहा के अलावा और भी जगह फल, पानी, पुष्प वर्षा से स्वागत किया गया। यात्रा में भोले स्वरूप बने दीपक असाटी और अनंत असाटी का प्रदर्शन विशेष आकर्षण रहा। श्रद्धालुओं ने उनके दर्शन कर जयकारे लगाए। कार्यक्रम में असाटी समाज महिला समिति की भूमिका सराहनीय रही।

शिवलिंग पर नारियल चढ़ाएं प्लास्टिक नहीं

पूजा की पवित्रता के साथ प्रकृति की रक्षा जरूरी

दमोह (स्वतंत्र मत)।

श्रीदेव जागेश्वरनाथ मंदिर बांदकपुर में चल रहे 11 दिवसीय लघु रुद्रात्मक रुद्राभिषेक अनुष्ठान के चतुर्थ दिवस मंदिर ट्रस्ट के प्रबंधक पंडित श्रीराम कृपाल पाठक के मार्गदर्शन में विधि.विधानपूर्वक लघु रुद्रात्मक रुद्राभिषेक संपन्न हुआ। चतुर्थ दिवस के लघु रुद्रात्मक रुद्राभिषेक के यजमान एसडीएम निकेत चौरसिया मंदिर ट्रस्ट अध्यक्ष सुरेश मेहता एवं बांदकपुर चौकी प्रभारी राजेंद्र मिश्रा मनोज द्विवेदी मंदिर ट्रस्ट के प्रवक्ता रवि शास्त्री ने बताया कि मंदिर ट्रस्ट द्वारा श्रीराम कृपाल पाठक के मार्गदर्शन में यह 11 दिवसीय धार्मिक अनुष्ठान श्रद्धा एवं शास्त्रोक्त विधिविधान के साथ कराया जा रहा है। इस अवसर पर मंदिर ट्रस्ट के प्रबंधक श्रीराम कृपाल पाठक ने शिवलिंग पर भक्तों द्वारा नारियल के साथ

प्लास्टिक की पन्नी चढ़ाये जाने पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि आजकल देखने में आता है कि अनेक श्रद्धालु रोक के बावजूद मंदिर में पहुंचकर प्लास्टिक पन्नी के साथ शिवजी को नारियल अर्पित करते हैं।

उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं को स्वयं विचार करना चाहिए कि क्या भगवान शिव को नारियल के साथ प्लास्टिक पन्नी चढ़ाना उचित है क्या शिवलिंग जैसे पवित्र देवविग्रह पर प्लास्टिक की पन्नी चढ़ाकर हम उसकी पवित्रता को प्रभावित नहीं कर रहे हैं क्या भगवान शिव को प्रसन्न करने के लिए प्लास्टिक का आवरण आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि भगवान शिव भाव के भोले हैंए उन्हें दिखावे की आवश्यकता नहीं है पूजा का महत्व वस्तु की कीमत से नहीं बल्कि श्रद्धा शुद्धता और निर्मल भावना से होता है यदि नारियल भगवान को अर्पित करना है तो उसकी प्लास्टिक पन्नी अलग करके उसे उचित स्थान पर रखें और उसके बाद नारियल भगवान को समर्पित करें, इससे मंदिर की पवित्रता बनी रहेगी। परिसर स्वच्छ रहेगा और पर्यावरण को भी नुकसान नहीं पहुंचेगा। सनातन संस्कृति ने प्रकृति को सदैव पूजनीय माना है जल, वृक्ष, नदियां, पर्वत और समस्त सृष्टि हमारे लिए श्रद्धा के विषय हैं।

करंट से मृत शरद के अंतिम संस्कार के लिए समाजसेवियों ने जुटाई राशि

हटा (स्वतंत्र मत)। करंट की चपेट में आने से जान गंवाने वाले शरद पिता किशन की आर्थिक स्थिति बेहद दयनीय थी। परिवार के सामने सबसे बड़ी चिंता अंतिम संस्कार और बाद के क्रियाकर्म की थी। बताया गया कि परिवार के पास इन कार्यों के लिए भी पर्याप्त राशि नहीं थी। शरद का करीब डेढ़ वर्ष का अबोध पुत्र है। ऐसी स्थिति में उसके अंतिम संस्कार की जिम्मेदारी भी परिवार के लिए बेहद कठिन हो गई थी। मामले की जानकारी सोशल मीडिया के माध्यम से सामने आने के बाद नगर के अनेक समाजसेवियों ने आगे बढ़कर आर्थिक सहयोग किया और राशि एकत्रित कर परिवार की मदद की। इस मानवीय पहल के चलते शरद के अंतिम संस्कार की व्यवस्था हो सकी। विपरीत परिस्थितियों में समाजसेवियों द्वारा की गई यह सहायता परिवार के लिए बड़ा संबल बनी। बताया गया कि घटना स्थल पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष शिवचरण पटेल का था। वहीं, अस्पताल में विधायक के पुत्र भी काफी देर तक मौजूद रहे। घटना के बाद स्थानीय स्तर पर लोगों ने पीड़ित परिवार की स्थिति को देखते हुए सहायता के लिए पहल की।

गढ़ा थाना क्षेत्र में वारदात, आरोपियों की तलाश में पुलिस

सेल्समेन को रोककर मारे ताबड़तोड़ चाकू

जबलपुर (स्वतंत्र मत) । गढ़ा थाने में समीर सिंगोरेउम्र 22 वर्ष निवासी ग्राम सर्री थाना बम्हनी बंजर जिला मंडला वर्तमान पता मदरटेरेसा माढोताल ने रिपोर्ट दर्ज कर बताया कि वह शुभ मोटर्स महानद्दा में सेल्सेमेन का काम करता है। रात के समय साथी अंकित बत्रा के साथ अपनी मोटरसाइकिल से ग्वारीघाट घूमने गया था तथा दोनों ग्वारीघाट से वापस मदरटेरेसा जा रहे थे। मदनमहल ब्रिज के उपर पहुंचे कि छोटीलाईन फाटक तरफ से तीन लड़के सफेद एक्सिस में बैठे थे जो शराब पीने के लिये एक हजार रूपये मांगने लगे। उसने पैसे देने से मना किया तो एक लड़के ने चाकू से हमलाकर घायल कर दिया।

भक्तिमय वातावरण में लगे बम-बम भोले के जयकारे

श्रावण मास पर केंट क्षेत्र में निकाली गई विशाल झंडा यात्रा

जबलपुर (स्वतंत्र मत) । श्रावण मास के पावन अवसर पर मयंक चमन श्रीवास्तव के संयोजन में विशाल झंडा यात्रा का आयोजन सदर गणेश चैक से किया गया। यात्रा सदर के विभिन्न मार्गो से होती हुई सदर काली मंदिर में सम्पन्न हुई। जिसमें भगवान भोलेनाथ की आकर्षक झांकी शामिल रही। बैंड की सुमधुर भक्तिमय धुन से सारा वातावरण भक्ति से ओत प्रोत हो गया। इस अवसर पर सांसद आशीष दुबे, केंट विधायक अशोक रोहाणी, नगर निगम अध्यक्ष रिंकू विज, चमन श्रीवास्तव, सुधांशु गुप्ता आदि उपस्थित रहे।

लड़े जंग वीरों की तरह, तभी देश आजाद हुआ

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। भारत के स्वतंत्रता संग्राम के स्वर्णिम इतिहास में 9 अगस्त 1942 का दिन अगस्त क्रांति दिवस के रूप में अमर है। इसी दिन महात्मा गांधी के नेतृत्व में भारत छोड़ो आंदोलन का शंखनाद हुआ था, जिसने देश की आजादी के आंदोलन को नई दिशा और गति प्रदान की। इसी कड़ी रविवार 9 अगस्त को कांग्रेस एवं सेवादल द्वारा स्वंतत्रता संग्राम सेनानियों को नमन कर अगस्त क्रांति पदयात्रा का आयोजन किया गया।

अगस्त क्रांति दिवस पर स्वतंत्रता संग्राम सेनानी सेठ गोविंद दास को नमन कर कांग्रेस ने निकाली अगस्त क्रांति पदयात्रा

इस अवसर पर कांग्रेस पार्टी एवं सेवादल के नेताओं एवं कार्यकर्ताओं द्वारा शहीद स्मारक स्थित स्वतंत्रता संग्राम सेनानी सेठ गोविंद दास की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

प्रभात फेरी का हुआ आयोजन

कार्यक्रम का शुभारंभ शहीद स्मारक, गोल बाजार में ध्वज वंदन से हुआ। तत्पश्चात स्वतंत्रता संग्राम सेनानी सेठ गोविंद दास प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इसके उपरांत प्रभात फेरी शहीद स्मारक (गोल बाजार) से आरंभ हुई, जो मालवीय चौक, बड़ा फुहारा, तिलक भूमि तलैया, अंधेरदेव, विक्टोरिया होते हुए गांधी स्मारक (टाउन हॉल) पहुंची। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष अवनीश भार्गव, प्रदेश प्रभारी प्रताप नारायण मिश्रा, विधायक लखन घनघोरिया, मदन तिवारी, पूर्व विधायक विनय सक्सेना, शहर कांग्रेस अध्यक्ष सौरभ नाटी शर्मा, ग्रामीण कांग्रेस अध्यक्ष संजय यादव, मप्र सह प्रभारी सीपी गौतम शहर, कांग्रेस सेवादल अध्यक्ष सतीश तिवारी, ग्रामीण कांग्रेस सेवादल अध्यक्ष शिव नामदेव, महिला विंग प्रदेश अध्यक्ष संगीता कांकरिया, प्रभारी विजय साहू आदि उपस्थित रहे।

करो या मरो के नारे के साथ निकली पदयात्रा

09 अगस्त क्रांति दिवस के अवसर पर शहर सेवादल कांग्रेस के साथ स्वतंत्रता संग्राम सेनानी उत्तराधिकारी संगठन के पदाधिकारी एवं सदस्य भी 'करो या मरो' के नारे के साथ अगस्त क्रांति पदयात्रा में सम्मिलित हुए। इस अवसर पर स्वतंत्रता संग्राम सेनानी उत्तराधिकारी संगठन के प्रदेश उपाध्यक्ष मनोज नामदेव, नगर अध्यक्ष राजेन्द्र रज्जू सराफ, ग्रामीण अध्यक्ष नारायण सिंह शर्मा, एडवोकेट प्रकाश चंद गोलछा, प्रशांत मिश्रा, केशव प्रसाद चौरसिया, पं. आशीष व्यास, अरुण राजनेकर, चुन्नीलाल नीखरा, आशा मालवीय, योगेन्द्र मालवीय, निर्मल चंद जैन, अशोक यादव, श्याम सोलंकी, अनिल गुप्ता, विष्णु विनोदिया, ओमप्रकाश जायसवाल, ओमप्रकाश शर्मा सहित बड़ी संख्या में जबलपुर के स्वतंत्रता संग्राम सेनानी उत्तराधिकारी उपस्थित रहे।

अंग्रेजी हुकूमत के लिए नासूर बने 2 सगे भाई

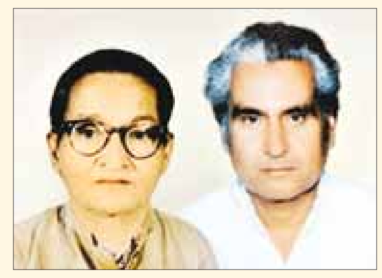

अंग्रेजो भारत छोडो आंदोलन में जबलपुर के दो सगे भाई गुलाब चंद्र नामदेव और रतन चंद्र नामदेव ने स्वतंत्रता आंदोलन में अहम भूमिका निभाई थी। बताया जाता है कि अगस्त क्रांती 1942 को अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ भूमि तलैया से तिरंगा यात्रा निकाली गई। इस बीच बड़ा फुहारा घमंडी चौक पुरानी लाइब्रेरी के पास अंग्रेजी पुलिस ने फायरिंग कर दी। इसमें सेनानी गुलाब सिंह पटेल शहीद हो गए। उन्हें सिर पर गोली लगी थी। इस बीच यात्रा में शामिल गुलाब चंद्र नामदेव को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। उन्हें एक साल की सजा सुनाई गई। इसकी जानकारी उनके छोटे भाई रतनचंद्र नामदेव को मिली तो उन्होंने अंग्रेजों से बदला लेने की ठानी। रतनचंद्र नामदेव निवाड़गंज पहुंचे और अंग्रेजों की पुलिस चौकी में आग लगा दिया। भूमिगत स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्व. रतनचंद्र नामदेव के पुत्र मनोज नामदेव ने बताया कि उनके भीतर देशभक्ति का जोश था। वे अंग्रेजी हुकूमत के सख्त विरोधी रहे। चौकी फूंकने के बाद उनकी गिरफ्तारी के साथ ही कोतवाली से एनकाउंटर का आदेश जारी हुआ। इस पर वे भूमिगत हो गए। अंग्रेजों ने उन्हें खूब तलाशा, लेकिन वे नहीं मिले।

भीषण सड़क हादसे में 2 की मौत, मासूम की हालत गंभीर

तिलवारा थाना क्षेत्र का मामला, जांच में जुटी पुलिस

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

एक तेज रफ्तार मालवाहक वाहन की चपेट में आने से स्कूटी सवार 2 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। वहीं इस घटना में एक मासूम गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसे इलाज के लिए अस्पताल में भती कराया गया है। इस मामले में तिलवारा थाने में शक्ति ढाबा तिलवारा के पास एक्सीडेंट होने की सूचना पर पहुंची पुलिस को जानकारी मिली कि 407 वाहन के चालक द्वारा स्कूटी में टक्कर मारने से स्कूटी में सवार पुरूष, महिला, बच्चे को चोटें आने से उपचार हेतु मेडिकल कॉलेज भिजवाया गया है। मेडिकल कॉलेज पहुंची पुलिस को सानू जायसवाल उम्र 33 वर्ष निवासी सोनी कालोनी शास्त्रीनगर तिलवारा ने बताया कि वह मालवाहक आटो चलाता है।

ढाबे के पास हुआ हादसा– 8 अगस्त की शाम उसके मामा ससुर ओमकार यादव, मधु उर्फ पार्वती बाई गोंड ठाकुर और विराट गौंड़ ठाकुर उम्र 06 वर्ष स्कूटी से बिलहरी जा रहे थे। शक्ति ढाबा के पास एक्सीडेंट होने से तीनो को चोटें आने से तीनों को उपचार हेतु मेडिकल कॉलेज लाया गया है। विराट को उपचार हेतु भर्ती कर लिया गया। जहां पर डॉक्टर ने चैक कर मामा ससुर ओमकार यादव उम्र 40 वर्ष निवासी ग्राम घंसौर थाना घंसौर जिला सिवनी एवं मधु उर्फ पार्वती बाई गौंड़ ठाकुर उम्र 35 वर्ष निवासी सगड़ा तिलवारा को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मामला दर्ज करते हुए जांच शुरू कर दी है।

शराब पीने के लिये रूपए ना देने पर चाकू से हमला

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

मदनमहल थाने में अलमास अंसारी उम्र 18 वर्ष निवासी मोमिनपुरा तलैया मदीना मस्जिद के पीछे गोहलपुर ने रिपोर्ट दर्ज कर बताया कि वह फर्नीचर का काम करता है। रात मोहल्ले के दोस्त सिफान अंसारी और समीर अंसारी के साथ एक्टिवा से मदनमहल स्टेशन रोड होते हुये नया मोहल्ला जा रहे थे। मदनमहल स्टेशन से पहले चौराहा के पास पहुंचे तभी पीछे से सफेद रंग की एक्सिस में तीन लड़के चिल्लाते हुये आकर रूकने के लिये बोले। हम लोग रूके उनमें से एक लड़का शराब पीने के लिये रूपयों की मांग करने लगा, उसने रूपये देने से मना किया तो तीनों लड़के गाली गलौज करने लगे, गालियां देने से मना करने पर कैप लगाये हुये लड़के ने चाकू से हमलाकर उसकी वायें जांघ में चोट पहुंचा दी। पुलिस ने मामले को जांच में लिया है।

महीनों से वेतन बकाया, प्रदेशव्यापी आंदोलन की तैयारी में आउटसोर्स कर्मी

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। भंवरताल गार्डन में मप्र राज्य आउटसोर्स कर्मचारी संघ के तत्वावधान में विभिन्न विभागों के आउटसोर्स कर्मचारियों की एक महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य प्रदेश के लाखों कर्मचारियों को एकजुट कर रोजगार सुरक्षा, बकाया वेतन और अधिकारों की मांग को मजबूती देना रहा। बैठक में कर्मचारियों ने निर्णय लिया है कि मांगें पूरी न होने पर 17 अगस्त को राज्य के सभी 55 जिलों के कलेक्टरों को ज्ञापन सौंपकर प्रदेशव्यापी आंदोलन किया जाएगा। बैठक में कर्मचारियों ने अपनी आर्थिक समस्याओं को साझा करते हुए बताया कि इस महंगाई में महज 10 हजार रुपये के मासिक वेतन पर परिवार का पालन-पोषण करना असंभव हो गया है। जानकारी के मुताबिक शहर में लगभग 20 हजार आउटसोर्स कर्मी विभिन्न विभागों में कार्यरत हैं। इसके बावजूद नगर निगम सहित कई विभागों में कर्मचारियों का 4 से 6 महीने तक का वेतन बकाया रखा गया है और उनसे दोगुना काम लिया जा रहा है। कर्मचारियों ने ठेका प्रथा के तहत हो रहे शोषण पर गहरी चिंता व्यक्त की। उन्होंने आरोप लगाते हुए बताया कि नया ठेका आते ही पुरानी सेवाओं को नजरंदाज कर दिया जाता है और बिना वजह नौकरी से निकाल दिए जाने का भय बना रहता है। इस अनिश्चितता के कारण कर्मचारी मानसिक तनाव और आर्थिक तंगी झेल रहे हैं तथा सामाजिक सुरक्षा से भी वंचित हैं। संघ ने कहा कि 17 अगस्त को ज्ञापन देने के बाद भी मांगें पूरी नहीं हुईं तो पूरे प्रदेश में आंदोलन शुरू किया जाएगा।

कॉलेज और गुरुद्वारे के पास आया नजर तेंदुआ, मचा हड़कंप

खमरिया क्षेत्र का मामला वीडियो आया सामने

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। खमरिया क्षेत्र के रिहायशी इलाकों में पिछले कई दिनों से लगातार तेंदुए का मूवमेंट नजर आ रहा है। इससे स्थानीय लोगों में डर बना हुआ है। घनी आबादी और सार्वजनिक जगहों के पास तेंदुआ दिखने से लोग अपनी और परिवार की सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं। क्षेत्रवासियों ने वन विभाग से तेंदुए को जल्द ट्रेंकुलाइज कर पकड़ने की मांग की है। बताया जा रहा है कि तेंदुआ पहली बार 27 जुलाई को सुबह दिखाई दिया था। ओएफके कॉलेज के पास सड़क पर एक महिला ने अचानक तेंदुए को घूमते देखा। सामने तेंदुआ देखकर महिला घबरा गई और वहां से अपनी जान बचाकर वापस लौट गई। इसके कुछ दिन बाद 5 अगस्त की रात ईस्टलैंड गुरुद्वारे की बाउंड्रीवॉल के पास फिर तेंदुआ दिखाई दिया। तेंदुए का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद आसपास के लोगों की चिंता और बढ़ गई। सुबह घूमने निकलने वाले लोगों और रात में ड्यूटी से लौटने वाले कर्मचारियों में भी डर बना हुआ है।

दहेज की खातिर महिला से मारपीट

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। बरेला थाना चौकी गौर में आभा पटेल उम्र 30 वर्ष निवासी ग्राम हथबेला थाना सिहोरा ने रिपोर्ट दर्ज कर बताया कि उसकी शादी ग्राम नीमखेड़ा निवासी रहने वाले अक्कू उर्फ आकाश पटेल के साथ में दोनों परिवार की सहमति से हुयी थी। शादी में उसके पिता महेन्द्र पटेल ने पति आकाश व ससुराल वालों की मांग पर नगदी 12 लाख एवं गृहस्थी का सामान दिये थे, शादी के लगभग 2 माह बाद पति अक्कू उर्फ आकाश पटैल, ससुर नरेश पटेलएवं सास सुंदर बाई पटैल बोले कि तुम्हारे परिवार वालों ने दहेज कम दिया है। मायके से 20 लाख रूपये लाने के कहकर मायके भेज दिये। कुछ समय बाद वह वापस ससुराल आई तो सास, ससुर व पति आकाश पटेल उससे 20 लाख रूपये की मांग करने लगे, उसने कहा पिता के पास 20 लाख रूपये नहीं है। इसी बात पर ससुराल वाले उसे प्रताड़ित करने लगे पति उसके साथ मारपीट करने लगा। इसी बीच उसने बेटी को जन्म दिया तो पति सास, ससुर उसे अधिक परेशान करने लगे। बार-बार मारपीट से परेशान होकर वह अपने मायके चली गयी थी।

शैक्षणिक सत्र 2026-27 में प्रवेश से वंचित विद्यार्थियों के लिए सुनहरा अवसर

उच्च शिक्षा मंत्री के निर्देश पर प्रवेश के लिए बढ़ाई गई सीएलसी प्रक्रिया

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री इन्दर सिंह परमार के निर्देश पर शैक्षणिक सत्र 2026-27 में प्रवेश से वंचित विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा में प्रवेश का एक और अंतिम अवसर दिया जा रहा है। उच्च शिक्षा विभाग द्वारा शासकीय, अनुदान प्राप्त अशासकीय एवं अशासकीय महाविद्यालयों में स्नातक एवं स्नातकोत्तर कक्षाओं में प्रवेश के लिए अतिरिक्त कॉलेज लेवल काउंसलिंग (सीएलसी) चरण आयोजित किया जा रहा है। यह प्रक्रिया 10 से 14 अगस्त 2026 तक संचालित होगी।

अतिरिक्त सीएलसी चरण में प्रवेश केवल उपलब्ध रिक्त सीटों पर 'पहले आओ, पहले पाओ' के आधार पर दिया जाएगा। रिक्त सीटों की जानकारी विद्यार्थी के लॉगिन के साथ-साथ संबंधित महाविद्यालय के लॉगिन पर भी प्रदर्शित होगी। पंजीकृत विद्यार्थी संबंधित महाविद्यालय में सीधे पहुंचकर प्रवेश शुल्क जमा कर प्रवेश प्राप्त कर सकेंगे।

सीट उपलब्ध होने पर संबंधित महाविद्यालय में सीधे प्रवेश– विद्यार्थी जिस महाविद्यालय में प्रवेश लेना चाहते हैं, वहां सीट उपलब्ध होने की स्थिति में सीधे महाविद्यालय पहुंचकर प्रवेश ले सकेंगे। प्रवेश प्रक्रिया से संबंधित जानकारी अथवा किसी समस्या के समाधान के लिए संबंधित महाविद्यालय के हेल्प सेंटर से संपर्क किया जा सकेगा। अतिरिक्त सीएलसी चरण में नवीन पंजीकृत विद्यार्थी केवल एक महाविद्यालय में पंजीयन कर सकेंगे। संबंधित महाविद्यालय के हेल्प सेंटर पर आवश्यक वेरिफिकेशन के उपरांत विद्यार्थी उसी दिन प्रवेश शुल्क जमा कर प्रवेश प्राप्त कर सकेंगे।

14 अगस्त को प्रवेश की अंतिम समय-सीमा– अतिरिक्त सीएलसी प्रक्रिया 14 अगस्त को शाम 5 बजे तक संचालित होगी। निर्धारित समय-सीमा के भीतर प्रवेश शुल्क जमा कर प्रवेश प्राप्त किया जा सकेगा। 14 अगस्त को शाम 5 बजे के बाद प्राप्त प्रवेश मान्य नहीं होंगे। संपूर्ण प्रवेश प्रक्रिया ऑनलाइन प्रवेश पोर्टल के माध्यम से संचालित की जाएगी। उच्च शिक्षा मंत्री इन्दर सिंह परमार ने प्रवेश से वंचित पात्र विद्यार्थियों से अपील की है कि वे इस अंतिम अवसर का लाभ उठाते हुए निर्धारित अवधि में संबंधित महाविद्यालय से संपर्क करें और उपलब्ध रिक्त सीट पर प्रवेश सुनिश्चित करें।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का आगमन आज

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव का सोमवार 10 अगस्त को जबलपुर आगमन होगा। मुख्यसमंत्री डॉ यादव सुबह 10.45 बजे भोपाल से वायुयान द्वारा डुमना एयरपोर्ट जबलपुर आयेंगे। डॉ यादव यहां स्थानीय कार्यक्रम में शामिल होंगे तथा दोपहर 12.30 बजे डुमना एयरपोर्ट से वायुयान द्वारा भोपाल प्रस्थायन करेंगे।

हितकारिणी प्रकाशन प्रायवेट लिमिटेड के लिए **प्रकाशक एवं मुद्रक- राम असरानी** द्वारा प्रेस काम्पलेक्स सिविक सेंटर जबलपुर से प्रकाशित एवं हितकारिणी प्रिंटिंग प्रेस, सिविक सेंटर जबलपुर से मुद्रित. **प्रबंध सम्पादक- सुबोध दुबे, सम्पादक- राजेन्द्र मिश्रा,** *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयनार्थ उत्तरदायी।
ई-मेल-**smatjbp1@ gmail.com,** फोन- 0761-2411414, 4032436 समस्त विवाद जबलपुर न्यायालयाधीन. पोस्टल रजि. नं. एसएसपी जबलपुर/13/2026-28, **RNI No. 64561/96.**